# दैनिक विनय उजाला

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, अलीराजपुर से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2016/68363

उज्जैन
शनिवार, 19 अप्रैल 2025
वैशाख कृष्ण पक्ष – 06
वर्ष : 10 | अंक : 89
कुल पृष्ठ : 12

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!


डेवाल्ड ब्रेविस को सीएसके में किया शामिल ... 11

### जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

# मुख्यमंत्री ने जताई प्रवासी पक्षियों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और रैप्टाईल्स व जल जीवों के संरक्षण के लिए कार्य योजना की आवश्यकता

विनय उजाला

**उज्जैन, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वन, आजीविका से सम्बद्ध विषय है। जनजातीय क्षेत्र में अपार वन संपदा उपलब्ध है। इसके प्रबंधन में ध्यान रखना होगा कि विकास से जनजातीय वर्ग के हित प्रभावित न हो। भारतीय जीवन पद्धति वनों पर आधारित रही है। वनों के प्रबंधन में औपनिवेशिक सोच से मुक्त होने की आवश्यकता है।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत से विकास और प्रकृति को जोड़ते हुए प्रगति और प्रकृति में सामंजस्य स्थापित कर आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। पेसा एक्ट इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीवन का आनंद समग्रता में है, और प्रकृति आधारित जीवन जीने से कई समस्याओं का समाधान स्वत: ही हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापना, जलवायु परिवर्तन और समुदाय आधारित आजीविका पर प्रशासन अकादमी में राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा केन्द्रीय वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा भगवान बिरसा मुंडा और वीरांगना रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रदेश के महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उईके भी उपस्थित थे।

### विकास की इस धारा में वन और प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चलना होगा

केन्द्रीय मंत्री यादव ने कहा कि विकास की इस धारा में वन और प्रकृति के संरक्षण को साथ लेकर चलना होगा। केंद्र सरकार ने कैपेसिटी बिल्डिंग के माध्यम से वनों में रहने वाले लोगों के जीवन में परिवर्तन के लिए कार्य किया है। वन और यहां रहने वाले लोगों के विकास और संरक्षण के लिए समग्र चिंतन की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य हो रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम हमारा बड़ा अभियान बन चुका है। नवकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए सोलर एनर्जी अलायंस बनाया गया है। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए भी अलायंस की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय बायोफ्यूल अलायंस बनाया गया है। भारत आज दुनिया के विकासशील देशों में ग्लोबल साऊथ का नेतृत्व कर रहा है। हमें वोकल फॉर लोकल तो होना है, साथ में भारत को जनजातीय वर्ग और पर्यावरण के संरक्षण में वैश्विक नेतृत्वकर्ता भी बनना है।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी वन विभाग को बधाई

मुख्यमंत्री ने वनों की स्थिति में सुधार और वन प्रबंधन में नवाचार के लिए के लिए वन विभाग को बधाई दी। वन्य जीवों के संरक्षण से इको सिस्टम बेहतर हो रहा है। प्रधानमंत्री की पहल पर चीतों का पुनर्स्थापना हो पाया है। उन्होंने किंग कोबरा सहित रैप्टाइल्स की प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता जताते हुए कहा कि इससे सर्पदंश की घटनाओं में कमी आएगी।

### मध्यप्रदेश वन की दृष्टि से बहुत संपन्न है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश वन की दृष्टि से बहुत संपन्न है। प्रदेश में यद्यपि कोई ग्लेशियर नहीं है, किन्तु प्राकृतिक रूप से वनों से निकलने वाली जल राशि से ही प्रदेश से निकलने वाली बड़ी नदियां आकार लेती हैं। मध्यप्रदेश से निकली सोन, केन, बेतवा, नर्मदा नदियां देश के कई राज्यों में जल से जीवन पहुंचा रही हैं। बिहार, गुजरात और उत्तर प्रदेश की प्रगति में प्रदेश के वनों से निकले इस जल का महत्वपूर्ण योगदान है। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश के वन, पूरे देश के वन हैं। इन नदियों के संरक्षण और उनके निर्मल अविरल प्रवाह को बनाए रखने के लिए मध्यप्रदेश के वनों का संरक्षण और संवर्धन महत्वपूर्ण है। नर्मदा समग्र के माध्यम से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। अन्य नदियों पर भी कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) लिंक परियोजना के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार माना।

### जनजातीय समाज और वनों का संबंध अभिन्न है : उइके

केन्द्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि जनजातीय समाज और वनों का संबंध अभिन्न है। मिश्रित वनों के शरण के कारण जनजातीय समुदाय वन क्षेत्र से पलायन के लिए विवश हो रहा है। इसी का परिणाम है कि वन प्रबंधन और जनजातीय समुदाय के आजीविका के संसाधनों पर विचार-विमर्श की आवश्यकता उत्पन्न हो रही है।

## समस्त विश्व को भारत से ही दिशा मिलेगी : योगगुरु बाबा रामदेव

### गुरु ही भगवत कृपा पाने का एक सरल मार्ग है : गुरु शरणानन्द महाराज – मलूक दास जयंती महोत्सव में पहुंचे कार्ष्णि शरणानन्द महाराज व रामदेव

मथुरा (हि.स.)

**वृन्दावन नगर वंशीवट स्थित श्री मलूकपीठ बिहारी सेवा संस्थान में चल रहे श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री मलूकदास देवाचार्य महाराज के 451वें जयन्ती महोत्सव के सप्तम दिवस मलूकदास की जयन्ती समारोह में शुक्रवार को योगगुरु बाबा रामदेव एवं कार्ष्णि पीठाधीश्वर गुरु शरणानन्द महाराज पहुंचे।**

योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि आज पूरा देश एक आर्थिक, राजनैतिक ,धार्मिक एवं सांस्कृतिक आतंकवाद के दौर से गुजर रहा है। सनातन विरोधी, बहुत तरह के षड्यंत्र कर रहे हैं। हमें ऐसा प्रयास करना होगा कि चारोतरफ हमारी शक्ति, आचरण, सामर्थ और संगठन से सनातनी विरोधी दुर्योधन को परास्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि समस्त विश्व को भारत से ही दिशा मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि वे भारत के आचार्यो परम्परा में एक महान आचार्य मलूक दास महाराज के जयंती महोत्सव में सम्मिलित होना गौरव पूर्ण क्षण है। उन्होंने सभी से राष्ट्रधर्म एवं सनातन धर्म का पालन करने का अनुरोध किया।

गुरु शरणानन्द महाराज ने कहा कि बिना गुरु के भगवत कृपा पाना भव सागर को पार करने के समान है, इसलिए हर मनुष्य को गुरु दीक्षा अवश्य ग्रहण करनी चाहिए, और गुरुओं के बताए मार्ग पर चलना चाहिए क्योंकि गुरु ही भगवत कृपा पाने का एक सरल मार्ग है। इससे पूर्व मलूक पीठ में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा समापन दिवस पर व्यासपीठ से बोलते हुए श्रीमज्जगद्गुरू अग्रदेवाचार्य एवं मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य महाराज ने श्रीमद्भागवत के मुक्ति खण्ड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भागवत कथा की सार्थकता यही है कि जीव अपने कर्मो का पालन करते हुए स्वयं को राग-द्वेष सहित सभी सांसारिक बन्धनों से स्वयं को मुक्त कर ले। कथा के समापन के बाद मलूक दास महाराज के जयंती पर्व पर सम्मिलित होने पहुंचे योग गुरु बाबा रामदेव एवं कार्ष्णि पीठाधीश्वर गुरु शरणानन्द महाराज सहित अनेकों संत-महंतों द्वारा श्रीमद्जगद्गुरु मलूक दास महाराज की समाधि का पूजन एवं बधाई गायन भी किया गया। महोत्सव में गोरे लाल पीठाधीश्वर महाराज, संत लाडली शरण महाराज, संत रसिक माधव दास महाराज, गोपेश बाबा, अनुराग दास महाराज, धनंजय दास आदि संत उपस्थित रहे।

## गीता और नाट्यशास्त्र को वैश्विक मान्यता, भारत की दस्तावेजी विरासत में एक निर्णायक मील का पत्थर

**नई दिल्ली (हि.स.)। गीता और नाट्यशास्त्र को यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड में शामिल कर लिया गया है। यह वैश्विक मान्यता भारत की दस्तावेजी विरासत में एक निर्णायक मील का पत्थर है।**

शुक्रवार को इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति - यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड के सदस्य प्रोफेसर (डॉ.) रमेश चंद्र गौर ने कहा कि यह भारत के लिए गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को आधिकारिक तौर पर यूनेस्को के प्रतिष्ठित मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित किया गया है। ये दो आधारभूत ग्रंथ अब इस वर्ष मान्यता प्राप्त 74 नई प्रविष्टियों में शामिल हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर शिलालेखों की कुल संख्या 570 हो गई है। उन्होंने कहा कि गीता, एक कालातीत दार्शनिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक है, जिसने दुनिया भर में नैतिक विचार, नेतृत्व और व्यक्तिगत परिवर्तन को आकार दिया है। लगभग 80 भाषाओं में अनुवादित, यह विद्वानों, साधकों और निर्णय लेने वालों के साथ समान रूप से प्रतिध्वनित होता रहता है।

डॉ रमेश चंद्र गौर ने बताया कि नाट्यशास्त्र, प्रदर्शन, सौंदर्यशास्त्र और शास्त्रीय कलाओं पर एक अद्वितीय ग्रंथ है, जो रंगमंच और प्रदर्शन परंपराओं पर सबसे व्यापक दस्तावेजों में से एक है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य, नाटक और संगीत पर इसका प्रभाव गहरा है, और वैश्विक प्रदर्शन सिद्धांत के लिए इसकी प्रासंगिकता स्थायी बनी हुई है। इन अतिरिक्त प्रविष्टियों के साथ, भारत के पास अब अंतर्राष्ट्रीय रजिस्टर में 14 शिलालेख हैं - जो हमारी सभ्यतागत ज्ञान प्रणालियों की गहराई, निरंतरता और वैश्विक महत्व का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सबसे महत्वपूर्ण मील के पत्थरों में से एक है। भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक मान्यता में योगदान देना - जिसमें रामचरितमानस, श्रीमद्भगवद्गीता, नाट्यशास्त्र और पंचतंत्र जैसे महाकाव्य और क्लासिक्स शामिल हैं - एक सम्मान और एक गहरी जिम्मेदारी दोनों है। ये मान्यताएँ न केवल प्रतीकात्मक जीत हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थायी विरासत हैं। उल्लेखनीय है कि नाटकों के संबंध में शास्त्रीय जानकारी को नाट्यशास्त्र कहते हैं। इस जानकारी का सबसे पुराना ग्रंथ भी नाट्यशास्त्र के नाम से जाना जाता है जिसके रचयिता भरत मुनि थे। भरत मुनि का जीवनकाल 400 ईसापूर्व से 100 ई के मध्य किसी समय माना जाता है। महाभारत के युद्ध से ठीक पहले भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो उपदेश दिया वह श्रीमद्भगवद्गीता के नाम से प्रसिद्ध है। यह महाभारत के भीष्मपर्व का अङ्ग है।

### महाराष्ट्र में 22 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त, दो विदेशी सहित तीन गिरफ्तार

**मुंबई (हि.स.)।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले के मीरा रोड और वसई में पुलिस ने छापा मारकर करीब 22 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की है । इस मामले में मीरा भायंदर वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने दो विदेशी नागरिकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है। एमबीवीवी क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाल ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 15 अप्रैल को शबीना शेख (42) नामक एक महिला को गिरफ्तार किया। उसके पास से 17.74 करोड़ रुपये मूल्य की 11.8 किलोग्राम कोकीन बरामद की थी। इस महिला ने पुलिस को बताया कि उसे ड्रग्स एक नाइजीरियाई नागरिक ने दी थी।

## पंजाब में ग्रेनेड हमलों समेत कई घटनाओं की गुत्थी सुलझने की उम्मीद

### पंजाब पुलिस ने ही केंद्रीय एजेंसियों को दिया था डोजियर : डीजीपी

**चंडीगढ़, 18 अप्रैल (हि.स.)। पंजाब के मोस्टवांटेड आतंकी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया को भारत लाने की कार्रवाई शुरू हो गई है। बहुत जल्द ही हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियां को भारत लाया जाएगा। पासिया को अमेरिका में जांच एजेंसी एफबीआई ने गिरफ्तार किया है।**

एफबीआई की ओर से हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी का अधिकारिक ऐलान किए जाने के बाद शुक्रवार को पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से वार्ता की। डीजीवी यादव ने कहा कि हैप्पी पासियां के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट पर आधारित पूरा डोजियर पंजाब पुलिस ने ही एनआईए तथा अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियों को सौंपा था। केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अपनी सूचना के आधार पर इसे यूएस की एजेंसियों को दिया था। उसके बाद हैप्पी पासिया की गिरफ्तारी हो सकी थी। डीजीपी ने बताया कि पासिया की गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस ने केन्द्रीय एजेंसियों से बात की है और आरोपित पासिया को जल्द से जल्द डिपोर्ट करवाकर भारत लाने के लिए विमर्श किया। पंजाब पुलिस को कई केसों में आरोपित पासिया से पूछताछ करेगी।

डीजीपी ने बताया कि हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासिया पंजाब के अमृतसर का रहने वाला है और उसने अपराध की दुनिया में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के साथ मिलकर कदम रखा था। इसके बाद वह यूएस आधारित डर्मल काहलों तथा अमृत बल के साथ मिलकर काम करने लगा। हैप्पी पासिया पाकिस्तान में बैठे हरविंद्र रिंदा के संपर्क में आया और आईएसएसआई के इशारे पर पंजाब में ग्रेनेड हमले करने शुरू कर दिए। पंजाब पुलिस कई माह से हैप्पी पासिया को ट्रैक कर रही थी। उसके कई मोड्यूल तोड़े गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जनवरी 2025 में हैप्पी पासिया पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उसे चंडीगढ़ ग्रेनेड अटैक केस में वांटेड घोषित किया गया था। हैप्पी पासिया पंजाब में हुए ग्रेनेड हमलों की जिम्मेदारी लेता रहा है। शुक्रवार को भी अजनाला में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी पासिया गुट की तरफ से ली गई है। हैप्पी पासिया पंजाब, चंडीगढ़ व अन्य स्थानों पर हुए ग्रेनेड हमलों समेत कुल 17 बड़े केसों में वांछित है।

### संक्षिप्त समाचार

#### पुंछ के लसाना वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को मार गिराने के लिए चलाया गया अभियान तेज

पुंछ (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के लसाना वन क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों को ढूंढने तथा मार गिराने के लिए भारतीय सेना की रोमियो फोर्स और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने गुरुवार को लगातार चौथे दिन अपना संयुक्त अभियान जारी रखा है। अधिकारियों के अनुसार पुंछ को जम्मू से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित लसाना गांव के पास आतंकवादियों ने रोमियो फोर्स के जवानों पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया था। सोमवार रात को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के बाद मंगलवार को तलाशी अभियान फिर से शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और घने जंगल वाले इलाकों में व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं। ऑपरेशन के बारे में जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक बीएस टूटी ने कहा कि जिला पिछले डेढ़ से दो साल से आतंकवाद की नई लहर से निपट रहा है। उन्होंने कहा कि इलाके में आतंकवादियों का पता लगाने के लिए एक कार्रवाई की जा रही है।

### तीसरी आंख

### बांग्लादेश से हमलावर आए थे, ऐसी कहानी बनाकर स्थानीय दंगाइयों को बचाने की हो रही कोशिश

# मुर्शिदाबाद डायरी-वे हमारे पड़ोसी थे, बहुत अच्छे संबंध थे लेकिन सब लूट ले गए

कोलकाता (हि.स.)

**पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज में शुक्रवार, 11 अप्रैल को जुम्मे की नमाज के बाद वक्फ क़ानून के विरोध के नाम पर हज़ारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतरे और हिंसा करने लगे। उन्होंने पुलिस की गाड़ियों को आग के हवाले किया और पूरे इलाके में पत्थरबाज़ी और आगजनी शुरू कर दी।**

पूरा देश यही खबर देखता रहा कि क़ानून के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं, लेकिन सच्चाई कुछ और ही थी। इस हिंसा की आड़ में बेलगाम भीड़ ने आसपास के हिंदू घरों को निशाना बनाते हुए जमकर लूटपाट की, घर जलाए और एक बाप-बेटे की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जिस इलाके में हिंसा हुई वहां हिंदू समुदाय की आबादी मात्र 20 से 30 प्रतिशत है। वारदात के बाद लोगों के दिलों में गहरा डर बैठ गया है, लेकिन इस हमले ने उन्हें और ज़्यादा एकजुट कर दिया है।

यह हमारी जन्मभूमि है, लेकिन अब डर लगता है जैसे ही हिन्दुस्थान समाचार की टीम घोषपाड़ा इलाके में पहुंची, स्थानीय युवकों ने बाइक से हमें गाइड किया और हमें वहां ले गए जहां 130 घर जलाए जा चुके थे। यहां 86 साल के तपन (परिवर्तित नाम) रहते हैं। उन्होंने कांपती आवाज़ में कहा, यह हमारी जन्मभूमि है लेकिन कभी नहीं सोचा था कि अपनी ही मिट्टी पर रहने में डर लगेगा। ऐसा लगता है जैसे हिंदू होना पाप है। हमारी पूरी जाति को मिटाने के लिए उस दिन हमला किया गया। तपन गांव में मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं और मुस्लिम पड़ोसियों से उनके संबंध अच्छे थे लेकिन उस दिन के खौफनाक मंजर को याद करते हुए कहते हैं, हमलावर हमें अपना दुश्मन समझ रहे थे। वे हमारे ही आसपास के लोग थे। लेकिन हमारे घरों में घुसकर लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी कर रहे थे।

### देवदूत बनकर पहुंचे बीएसएफ के जवान

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बीएसएफ और केंद्र सरकार को हमले के लिए जिम्मेदार ठहरा चुकी हैं लेकिन स्थानीय लोग बीएसएफ जवानों को भगवान की तरह सम्मान दे रहे हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद बीएसएफ और सीआरपीएफ के जवान हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे। लोगों ने उन्हें देवदूत कहा। एक बुजुर्ग बोले, अगर ये जवान नहीं होते तो हम आज जिंदा नहीं होते। एक महिला ने कहा, हमें कभी देवता नहीं दिखे लेकिन बीएसएफ जवान हमारे लिए देवता बनकर आए हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि उनके गांव में बीएसएफ का स्थायी कैंप बनाया जाए। उनका कहना है कि कैम्प के लिए वे अपनी ज़मीन देने को तैयार हैं, लेकिन अब अपने गांव को छोड़कर नहीं जाना चाहते।

### हमला पड़ोसियों ने किया, कोई बांग्लादेशी नहीं था

हम पर हमला पड़ोसियों ने किया, कोई बांग्लादेशी नहीं था। 75 साल के एक बुजुर्ग कहते हैं, ऐसा माहौल बनाया जा रहा है कि बांग्लादेश से लोग आकर हमला कर गए लेकिन यह झूठ है। हमला करने वाले हमारे ही आसपास के लोग थे। हमारे पड़ोस के लड़के अपने गांव के दोस्तों को लेकर हमला कर रहे थे। हिंदू समुदाय को खत्म करने की बात हो रही थी। पुलिस ने हमें मरने के लिए छोड़ दिया और जिस मीडिया से इस बात की उम्मीद थी कि वह हमारे दर्द को देश के सामने रखेगी वह बांग्लादेश की कहानी बनाकर ऐसा साबित करने की कोशिश कर रही है कि दूसरे देश के लोगों ने आकर हमले किए और चले गए। यह सच नहीं है। हमलावर हमारे आसपास रहने वाले अपने लोग थे, जो हमारे सामने रोज मिलते और दिखते थे। हमले का कारण बस इतना था कि वह बहुसंख्यक हो गए हैं और हम हिंदू अल्पसंख्यक। और कोई कारण नहीं है।

# गांधीसागर अभयारण्य की जलवायु चीतों के लिए अनुकूल, 20 अप्रैल को छोड़े जाएंगे चीते : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ की चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्यप्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। वन्य पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था को गति देता है और अब यही हमारी समृद्धि का प्रवेश द्वार बन रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से आगामी 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

### सैटेलाइट कॉलर आईडी हो रही चीतों की मॉनीटरिंग, चीता सफारी प्रारंभ करने की भी है तैयारी

बैठक में वन अधिकारियों ने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में कुल 26 चीते हैं। इनमें से 16 चीते खुले जंगल में हैं और 10 पुनर्वास केंद्र में हैं। कूनो में चीतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां ज्वाला, आशा, गामिनी और वीरा मादा चीता ने शावकों को जन्म दिया है। चीतों की निगरानी के लिए सैटेलाइट कॉलर आईडी से 24 घंटे ट्रैकिंग की जा रही है। चीतों के पुनर्स्थापना के बाद कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 2 साल में दोगुनी हो चुकी है। राज्य सरकार ने कूनो में चीता सफारी शुरू करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर मंजूरी मांगी है, क्योंकि वन क्षेत्र या इको सेंसिटिव जोन में सफारी प्रारंभ करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेनी जरूरी है। इस याचिका पर निर्णय होना अभी शेष है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव के साथ मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों द्वारा यह जानकारी दिए जाने पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत (मध्यप्रदेश) में जन्में चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। दूसरे देशों में चीता शावक जलवायु से अनुकूलन के अभाव में सर्वाइव नहीं कर पाते हैं। चीतों के लिए जरूरी जलवायु और वातावरण की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य बेहद अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की धरती पर चीतों के पुनर्वास से एक सदी का इंतजार खत्म हुआ है।

राज्य सरकार किंग कोबरा, घड़ियाल और दुर्लभ प्रजाति के कछुओं के संरक्षण के लिए भी प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार किंग कोबरा संरक्षण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश के जंगलों में जहरीले सांपों की संख्या नियंत्रित करने के लिए किंग कोबरा को बसाना आवश्यक है। पहले चरण में 10 किंग कोबरा मध्यप्रदेश लाने पर विचार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन अधिकारियों को चंबल नदी से घड़ियाल और कछुओं को प्रदेश की 4 बड़ी नदियों और जलाशयों में पुर्नवासित करने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय वन मंत्री श्री यादव ने कहा कि पर्यटन से रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कूनो समेत प्रदेश के अन्य पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को सुविधाएं और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ा जाए। देश-विदेश से कूनो आने वाले पर्यटकों को आवास, भोजन, स्वच्छता से जुड़ी बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अगर सुविधाएं विश्वस्तरीय होंगी, तो निश्चित रूप से दुनिया से टूरिस्ट चीता देखने के लिए पर्यटक कूनो नेशनल पार्क और गांधीसागर अभयारण्य आएंगे।

### सैटेलाइट कॉलर आईडी हो रही चीतों की मॉनीटरिंग, चीता सफारी प्रारंभ करने की भी है तैयारी

बैठक में वन अधिकारियों ने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में कुल 26 चीते हैं। इनमें से 16 चीते खुले जंगल में हैं और 10 पुनर्वास केंद्र में हैं। कूनो में चीतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां ज्वाला, आशा, गामिनी और वीराकूनो जुड़ेगा रोड टू एयर कनेक्टिविटी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री श्री यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद लेंगे। पशु चिकित्सालय के संचालन से कूनों के चीतों के इलाज के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में गौवंश के उपचार में भी मदद मिलेगी।

### चीता मित्रों को प्रशिक्षित करने के लिए आईआईएफएम की लें सेवाएं : केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव

केंद्रीय वन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में बड़ी क्षमताएं विद्यमान हैं। उन्होंने कूनो में चीतों के पुनर्वास और वन टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री श्री यादव ने वन्य प्राणियों के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में चल रहे वन्य प्राणियों की पुनर्वास परियोजनाओं की देखरेख के लिए वन, पर्यटन, पशु चिकित्सा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक टास्क फोर्स बनाया जाए। यह टास्क फोर्स नियमित रूप से सभी प्रोजेक्ट्स की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले के 80 गांवों के 400 चीता मित्रों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), भोपाल के साथ अनुबंध कर सकते हैं। चीता मित्रों को होम स्टे के लिए प्रशिक्षित कर उन्हें नेचर टूरिज्म के लिए तैयार करने की दिशा में भी कार्य किए जाएं।

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 नवाचार श्रेणी के लिए चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी

**भोपाल, निप्र।** सामान्य प्रशासन विभाग ने नवाचार श्रेणी के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी की है। सूची में 6 क्षेत्रों के लिए 14 शासकीय अधिकारियों के नाम शामिल हैं। सभी चयनित शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1 लाख रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। अधिकारियों को यह पुरस्कार अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए नवाचार के लिए दिया जा रहा है। सम्मान समारोह का आयोजन नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में किया जाएगा। शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण, अधोसंरचना, नागरिक सेवा प्रदाय-सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, रोजगार एवं आर्थिक विकास क्षेत्रों में नवाचार के लिये पुरस्कार प्रदान किये जा रहे हैं। पुरस्कार के चयनित अधिकारियों में सुश्री शीला दाहिमा, श्री माधव प्रसाद पटेल, श्रीमती अदिति गर्ग, डॉ. इंदिरा दांगी, श्रीमती शारदा डुडवे, श्री आलोक पौराणिक, श्री चंद्रमोहन ठाकुर, डॉ. यशपाल सिंह, श्री संजय जोशी, श्री अमित तोमर, श्री ऋषव गुप्ता, श्री गणेश शंकर मिश्रा, श्री दिव्यांक सिंह और श्री प्रवीण सिंह के नाम शामिल हैं।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत रत्न' महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे को जयंती और तात्या टोपे को बलिदान दिवस पर किया नमन

**भोपाल, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज शुक्रवार को समाज सुधारक महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे की जयंती और स्वाधीनता संग्राम के सेनानायक तात्या टोपे के बलिदान दिवस पर उन्हें याद करते हुए नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे को जयंती पर नमन करते हुए लिखा महान समाज सुधारक, 'भारत रत्न' महर्षि डॉ. धोंडो केशव कर्वे जी की जयंती पर कोटिश: नमन। महिलाओं के उत्थान, राष्ट्र कल्याण, शिक्षा और समाजिक सुधार के लिए समर्पित आपका जीवन सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

## छतरपुर के खजुराहो में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, पिता और दो बच्चों की मौत

**खजुराहो, (हि.स.)।** छतरपुर के खजुराहो में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार परिवार को रौंद दिया। हादसे में पिता और दो बच्चों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 2 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद शव ट्रक के नीचे कई घंटे दबे रहे। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी अनुसार हादसा देवगांव के पास झमटुली रोड पर शुक्रवार सुबह 8.30 बजे हुआ। हादसे में मिजाजी लाल अहिरवार (25), उनके बेटे शिवम (2) और बेटी भावना (3) की मौत हो गई। परिवार के दो अन्य बच्चे बादल (6) और काजल (5) गंभीर रूप से घायल हैं, उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मिजाजी लाल परिवार के साथ ओटा पुरवा में भांजे राकेश अहिरवार की शादी में शामिल होने आया था। 15 अप्रैल को शादी थी। गुरुवार 17 अप्रैल को रिसेप्शन के बाद वापस अपने गांव भैरा लौट रहा था। ग्रामीण पुष्पेंद्र अहिरवार ने बताया, मिजाजी लाल अपने बच्चों को बाइक पर बिठाकर घुमा रहा था। उसकी पत्नी रिश्तेदारों से मिल रही थी। उन्हें थोड़ी देर बाद अपने घर रवाना होना था, जैसे वह गली से बाहर निकले और ट्रक ने रौंद दिया।

ग्रामीणों ने बताया, पुलिस हादसे के करीब डेढ़ घंटे बाद पहुंची। जबकि गांव से 5 किलोमीटर दूर देवगांव पुलिस चौकी है। यहां पास में 100 डायल भी खड़ी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद प्रशासन को कई बार फोन किया, लेकिन डेढ़ घंटे बाद भी कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीण सड़क पर बैठ गए। जाम के बाद बमीठा थाने से दो कॉन्स्टेबल मौके पर पहुंचे और कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में बमीठा टीआई आशुतोष श्रोती ने बताया कि%%एक ही बाइक पर 5 लोग सवार थे। ट्रक हाइवे साइड से आ रहा था। जिसने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 2 बच्चों और पिता की मौत हो गई। परिवार निमंत्रण में शामिल होकर वापस घर जा रहा था। ट्रक को जब्त कर जांच शुरू कर दी गई है।

## मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत द्वारा 815.64 लाख के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री एवं प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत द्वारा शुक्रवार को गुना के शासकीय महाविद्यालय चांचौड़ा बीनागंज में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण/ शहरी सशक्तिकरण और जनकल्याण को साकार करने 815.64 लाख लागत के विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास /लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ मंत्री श्री राजपूत द्वारा कन्या पूजन के साथ की गयी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री राजपूत ने 815.64 लाख लागत के विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास/ लोकार्पण किया। इस दौरान मंत्री श्री राजपूत ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत आंगनबाडी भवन निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, सीसी रोड निर्माण, पंचायत भवन ग्राम पंचायत झुकरा, सामुदायिक शौचालय, स्टापडेम निर्माण ग्राम पंचायत नारायणपुरा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत नलजल योजना तथा पोस्टल सब ऑफिस कुंभराज सहित कुल 26 कार्यो के लागत राशि 815.64 लाख के विभिन्न विकास कार्यो का शिलान्यास /लोकार्पण किया। इस दौरान मंत्री श्री राजपूत द्वारा 5 दिव्यांगों को ट्रायसाईकिल एवं व्हीलचेयर भी वितरित की गयी।

इस अवसर पर विधायक चांचौड़ा श्रीमति प्रियंका पेंची अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित जनपद एवं पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव से विंध्य क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के खुले हैं द्वार : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हाल ही में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉनक्लेव, रीवा के माध्यम से विंध्य क्षेत्र में निवेश के नए और अपार अवसर खुले हैं।

जो विंध्य के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। पतंजलि समूह जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की भागीदारी से इस क्षेत्र में औद्योगिक क्रांति की मजबूत आधारशिला रखी जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से अमहिया, रीवा स्थित निज निवास पर पतंजलि योगपीठ के संस्थापक सचिव आचार्य श्री बालकृष्ण ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर पतंजलि संस्थान द्वारा विंध्य क्षेत्र में किए जा रहे निवेश एवं संभावित औद्योगिक परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। क्षेत्रीय विकास, स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग तथा युवाओं को रोजगार से जोड़ने के विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता, प्राकृतिक संसाधनों और जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर विंध्य के निर्माण की दिशा में सार्थक चर्चा हुई।

## मप्र हाईकोर्ट ने बिना कोर्ट आदेश के कब्जा दिलवाने पर कलेक्टर और तहसीलदार को चेताया

**जबलपुर, (हि.स.)।** मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने एक बेहद अहम आदेश में भोपाल जिले के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों कलेक्टर और तहसीलदार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे एक सप्ताह के भीतर हलफनामा के माध्यम से यह बताएं कि उन्होंने किस अधिकार के तहत,बिना किसी न्यायालयीन आदेश के, एक संपत्ति का कब्जा छीनकर उसे उधारकर्ता को वापस सौंप दिया। कोर्ट ने इस गंभीर मामले को न्यायिक व्यवस्था गरिमा से जोड़ते हुए स्पष्ट किया कि कानून के शासन में प्रशासनिक मनमानी की कोई जगह नहीं हो सकती। कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए यह कहा है प्रशासनिक अधिकारियों को न्यायिक आदेशों की अनदेखी कर मनमानी नहीं करने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 12 सितंबर 2024 को ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने बैंक द्वारा की गई कब्जा कार्रवाई को अवैध करार देते हुए संपत्ति को उधारकर्ता को लौटाने का निर्देश दिया था।

## तेज रफ्तार कार कोलार नहर में गिरी, दोस्तों के संग घूमने निकली एयर होस्टेस की मौत

**भोपाल, (हि.स.)।** राजधानी भोपाल के कोलार थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार नहर में गिर गई। हादसे में एयर इंडिया की एयर होस्टेस की मौत हो गई। कार में वह अपने दो दोस्तों के साथ घूमने निकली थी। अचानक सामने गाय आने से कार बेकाबू होकर नहर जा गिरी। हादसे में दोनों दोस्तों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने गाड़ी चला रहे युवक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का केस दर्ज किया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद धाराएं बढ़ाई जा सकती हैं।

जानकारी के अनुसार एयर इंडिया की एयरहोस्टेस हर्षिता शर्मा (21) गुरुवार रात को अपने दो दोस्तों के साथ घूमने निकली थी। कार चला रहे दोस्त जय ने बताया कि सामने अचानक गाय आ गई, जिसे बचाने की कोशिश में कार बेकाबू होर नहर में जा गिरी। हर्षिता को गंभीर हालत में एक निजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। हर्षिता के पिता प्रदीप शर्मा ने बताया कि वह एयर इंडिया में एयरहोस्टेस थी और अक्सर शहर से बाहर रहती थी। बुधवार रात को उसने भाई से कहा था कि वो शुक्रवार को भोपाल आ रही है। हमें नहीं पता था कि वह गुरुवार को ही भोपाल पहुंच गई थी। वह मिनाल रेसीडेंसी के पास होटल में रुकी थी। परिजन को हादसे की जानकारी मृतका की दोस्त शिवानी ने फोन पर दी थी। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बताया कि हर्षिता ब्रेन डेड हो चुकी है। शुक्रवार सुबह उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक गुरुवार रात हर्षिता अपने दोस्त सुजल और जय के साथ कार में कोलार इलाके में घूम रही थी। जय गाड़ी चला रहा था। कोलार के होली क्रॉस स्कूल के पास पुल पर कार के सामने गाय आ गई, जिसे बचाने की कोशिश में गाड़ी नहर में गिर गई। जय और सुजल ने हर्षिता को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जय ने पुलिस को बताया कि वह और सुजल एमबीए के छात्र हैं और हर्षिता के कॉल पर ही मिलने पहुंचे थे।

### नल से जल, 110 परिवारों के जीवन में बदलाव

# डिंडोरी जिले के जनजातीय गाँव उफरी के हर घर पहुंचा नल से जल

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** डिंडोरी जिले के करंजिया ब्लॉक का उफरी गांव, जहां कभी जल संकट विकराल रूप ले लेता था, अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा से आत्मनिर्भर हो चुका है। यह वही गांव है, जहां पानी की एक-एक बूंद के लिए ग्रामीणों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जहां महिलाओं और बच्चों का बड़ा हिस्सा अपने दिन का अधिकांश समय पानी की व्यवस्था करने में ही गंवा देता था। अब यह सब बीते समय की बात हो गई है।

गांव के बुजुर्ग श्री गंगाराम बैगा बताते हैं, गर्मियों में पानी की इतनी दिक्कत थी कि कई बार हमें रात में भी पानी भरने जाना पड़ता था। कई बार तो ऐसा हुआ कि झिरियों से गंदा पानी पीने के कारण गांव के कई लोग बीमार पड़ गए। हमें कभी उम्मीद नहीं थी कि हमारे गांव में भी नल से पानी मिलेगा। अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। यह हमारे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है।

गांव की महिला श्रीमती सुकली बाई कहती हैं, पहले हमें रोज सुबह जल्दी उठकर पानी के लिए निकलना पड़ता था। कई बार रात में भी पानी भरना पड़ता था, क्योंकि सुबह भीड़ अधिक होती थी। हमारी पूरी दिनचर्या पानी पर निर्भर थी, खेती-किसानी और बच्चों की देखभाल भी पीछे छूट जाती थी। अब हमें यह चिंता नहीं रहती, अब समय बचता है और हम अन्य कामों पर ध्यान दे सकते हैं। लगभग 530 जनसंख्या वाले उफरी गांव में जल जीवन मिशन के तहत 110 परिवारों को घर-घर नल कनेक्शन दिए गए। अब ग्रामीणों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध है, जिससे कई

### विकास की ओर बढ़ता उफरी

अब गांव में महिलाएं पानी भरने की चिंता से मुक्त होकर अपने घर-परिवार और आजीविका पर ध्यान दे सकती हैं। बच्चे बिना किसी रुकावट के स्कूल जा रहे हैं, और सबसे बड़ी राहत यह है कि गंदे पानी से होने वाली बीमारियों का डर अब नहीं सताता। गांव के कई परिवार अब आजीविका के नए साधनों की ओर बढ़ रहे हैं।

समस्याएं हल हो गई हैं। सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि अब बीमारियों का खतरा कम हो गया है। पहले दूषित पानी पीने के कारण गांव में डायरिया, पीलिया जैसी बीमारियां आम थीं, लेकिन अब स्वास्थ्य केंद्र में ऐसे मामलों में काफी कमी आई है।

### पीएम जनमन योजना बनी संजीवनी

जल संकट से जूझ रहे इस गांव में पीएम जनमन योजना के साथ जल जीवन मिशन का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा यहां एक बड़ी पेयजल टंकी का निर्माण कराया गया, जिससे पाइपलाइन के माध्यम से हर घर तक पानी पहुंचाया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, ताकि उन्हें जल संकट से मुक्ति मिल सके।

गांव के बुजुर्गों और युवाओं का कहना है कि यह सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि उनके जीवन को सरल और सुखद बनाने वाली क्रांतिकारी पहल है। ग्रामीणों ने इस बदलाव को हृदय से स्वीकार किया है और प्रधानमंत्री जनमन योजना को विकास का वह स्त्रोत माना है, जिसने उफरी को नई पहचान दी है। पानी की हर बूंद के साथ अब यहां विकास की नई लहर बह रही है।

पीएम जनमन योजना जल जीवन मिशन से हुए इस सकारात्मक बदलाव से पूरा गांव उत्साहित है। ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है और कहा है कि यह योजना उनके लिए केवल जल उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। अब उफरी गांव विकास की एक नई राह पर आगे बढ़ रहा है, जहां हर घर जल है और हर घर खुशहाली की ओर अग्रसर है।

## संक्षिप्त समाचार

### स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब का जन्मदिन स्पेशल बच्चों के साथ मनाया

**इंदौर ( गुलनाज़ शेख ) विनय उजाला।** रौनक सोशल सर्विस सोसायटी स्पेशल चिल्ड्रन में एक तू ही जयगुरूदेव स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब का जन्मदिन स्पेशल बच्चों के साथ मनाया गया। शामिल हुए पूर्व राज्य मंत्री दिलीप राजपाल, बाल योगी मौनी ब्रह्मचारी श्री यशवर्धन महाराज साहेब अध्यक्ष एक तू ही गुरुद्वार,मां साध्वी श्री अनंता देवी अध्यक्ष युगान्तर बाल कल्याण सेवा समिति, करंट एक्सपोज के चीफ़ एडिटर अनवर खान, और साधना जी रिपोर्टर ओर गेंदेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी, एक तू ही जयगुरूदेव द्वारा सभी बच्चों को मिठाइयां अपने हाथों से खिलाकर कर जन्मदिन मनाया। सभी बच्चों को आशीर्वाद देकर ध्यान के बारे मे समझाया गुरुदेव द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अपने वचनों और प्रार्थना के द्वारा आत्मिक शांति कैसे मिलती हैं समझाया। दिलीप राजपाल जी ओर अनवर खान ने शाल ओर माला पहनाकर जयगुरूदेव का सम्मान किया।राजपाल जी ने ठुद्दश को जो भी हेल्प होगी करने का वचन दिया। अंत में एक तू ही जयगुरूदेव द्वारा सभी रौनक सोसायटी के अंजलि शाह किशोर शाह, पूर्णिमा जैन, निकिता शाह और रौनक शाह पदाधिकारियों का शाल, चंदन की माला ओर पेन कलम देकर हौसला बढ़ाया सम्मानित किया। जिससे भविष्य में ये संस्था ओर जरूरत मंदो की सेवा तन मन धन से करती रहे।

### संदीप जी गोम्मटगिरी तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी मनोनीत हुए

**इंदौर ( विनय उजाला )।** भगवान बाहुबली दिगम्बर जैन ट्रस्ट गोम्मटगिरी इंदोर में अखिल भारतीय खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप इंदोर मेन के सम्माननीय सदस्य, संदीप जी सुनिता जी जैन (मोयरा सरिया) को स्थायी ट्रस्टी पद पर नियुक्त किया गया है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि आप के मनोनयन से समाज हर्षित हुआ। आप के मनोनीत होने पर दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ जैनेन्द्र जैन महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र कांसल हंसमुख गांधी टीके वेद सुशील पांड्या नरेंद्र वेद मंयक जैन संजय कासलीवाल एवं फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका पुष्पाकासलीवाल, मुक्ता जैन आदि समाज जन ने बंधाई ओर शुभकामनाएं दी।

### इंदौर संभाग के एक वर्तमान तथा एक पूर्व कलेक्टर को मिलेगा प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

**इन्दौर। इंदौर** संभाग सहित पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। इंदौर संभाग के बड़वानी जिले के पूर्व कलेक्टर डॉ. फटिंग राहुल हरिदास और झाबुआ जिले की वर्तमान कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

## मेयर-इन-कौंसिल की बैठक सम्पन्न : एक हजार करोड़ रुपये से अधिक विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

# शहर की सीमाओं पर बनेंगे भव्य स्वागत द्वार

विनय उजाला

**इन्दौर, नप्र। नगर निगम इन्दौर की मेयर-इन-कौंसिल की बैठक आज निगम मुख्यालय स्थित महापौर परिषद सभागृह में माननीय महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आयुक्त शिवम वर्मा सहित महापौर परिषद सदस्य एवं निगम अधिकारीगण उपस्थित रहे।**

### बैठक के मुख्य बिंदु इस प्रकार रहे

**1. विकास कार्यों को बड़ी स्वीकृति :** कुल 1,010 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई, जिनमें सड़कों, जलप्रदाय और वृक्षारोपण से जुड़े कार्य शामिल हैं।

**2. नई लिंक रोड निर्माण की स्वीकृति :** चंदन नगर चौराहा से नंदन नगर, कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट रोड तक सीमेंट कांक्रीट लिंक रोड, कैरेजवे, पुल-पुलिया, फुटपाथ, स्टॉर्म वॉटर लाइन एवं विद्युत लाइन शिफ्टिंग सहित रु. 26 करोड़ के कार्यों हेतु निविदा आमंत्रण की स्वीकृति दी गई।

**3. जनसहयोग से ट्रांसपोर्ट नगर में सड़क कार्य :** वार्ड 65 स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में रु. 8 करोड़ की लागत से तीन गलियों और मुख्य सड़क का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया।

**4. री-यूज़्ड वाटर पाइपलाइन के लिए स्वीकृति :** कबीट खेड़ी स्थित 245 स्ल्ष्ठ प्लांट से रेवती रेंज वृक्षारोपण स्थल तक रु. 11 करोड़ की लागत से रीयूज़्ड वॉटर लाइन डालने की योजना को मंजूरी।

**5. AMRUT 2.0 योजना के अंतर्गत जलप्रदाय परियोजना :** 40 नए ओवरहेड टैंक निर्माण और वितरण नेटवर्क कार्य हेतु स्वीकृति। 75 पुराने टैंक के वितरण नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के लिए रु. 965 करोड़ की निविदा प्रारूप को स्वीकृति।

**6. फायर एवं ट्रैफिक प्रबंधन में सुधार :** आगजनी की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई हेतु फायर प्रकोष्ठ गठन का निर्णय। फायर अमले की पदपूर्ति और कंसल्टेंट की सेवाएं लेने की स्वीकृति। ट्रैफिक सुधार हेतु भी कंसल्टेंट की सेवाएं ली जाएंगी।

**7. स्वागत द्वार निर्माण को मंजूरी :** शहर की सीमाओं पर नगर निगम द्वारा इन्दौर आपका हार्दिक अभिनंदन करता है संदेश के साथ स्वागत द्वार बनाए जाएंगे।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशन में नगर निगम की सख्ती का दिखा असर, अरिजीत सिंह शो के पहले आयोजकों ने जमा किया लाखों का मनोरंजन टैक्स

एडिशनल कमिश्नर लता अग्रवाल व पूरी राजस्व की टीम, फायर ऑफिसर के साथ करवाई के लिए तैयार थी। जिसकी सूचना आयोजकों को मुखबिरों के माध्यम से लग गई। इसके चलते उन्होंने तत्काल 30 लाख रुपए का चेक जमा कर दिया और 20 लाख का एक और चेक एडवांस्ड में दे दिया।

ज्ञात को महापौर के निर्देश पर निगम लगातार आयोजन से पूर्व मनोरंजन कर को लेकर सख्ती दिखा रहा था जिसका परिमाण दिखाने लगा है।

## सिखों के पाँचवे गुरु श्री गुरु अर्जन देव महाराज जी का प्रकाश पर्व उत्साह के साथ मनाया

मनोहर राजपूत

**इंदौर ( विनय उजाला )।** सिखों के पाँचवे गुरु श्री गुरु अर्जन देव महाराज जी का प्रकाश पर्व बहुत ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है इसी कड़ी में शुक्रवार को गुरुद्वारा विष्णुपुरी व सिख संगत द्वारा आदित्य नगर ऐ.बी रोड से लेकर गुरुद्वारा साहिब तक नगर कीर्तन का आयोजन किया गया।

19 अप्रैल को सुबह इंदौर के समस्त गुरुद्वारा साहिब की प्रभात फेरियों का स्वागत व इसी दिन रात को व 20 अप्रैल को सुबह विशेष कीर्तन दरबार,कथा समागम के पश्चात् गुरु साहिब जी का अटूट लंगर भी आयोजन संगत के लिए होगा।

आज के नगर कीर्तन बड़ी संख्या में संगत ने अपनी हाज़िरी लगाई व जगह -जगह मंचों द्वारा फूलों की बरखा के साथ श्रद्धालुओं ने विभिन्न स्टाल लगाकर सेवा कार्य में भाग लिया। सिख यूथ ऐसोसिएशन ऑफ़ इंदौर के अध्यक्ष सचप्रीत सिंह (सच सलूजा) ने बताया की आज के नगर कीर्तन में ऐसोसिएशन द्वारा इटालियन पास्ता का लंगर लगाकर सेवा कार्य किया गया।

## नकली नोट छापने के मामले में द्वारका से एक और आरोपी गिरफ्तार

**इंदौर, ( हि.स. )।** मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में सामने आए नकली नोट छापने के मामले में क्राइम ब्रांच पुलिस ने गुरुवार को गुजरात के द्वारका से एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस मामले में पांच आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं। द्वारका से गिरफ्तार छठवें आरोपित का नाम मयूर चम्पा (25) है।

इंदौर क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बीते दिनों शहर के होटल इटरनिटी के 301 नंबर कमरे से नकली नोट छापने की सूचना पर दबिश देकर यहां से तीन और भोपाल से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ में सामने आया था कि उनका एक साथी शाम को ही द्वारका चला गया है। इस पर टीम भी उसके पीछे पहुंची और द्वारका से मयूर चम्पा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि वह गैंग का महत्वपूर्ण सदस्य है। वह आर्थिक तंगी से परेशान था। कुछ महीने पहले ही उसकी शादी हुई है। मयूर ने फर्जी मूवी देखी थी, जिसके बाद उसे नकली नोट छापने का आइडिया आया। उसने देखा कि फेसबुक पर फेक करेंसी, सेकेंड करेंसी के नाम से कई साइट चल रही है। इसके माध्यम से उसने अब्दुल से बातचीत की। तब उन्होंने नकली नोट छापने की पूरी प्लानिंग की।

डीसीपी त्रिपाठी ने बताया कि कुछ आरोपी इंदौर के होटल में आकर रुके यहां पर मयूर भी सीखने के लिए आया।


**कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग-खण्डवा**

क्रं. 954/निविदा/लोस्वायांवि/2025 — खण्डवा, दिनांक : 16/04/2025

**:: निविदा सूचना क्रमांक-04/2025-26 ::**

खण्डव जिले के विकासखण्ड खण्डवा एवं पुनासा के ग्रामों में स्थापित हैण्डपम्पों में सिंगल फेस सबमर्सिबल मोटर पम्प स्थापना कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं-टेण्डर आई.डी. क्रमांक 2025_PHED_417083_1 से 2025_PHED_417083_2 (02 समूह) से आमंत्रित की जाती है, जिनमें निविदा दर डालने की अंतिम तिथि दिनांक 26.04.2025 समय दोपहर 17.30 बजे तक निर्धारित है। समस्त कार्यों की कुल अनुमानित लागत रू. 9.93 लाख है। धरोहर राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ई-टेण्डर पोर्टल www.mptenders.gov.in/nicegp/app पर देखी जा सकती है। निविदाओं में भविष्य में किये जाने वाले समस्त वाले संशोधन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही प्रकाशित किये जावेंगे।

जी-11701/25

**कार्यपालन यंत्री**
**लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड**
**खण्डवा**

"स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"



**कार्यालय नगर पालिक निगम, देवास (म.प्र.)**

**:: वार्षिक निविदा आमंत्रण सूचना ::**

**निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक/24/वाहन/2025** — **देवास, दिनांक : 08/04/2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्रं. | टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक | कार्य का नाम | कार्य की समयावधि एवं लागत | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD | निविदा की अंतिम दिनांक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2025_UAD_415367_1 08/04/25 | विबागीय 709 एवं 407 वाहनों की मरम्मत में लगने वाले पार्ट्स क्रय करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। (संलग्न सूची अनुसार) | 1) 12 माह 2) 15.00 लाख | 1) 2,000/- 2) 45,000/- | 29/04/2025 06.00 PM |

**नोट :-** निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**उपायुक्त,**
**नगर पालिक निगम**
**देवास ( म.प्र. )**

इंदौर ( विनय उजाला। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का महापौर पुष्य मित्र भार्गव ने विमानतल पर आत्मीय स्वागत किया।


**:: जाहिर सूचना ::**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेश पिता कैलाशचन्द पाटीदार व हर्षा पति राजेश पाटीदार निवासी ग्राम करवड तहसील पेटलावद द्वारा मेरी पक्षकारा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा करवड बैंक से अपने स्वत्व मालकी तथा आधिपत्य के मकान जो ग्राम करवड के वार्ड नं. 01 में स्थित है, जिसका ग्राम पंचायत करवड भवन नम्बर 11/2 हे. को मेरी पक्षकार बैंक में सीम्पल मोर्टगेज रखकर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, निकाय, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी को भी कोई आपत्ति हो अथवा उक्त मकान पर किसी का भी कोई ऋण, भार, बोझ, गिरवी, दान, बक्षीस अथवा कोई भी उजर अथवा स्वत्व हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन की तिथि से तीन दिवस के भीतर मय लेखी दस्तावेज के मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद अवधि किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मेरी पक्षकारा बैंक के हितों पर बंधनकारी नहीं होगी तथा उसका कानूनी प्रभाव शून्य होगा। सूचित हो।

**दिनांक : 18.04.2025**

**राजेन्द्र मुणत हाईकोर्ट एडवोकेट**
**महावीर कॉलोनी, पेटलावद**
**जिला झाबुआ ( म.प्र. )**
**मो.नं. 94254-87243**



**:: जाहिर सूचना ::**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दुर्गेश पिता कैलाशचन्द पाटीदार व किरण पति दुर्गेश पाटीदार निवासी ग्राम करवड तहसील पेटलावद द्वारा मेरी पक्षकारा मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा करवड बैंक से अपने स्वत्व मालकी तथा आधिपत्य के मकान जो ग्राम करवड के वार्ड नं. 01 में स्थित है, जिसका ग्राम पंचायत करवड भवन नम्बर 11/3 हे. को मेरी पक्षकार बैंक में सीम्पल मोर्टगेज रखकर ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, निकाय, संस्था, बैंक अथवा अन्य किसी को भी कोई आपत्ति हो अथवा उक्त मकान पर किसी का भी कोई ऋण, भार, बोझ, गिरवी, दान, बक्षीस अथवा कोई भी उजर अथवा स्वत्व हो तो वह इस जाहिर सूचना प्रकाशन की तिथि से तीन दिवस के भीतर मय लेखी दस्तावेज के मेरे कार्यालय में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद अवधि किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति मेरी पक्षकारा बैंक के हितों पर बंधनकारी नहीं होगी तथा उसका कानूनी प्रभाव शून्य होगा। सूचित हो।

**दिनांक : 18.04.2025**

**राजेन्द्र मुणत हाईकोर्ट एडवोकेट**
**महावीर कॉलोनी, पेटलावद**
**जिला झाबुआ ( म.प्र. )**
**मो.नं. 94254-87243**


## विश्व धरोहर दिवस पर सम्पन्न हुआ हेरिटेज वॉक

**इंदौर ( हि.स. )। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर शुक्रवार को संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय मध्यप्रदेश द्वारा हेरिटेज वॉक तथा होलकरों का वैभव विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।**

उप संचालक पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय पश्चिमी क्षेत्र इंदौर ने बताया कि विश्व धरोहर दिवस पर आज हेरिटेज वॉक संरक्षित स्मारक बोलिया सरकार की छत्री से राजवाड़ा तक किया गया। इस हेरिटेज वॉक में पदम्श्री भालू मोढे, इंटेक के संयोजक मिलिन्द महाजन, आर्किटेक्ट हिमांशु दूधवड़कर कंजर्वेशन, ज्यूपिटर हॉस्पिटल के डॉ. भालेराव, डाक टिकिट संग्राहक नीमा, वैष्णव विद्यापीठ की विभागाध्यक्ष डॉ. सूबेदार, कंजर्वेशनिस्ट प्रवीण श्रीवास्तव तथा प्रोग्राम कॉर्डिनेटर आस्तिक भारद्वाज सहित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

## तालाबो के जीर्णोद्धार से मिल रहा है ग्रामीणों को रोजगार - ग्राम पंचायत सुलावड़

विनय उजाला

ग्राम पंचायत सुलावड़ में स्थित लगभग 100 एकड़ का तालाब जो 2 वर्ष पहले बदहाल था। सरपंच प्रतिनिधि भारत रघुवंशी ने बताया की मोयरा वेलफेयर फाउंडेशन, संस्था सजेस्ट, ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों के सहयोग से पिछले दो वर्षो में तालाब का कायाकल्प किया गया द्य जिसमे सबसे पहले तालाब की सफाई की गई, तालाब की पाल को दुरुस्त किया गया, तालाब के चारो तरफ 1000 से ज्यादा पेड़-पोधे लगाये गए, एक बगीचा बनाया गया, तालाब के जलस्तर को बढ़ाने हेतू गहरीकरण किया गया। जिसमें तालाब के अन्दर छोटे छोटे तालाब बनाये गए जिसके परिणाम स्वरूप वर्तमान में पानी की उपलब्धता में वृद्धि हुई है, 200 एकड़ सिंचाई का क्षेत्र बढ़ गया है। 100 से ज्यादा जल निकायों में जल स्तर बढ़ा, कृषि उत्पादकता में सुधार, जैव विविधता को बढ़ावा मिला, मछली पालन के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार प्राप्त हो रहा है, भूजल पुनर्भरण हो रहा है, पेयजल के पानी की समस्या का समाधान हुआ है, आसपास हरा भरा क्षेत्र विकसित हो गया है एवं जल प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा मिल रहा है। संस्था सजेस्ट से मोहन तोमर ने बताया की आने वाले समय में बारिस के पानी को संग्रहित करने हेतू आउटलेट बनाया जायेंगा ताकि और अधिक भूमि सिंचित की जा सके द्य इसी दिशा में पिछले वर्षो ग्राम में 2 और खेत तालाब विकसित किये गए हैं, और आने वाले वर्षो में नए खेत तालाब का भी निर्माण किया जायेंगा ताकि जल संवर्धन के माध्यम से सुलावड़ ग्राम विकास की ओर अग्रसर हो सके।


**पश्चिम रेलवे - भावनगर मंडल**

**विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य**

| क्र.सं. | ई-निविदा सं. एवं कार्य का नाम | निविदा मूल्य (रु.) | ईएमडी रु. |
|---|---|---|---|
| 1 | 08-2025-26 | 23,04,67,121.31 | 13,02,300.00 |
| | सिविल कार्य - माल कार्यालय का निर्माण, विश्राम कक्ष, ईएल बिल्डिंग, पैनल रूम, मर्चेंट रूम, आरसीसी रिटेनिंग वॉल, लाइन नंबर 4 को समायोजित करने के लिए मिट्टी का काम, आरएल गुड्स प्लेटफॉर्म, वडाल के संबंध में पहुंच मार्ग और कवर शेड प्रदान करना - एडीईएन जूनागढ़ के तहत नए माल शेड में नई लोडिंग लाइनों का विकास (वडाल के संबंध में पुल संख्या (2X6.10 मीटर) पीएससी स्लैब के विस्तार के कार्य को छोड़कर - नए माल शेड में नई लोडिंग लाइनों का विकास)। | | |
| 2 | 09-2025-26 | 49,72,710.28 | 99,500.00 |
| | DEN (पूर्व) क्षेत्राधिकार: दो वर्षों के लिए मानसून रिजर्व की आपूर्ति की भरपाई | | |
| 3 | 10-2025-26 | 2,66,70,370.87 | 2,83,400.00 |
| | जूनागढ़ सोमनाथ सेक्शन के विभिन्न स्वीकृत कार्यों के तहत विभिन्न स्थानों पर रबरयुक्त लेवल क्रॉसिंग पैड का निर्माण, आपूर्ति और स्थापना: एडीईएन-जूनागढ़ के तहत 6 स्थानों पर यार्डों में सुधार। | | |
| 4 | 11-2025-26 | 2,98,60,606.62 | 2,99,300.00 |
| | कनालुस - पोरबंदर सेक्शन के विभिन्न स्वीकृत कार्यों के तहत विभिन्न स्थानों पर रबरयुक्त लेवल क्रॉसिंग पैड का निर्माण, आपूर्ति और स्थापना:- एडीईएन-पोरबंदर के तहत 5 स्थानों पर यार्डों में सुधार | | |
| 5 | 12-2025-26 | 91,85,084.39 | 1,83,700.00 |
| | एडीईएन (कार्य)बीवीपी: एमडीडीटीआई छात्रावास में अतिक्रमण को रोकने के लिए प्रीकास्ट दीवार का निर्माण। (740.0 आरएम) | | |
| 6 | 13-2025-26 | 4,63,56,709.64 | 3,81,800.00 |
| | साबरमती-बोटाड खंड:- अतिक्रमण और स्ट्रेस पासिंग को रोकने के लिए सीमा दीवार का निर्माण (4 किमी)। | | |

उपरोक्त सभी निविदाओं के लिए: बोली प्रारंभ होने की तिथि : 23/04/2025 बोली बंद होने की तिथि : 07/05/2025 एनआईटी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक : 16/04/2025 को अपलोड कर दी गई है।

007

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly



**कार्यालय कलेक्टर एवं समुचित सरकार मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग जिला खण्डवा**

नस्ती क्रं. ........./2020 एलए/5883 — खण्डवा, दिनांक : 08/04/2025
भू-अर्जन प्र.क्रं.-0004/अ-82/2024-25

**:: उद्घोषणा- धारा 19 ::**

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 15(1) के अंतर्गत, प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन तारीख से प्रावधानित समय सीमा 60 दिवस की समयावधि में कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं होने के कारण भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 15(2) के अन्तर्गत रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं हुई तथा इस आधार पर राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है एवं अधिनियम की धारा 43 में वर्णित प्रावधान के परिपेक्ष्य में इस प्रकरण में किसी भी परिवार को विस्थापित नहीं किया जाना है, इसलिए पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन स्कीम की आवश्यकता नहीं है, अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 19 के अन्तर्गत यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है :-

**:: अनुसूची ::**

1 ) भूमि का वर्णन :-

| | | |
|---|---|---|
| (क) | जिला : | खण्डवा |
| (ख) | तहसील : | खण्डवा |
| (ग) | ग्राम : | नहाल्दा |
| (घ) | अर्जित रकबा : | 1.76 हेक्टेयर |

| क्रं. | भूमि स्वामी का नाम | अर्जित भूमि का खसरा नंबर | कुल रकबा हेक्टर में | अर्जित भूमि का रकबा हेक्टर में |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | विनीत कुमार पिता घनश्यामदास | 228 | 1.30 | 0.08 |
| 2 | विनीत कुमार पिता घनश्यामदास कल्पना पत्नी विनीत कुमार | 229 | 0.21 | 0.13 |
| 3 | सरोज पत्नी संतोष कुमार | 369/1 | 0.59 | 0.06 |
| 4 | रविन्द्र पिता मूलचंद | 231/1/1 | 0.03 | 0.03 |
| 5 | जीतेन्द्र पिता मूलचंद | 231/1/2 | 0.03 | 0.03 |
| 6 | धर्मेन्द्र पिता मूलचंद | 231/1/3 | 0.04 | 0.04 |
| 7 | दिलावरसिंह पिता भगवानसिंह कमलसिंह पिता भगवानसिंह सरदारसिंह पिता भगवानसिंह सुरेन्द्र पिता भगवानसिंह जितेन्द्र पिता भगवानसिंह बालूबाई बेबा भगवानसिंह | 330 | 1.98 | 0.13 |
| 8 | रामनारायण पिता गेंदालाल | 337 | 0.11 | 0.01 |
| 9 | सरदार पिता भगवानसिंह | 344/1 | 0.37 | 0.12 |
| 10 | राजेश कुमार पिता बिरदीचंदजी जैन | 347 | 0.69 | 0.10 |
| 11 | राघवेन्द्रराव पिता रामचन्द्रराव | 318 | 1.93 | 0.22 |
| 12 | रूपसिंह पिता हीरालाल, लक्ष्मीबाई पुत्री हीरालाल, शांताबाई बेवा संतोष, जयप्रकाश पिता संतोष विजय पिता संतोष, निशाबाई पुत्री संतोष, रेखा पुत्री संतोष मदन पिता अशोक, मोहन पिता अशोक, कुंतीबाई पुत्री अशोक बिन्दुबाई पुत्री अशोक | 303 | 0.77 | 0.08 |
| 13 | बसंत कुमार पिता रघुनाथ नंदा कुमार बेवा रघुनाथ इन्दु पत्नी लक्ष्मणराव मनोज कुमार पिता लक्ष्मणराव भोजकुमार पिता लक्ष्मणराव मिनाश्री पुत्री लक्ष्मणराव | 302 | 0.62 | 0.13 |
| 14 | निशीबाई पत्नी राघवेन्द्रराव | 300 | 1.34 | 0.6 |
| | कुल | | 9.95 | 1.76 |

2) सार्वजनिक प्रायोजन जिसके लिये भूमि की आवश्यकता है - अमलपुरा सांवखेड़ा जावर एवं सांवखेड़ा सतवाड़ा बडगांववाली नहाल्दा से एस.एच. 26 के कि.मी. 5/2 तक मार्ग उन्नयन कार्य हेतु।

3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी, खण्डवा/कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग खण्डवा संभाग खण्डवा के कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-11681/25

**मध्यप्रदेश के राज्यपाल की नाम से तथा आदेशानुसार**
**( ऋषव गुप्ता )**
**कलेक्टर एवं समुचित सरकार**
**मध्य प्रदेश शासन, राजस्व विभाग**
**जिला-खंडवा ( म.प्र. )**

"बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

दैनिक विनय उजाला

# सम्पादकीय

## हस्ताक्षर तो तमिल में करें

तमिलों के प्रति अपना विशेष लगाव दिखाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिल भाषा को दुनिया में ले जाने की बात उठाई। उन्होंने तमिल माध्यम से शिक्षा शिक्षा प्रदान करने की वकालत की ताकि गरीब छात्रों को भी लाभ मिल सके। तमिलनाहु में पम्बन ब्रिज के उद्धाषण भाषण में उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन का नाम लिये बगैर कहा, तमिलनाडु के नेताओं के पत्रों में हस्ताक्षर अंग्रेजी में होते हैं। मोदी ने तंज करते हुए कहा, अगर हमें तमिल पर गर्व है तो मैं अनुरोध करूंगा कि कम से कम हस्ताक्षर तो तमिल में करें। राज्य सरकार को पिछली सरकार की तुलना में अधिक धन आवंटित किये जाने पर मोदी ने कहा कि, कुछ लोगों को रोने की आदत होती है, वे रोते रहते हैं। स्टालिन की गैरहाजरी में ही राज्य में 8300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। हालांकि स्टालिन के प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल न होने को भाजपा ने प्रधानमंत्री का अपमान बताया है। कहा जा सकता है कि नई शिक्षा नीति पर चल रही हिन्दी थोपने की बहस को लेकर मोदी ने परोक्ष में हस्ताक्षर वाली बात पर प्रहार किया। यह टिप्पणी केंद्र व तमिलनाडु सरकार के दरम्यान चल रहे त्रि-भाषा नीति को लेकर चल रहे विवाद को तूल भी दे सकती है। अगले साल राज्य में होने वाले चुनाव से इस घटनाक्रम को जोड़कर देखा जा सकता है।भाजपा गठबंधन फिर से अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़ग़म के साथ सरकार बनाने की पृष्ठभूमि तैयार कर रहा है। राज्य के चुनावी बिसात में पुराने मोहरे बिछाने की तैयारी के अतिरिक्त मोदी सरकार के पास बेहद सीमित मार्ग हैं। हालांकि मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री का इस्तकबाल करके बड़प्पन दिखाना शोभनीय होता। प्रधानमंत्री किसी दल का नहीं होता, वे अखंड भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं।बजरिए तमिल भाषा में दर्शाये जा रहे इस अपनापे के खोखलेपन से स्थानीय जनता अच्छी तरह वाकिफ है। बेहतर हो कि यह हस्ताक्षर वाली सलाह सभी राज्यों को दी जाती। अपनी भाषा के प्रति लगाव दर्शाने का बेहतर तरीका तो यही हो सकता है कि इस तरह के पत्र-व्यवहार को स्थानीय भाषा में किया जाए। बहुभाषी अखंड देश होने का ख्याल रखा जाना केंद्र के लिए अतिआवश्यक है। चुनावी सरगर्मी में हमें तमिल होने पर गर्व हो जाता है। जो मौसम बदलते ही कश्मीरी होने पर या बंगाली होने के गर्व में तब्दील होता रहता है। हालांकि देश की राजनीति ऐसे ही संवेदनशील मुद्दों के भरोसे चलती आ रही है, इसमें कुछ बदलता नहीं नजर आ रहा।

## सुविचार

नेतृत्व वही करता है...
जो मुश्किल रास्ते पर.....
सबसे पहले स्वयं चलता है...

**- राजेन्द्र मकवानी, इंदौर**

यदि आप दुख पर ध्यान केंद्रित करते हैं,
तो आप निरंतर कष्ट भोगते रहेंगे,
यदि आप सबक पर ध्यान केंद्रित करते हैं,
तो आप निरंतर प्रगति करते रहेंगे।

**- के.पी. जाट, भोपाल**

किसी अच्छे इंसान से कोई गलती हो तो
सहन कर लो क्योंकि मोती अगर कचरे में
भी गिर जाए तो भी कीमती रहता है।

**- नरेश वर्मा, महू**

करुणा ही वह स्रोत है जो हमें एक-दूसरे से
जोड़ती है और भीतर की शुद्धता को प्रकट करती है।
जहां करुणा समाप्त होती है वहां से नफरत पैदा होती है।

**- माया बैरागी, सैलाना रतलाम**

जिंदगी में हमेशा दो लोगों से दूर रहना
बिजी और घमंडी, बिजी आदमी मर्जी से बात करेगा
और घमंडी मतलब से याद करेगा।

**- रवि प्रजापत, इंदौर**

## शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

**इन्दौर।** राज्य शासन के अनुसूचित जाति विकास द्वारा संचालित शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद में वर्ष 2025-26 के लिए कक्षा 7वीं, 8वीं एवं 9वीं में रिक्त सीटों पर प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। आवेदन आगामी 28 अप्रैल शाम 5 बजे तक (शासकीय अवकाश के दिवस छोड़कर) जमा होंगे। शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय मोरोद के प्राचार्य ने बताया कि रिक्त सीटों में प्रवेश केवल अनुसूचित जाति एवं बीपीएल कार्ड धारक परिवारों के बालक-बालिकाओं को दिया जायेगा। इसके लिए पूर्व कक्षा में 60 प्रतिशत या बी ग्रेड होना, शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग हेतु 90 प्रतिशत तथा सामान्य/पिछड़ा वर्ग/अनुसूचित जनजाति के ऐसे विद्यार्थी जो बीपीएल कार्ड धारक(गरीबी रेखा) है, उनके लिए 10 प्रतिशत सीटें आरक्षित है। विद्यालय आवासीय होने के साथ ही सीबीएससी बोर्ड में संचालित है।

### दस दिनों तक मस्ती की पाठशाला में विद्यार्थी सीखेंगे हुनर

## 20 अप्रैल से सीएम राइज विद्यालय में लगेगा ग्रीष्मकालीन शिविर

फाइल फोटो

फाइल फोटो

विनय उजाला

**धार, निप्र।** सीएम राइज विद्यालय में 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर में विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए विभिन्न विधाओं में उन्हें प्रशिक्षित किया जायेगा।

सीएम राइज विद्यालय के प्राचार्य डॉ स्मृति रत्न मिश्र ने बताया कि आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग भोपाल के निर्देशानुसार दस दिवसीय शिविर का आयोजन विद्यालय में प्रात:7 बजे से किया जायेगा। इसमें परंपरागत कक्षाओं से हटकर विभिन्न प्रकार की रचनात्मक एवं रोजगारोन्मुखी गतिविधियों का आयोजन रोचक तरीके से होगा। शिविर के अंत में विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई वस्तुओं की प्रदर्शनी भी आयोजित की जायेगी। प्रदर्शनी में तैयार की गई वस्तुओं को विद्यार्थी बेच भी सकेंगे जिससे उनमें स्वावलंबन की भावना भी विकसित होगी। यह शिविर पूर्णत: नि:शुल्क है और हर दिन योग एवं मेडिटेशन के साथ शिविर में गतिविधियों की शुरुआत होगी। तत्पश्चात विभिन्न प्रकार की रचनात्मक एवं रोजगारोन्मुखी गतिविधियां विद्यार्थियों को सिखाई और करवाई जाएगी। शिविर में मिट्टी से मूर्तियां बनवाना, बांस से उपयोगी वस्तुएं बनवाना, बेकार की वस्तुओं , सुतली आदि से विभिन्न सजावटी सामान तैयार करवाना, सिलाई एवं कढ़ाई, नृत्य, संगीत, ड्राइंग, क्राफ्टकला, खेलकूद, मांडने बनाना, डिजिटल लिट्रेसी, नैतिक शिक्षा, लोककला, लोकसंगीत आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रतिदिन नि:शुल्क स्वल्पाहार भी करवाया जाएगा। ज्ञातव्य हो कि विगत वर्षों में भी जिला मुख्यालय पर सीएम राइज विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया था जो काफी सफल रहा था।

---

यहां तक कि केंद्र सरकार के अलग अलग मंत्रियों से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी कई बार स्पष्ट कहा है कि केंद्र सरकार यह कतई नहीं चाह रही कि तमिलनाडु तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को ही पढ़ाना शुरु करें, वह कोई भी तीसरी भाषा हो सकती है, चाहे तेलगू हो, चाहे कन्नड हो या मलयालम।

# अब महाराष्ट्र में भी भौंहें चढ़ीं हिंदी के शुभचिंतक ही इसके दुश्मन हैं...!

लोकमित्र गौतम

दैनिक विनय उजाला

अगर आप गहराई से सोचें तो साफ़ हो जाएगा कि हिंदी के सबसे बड़े दुश्मन कौन हैं? जी हां, ये इसके तथाकथित शुभचिंतक ही हैं, वरना तो बिना किसी हो हल्ले, बिना किसी शोर शराबे के भी देश में हिंदी लगातार आगे बढ़ रही है। लेकिन जब भी कोई उत्साही राजनेता अपनी सियासत को चमकाने के लिए हिंदी को अनिवार्य बनाने की मांग करता है या किसी भी रूप में उसके प्रति सहानुभूति प्रकट करता है, तो हिंदी का विरोध होना शुरू हो जाता है? अब इसे ही लें,हिंदी को लेकर तमिलनाडु का तनाव अभी कहीं से कम होने का कोई संकेत भी नहीं दे रहा था कि महाराष्ट्र में भी हिंदी को लेकर विवाद शुरु हो गया है। दरअसल महाराष्ट्र की फडणवीस सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) को लागू करने की योजना के तहत फैसला किया है कि राज्य के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार के इस फैसले का महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने तुरंत विरोध किया है। उन्होंने एक बयान जारी करते हुए कहा कि मैं स्पष्ट शब्दों में कहता हूं कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना इस अनिवार्यता को बर्दाश्त नहीं करेगी। इसके पहले उन्होंने यह भी कहा कि हम हिंदू हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि हिंदी भी हों।

एमएनएस के बाद कांग्रेस ने भी नाराजगी जताई है और धीरे धीरे बाकी सभी राजनीतिक पार्टियां जो सत्ता में नहीं हैं, नाराजगी जताने के मूड में आ गई है। क्योंकि महाराष्ट्र सरकार ने जिस तरह से घोषणा की है, उससे भले हिंदी को कुछ फायदा न हो, लेकिन ऐसा संदेश जरूर ध्वनित हो रहा है कि मानो मराठी पर हिंदी की प्राथमिकता थोपी जा रही हो।

लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हो रहा अक्सर देखा गया है कि एक तरफ तो राजनेता चुनावी मौकों पर हिंदी बेल्ट में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने तक के सपने दिखाते हैं और दूसरी तरफ हिंदी के पक्ष में अगर कोई झूठ मूठ का भी बयान आ जाए तो वोट बैंक की चिंता में जरूरत से ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। ऐसे मौकों पर पलभर में भावनाएं उग्र हो जाती हैं। लेकिन जब ये हिंदी की भावनाओं को सहलाने की कोशिश करते हैं, तब भी वोट ही बड़ा फैक्टर होता है। पहले भावनाओं का यह खेल सबसे ज्यादा दक्षिण भारत, बंगाल और उत्तर-पूर्व के राज्यों में ही मुखर था, महाराष्ट्र में भी थोड़ी बहुत हिंदी विरोधी बातें होती रही हैं, लेकिन महाराष्ट्र स्वाभाविक रूप से हिंदी विरोधी राज्य कभी नहीं रहा बल्कि मुंबई जैसा देश का सबसे महत्वपूर्ण नगर तो अप्रत्यक्ष रूप से हिंदीभाषी शहर ही है और महाराष्ट्र के राजनेताओं ने भी, कभी भी हिंदी का इतना उग्र विरोध नहीं किया कि मुंबई के हिंदीभाषी माहौल और उसकी संस्कृति को निर्णायक रूप से ठेस पहुंचे।

लेकिन लगता है फडणवीस सरकार कुछ ज्यादा ही खुद को राष्ट्रवादी साबित करने की कोशिश कर रही है, क्योंकि जब नई शिक्षा नीति 2020 में स्पष्ट है कि मातृभाषा और अंग्रेजी के बाद तीसरी कोई भी भाषा वैकल्पिक होगी, तो फिर इस तरह की कंट्रोवर्सी खड़ा करने का क्या तुक है कि हिंदी को एक तय स्तर तक अनिवार्य भाषा के रूप में पढ़ाया जाए? इससे तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति की मूल भावना ही सवालों के दायरे में खड़ी हो जाती है कि अगर राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्पष्ट रूप से हिंदी की वकालत करने की बजाय किसी भी तीसरी भाषा की बात करती है, तो फिर इसमें जानबूझकर तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को क्यों चिन्हित किया जाए? आखिर तमिलनाडु में केंद्र सरकार से लेकर तमाम हिंदी समर्थक क्या तर्क दे रहे हैं? यही न कि राज्य को कोई भी तीसरी वैकल्पिक भाषा अपने शैक्षिक कार्यक्रम में शुरु करनी चाहिए। यहां तक कि केंद्र सरकार के अलग अलग मंत्रियों से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी कई बार स्पष्ट कहा है कि केंद्र सरकार यह कतई नहीं चाह रही कि तमिलनाडु तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को ही पढ़ाना शुरु करें, वह कोई भी तीसरी भाषा हो सकती है, चाहे तेलगू हो, चाहे कन्नड हो या मलयालम।

ऐसे में फडणवीस सरकार की इस अनिवार्यता को किस खांचे में रखकर समझा जाए। अगर राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हिंदी की अनिवार्यता पर जरा भी जोर नहीं दिया गया तो फिर मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ राज्य सरकार ऐसा क्यों कह रही है कि हिंदी को अनिवार्य बनाया जायेगा? क्या इससे फडणवीस ज्यादा हिंदी सैवी साबित हो जाएंगे?

सच तो यह है कि जब हिंदी को लेकर राजनीति नहीं की जाती, हिंदी को जबर्दस्ती लाइमलाइफ में लाकर अपनी सियासत चमकाने की कोशिश नहीं की जाती, उस समय हिंदी सबसे तेज और मजबूत विकास कर रही होती है। हिंदी में आज जो भी महत्वपूर्ण संसाधन है, बाजार में उसकी जो कुछ ताकत है, उसमें हिंदीभाषियों से ज्यादा गैर हिंदीभाषी लोगों का योगदान है। हिंदी भाषा में सबसे बड़ा योगदान हिंदी सिनेमा का माना जाता है। यह हिंदी सिनेमा ही है, जिसने भारत के 99 फीसदी गैर हिंदीभाषी क्षेत्रों में हिंदी को फैलाया है और भारत से बाहर भारत को जानने में जिस एक चीज ने सबसे ज्यादा जिज्ञासा बढ़ायी है, वह हिंदी फिल्में और इन हिंदी फिल्मों के गाने ही हैं।

हिंदी सिनेमा के एक से बढ़कर एक धुरंधर गीतकार गैर हिंदीभाषी क्षेत्रों से आये हैं। शाहिर लुधियानवी और आनंद बख्शी पंजाबी भाषा के, शकील बदायुंनी और शैलेंद्र भी मूलत: भोजपुरी और अवधीभाषी थे। राजेंद्र कृष्ण भी पंजाबी और उर्दूभाषी थे। लेकिन क्या हिंदी सिनेमा में इनके बराबर किसी विशुद्ध हिंदीभाषी गीतकार का योगदान है? शुरु से लेकर आजतक हिंदी सिनेमा के 90 फीसदी से ज्यादा निर्माता निर्देशक मूलत: गैर हिंदीभाषी क्षेत्रों से आये हैं, सबसे ज्यादा पंजाबियों ने, एक जमाने में मराठियों और बंगालियों ने, हिंदी सिनेमा को हर तरह से समृद्ध किया है। फिर हम क्यों महाराष्ट्र या दूसरे किसी प्रांत में हिंदी की सुपरमेसी थोपने की कोशिश करते हैं? हिंदी अगर आज बाजार की और संवाद की सबसे मजबूत भाषा है तो इसमें हिंदीभाषियों से ज्यादा गैर हिंदीभाषियों का योगदान है। कारपोरेट जगत में हिंदी ले जाने वाले हिंदीभाषी कम, गैर हिंदीभाषी ज्यादा हैं। भारत में हिंदी को जो राजनीतिक ताकत मिली है, वह भी शुरु से हिंदी से ज्यादा गैर हिंदीभाषी राजनेताओं की वजह से मिली है। अगर महात्मा गांधी हिंदी को इतनी प्राथमिकता नहीं देते होते तो हिंदी को वह जगह नहीं मिलती, जो आजादी की लड़ाई के दौरान उसे मिली थी। आज भी पूरे देश में सबसे ज्यादा अगर कोई राजनेता आधिकारिक रूप से हिंदी वक्ता है तो वह प्रधानमंत्री मोदी और दूसरे नंबर पर अमित शाह हैं। वैचारिक रूप से अगर हिंदी को सबसे ज्यादा ऊर्जा हासिल होती है तो नागपुर से और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन से हासिल होती है, जो कि गैर हिंदीभाषियों की बहुलता वाला संगठन है।

इसके बाद भी आखिर फडणवीस सरकार को ऐसी क्या कमी दिखी कि उन्हें हिंदी को स्कूलों में अनिवार्य भाषा बनाये जाने की बात करने के लिए मजबूर होना पड़ा? हिंदी में ऐसा कोई संकट नहीं है जिसके एवज में फडणवीस सरकार यह कंट्रोवर्सी खड़ी करे, उल्टे हिंदी को तो पूरे देश में सबसे ज्यादा महाराष्ट्र का ही शुक्रगुजार होना चाहिए और उसमें भी देश की वित्तीय राजधानी मुंबई का, जो कि मराठीभाषी प्रांत की राजधानी होते हुए भी बड़े पैमाने पर हिंदीभाषी लोगों को संरक्षण देता है। दरअसल जो हिंदी के लिए चीख चीखकर सहानुभूति दिखाने की मांग करते हैं या यह जताने की कोशिश करते हैं कि उन्होंने हिंदी की किसी से भी ज्यादा फिक्र है, उन्हें पता ही नहीं कि वे हिंदी के दोस्त नहीं दुश्मन हैं। बिना कोई आग्रह और बिना कोई नियंत्रण के जिस तरह से आजादी के 75 सालों में हिंदी का देश की किसी भी दूसरी भाषा के मुकाबले जयादा विकास हुआ है, वह इस बात का सबूत है कि पूरा देश हिंदी को प्यार करता है और पूरा देश हिंदी को समृद्ध करता है। सच बात तो यह है कि हिंदी की उपलब्धियों में गैर हिंदीभाषियों का जितना योगदान हैं, हिंदीभाषियों का उसके पासंग भी नहीं है। इसलिए मेहरबानी करके राजनेता हिंदी के लिए सहानुभूति एकत्र करने की देश से गुजारिश न करें, देश पहले से ही हिंदी को सर आंखों में बिठाये हुए हैं। हां, आप देश के सर आंखों से हिंदी को गिराना चाहते हैं तो जरूर ऐसी बातें करें।

**(लेखक विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में वरिष्ठ संपादक हैं)**

---

# शाकाहार मैराथन - जीवन को स्वस्थ्य बनाइये

मानव सभ्यता की प्राचीन जड़ों में शाकाहार का विशेष स्थान रहा है। यह न केवल एक आहार प्रणाली है, बल्कि जीवन जीने की एक संपूर्ण विचारधारा है, जो करुणा, अहिंसा और प्रकृति के साथ संतुलन पर आधारित है। आज जब पर्यावरण संकट, स्वास्थ्य समस्याएँ और नैतिक प्रश्न हमारे सामने हैं, तब शाकाहार एक प्रभावी और समग्र समाधान के रूप में उभर कर सामने आया है।

### शाकाहार का अर्थ

शाकाहार का शाब्दिक अर्थ है - शाक अर्थात वनस्पति, और आहार अर्थात भोजन। इसका तात्पर्य है ऐसा भोजन जो वनस्पति स्रोतों से प्राप्त होता है और जिसमें मांस, मछली, अंडे आदि का प्रयोग नहीं किया जाता। इसमें मुख्य रूप से फल, सब्जियाँ, अनाज, दालें, बीज, मेवे और दूध या दुग्ध उत्पाद सम्मिलित होते हैं।

### शाकाहार का इतिहास और परंपरा

भारतवर्ष में शाकाहार की परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। जैन, बौद्ध और हिन्दू धर्मों में शाकाहार को धार्मिक एवं नैतिक आधार मिला है। ऋषि-मुनियों और संतों ने शाकाहार को तप, संयम और शुद्ध जीवन का प्रतीक माना है। आयुर्वेद में भी शाकाहार को सात्त्विक और स्वास्थ्यवर्धक माना गया है।

### शाकाहार और आध्यात्मिकता

शाकाहार केवल शरीर का पोषण नहीं करता, यह आत्मा को भी शुद्ध करता है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शाकाहारी भोजन को सात्त्विक कहा गया है - जो मन को शांति और विचारों को पवित्रता प्रदान करता है। कई योगी, संत और साधक केवल शाकाहारी भोजन को ही आत्मिक साधना के लिए उपयुक्त मानते हैं।

**मैराथन दिनांक 20 अप्रैल 2025 को प्रात : 6.30 बजे नेहरु स्टेडियम से**

**विश्व में शाकाहार की बढ़ती लोकप्रियता:** आज विश्वभर में लोग शाकाहार की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अनेक देशों में 'वेजिटेरियन डे', 'विगन मूवमेंट', 'प्लांट-बेस्ड डाइट' जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं। हॉलीवुड, खेल और विज्ञान जगत की कई हस्तियाँ भी शाकाहार को जीवनशैली के रूप में अपना चुकी हैं।

**निष्कर्ष :** शाकाहार केवल भोजन की एक शैली नहीं, बल्कि यह एक परिपूर्ण जीवनदर्शन है - जिसमें करुणा है, शांति है, स्वास्थ्य है और प्रकृति से सामंजस्य है। यह न केवल हमारे शरीर और मन को स्वस्थ रखता है, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए भी हितकारी है। यदि हम एक बेहतर, शांतिपूर्ण और टिकाऊ भविष्य की ओर बढ़ना चाहते हैं, तो शाकाहार को अपनाना समय की माँग है।

### शाकाहार के लाभ

**स्वास्थ्य संबंधी लाभ:** शाकाहारी भोजन में फाइबर, विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सिडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं।
यह हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को रोकने में सहायक है। शाकाहारी भोजन पचने में आसान होता है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है।
**नैतिक और भावनात्मक लाभ :** शाकाहार जीवों के प्रति करुणा और अहिंसा की भावना को प्रकट करता है। यह हमें मानसिक रूप से शांत, संवेदनशील और सहनशील बनाता है।
**पर्यावरणीय लाभ :** मांस उत्पादन में अत्यधिक जल, भूमि और ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जबकि शाकाहार इन संसाधनों की बचत करता है। शाकाहार अपनाने से कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है और पर्यावरण संतुलन बना रहता है।
**आर्थिक और सामाजिक लाभ :** शाकाहारी खाद्य पदार्थ आमतौर पर सस्ते और सुलभ होते हैं। खेती पर आधारित जीवनशैली ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल देती है और रोजगार के अवसर भी बढ़ाती है।

दैनिक विनय उजाला

**वीरेन्द्र कुमार जैन**
**संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष अ भा जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन**

---

## पुस्तक समीक्षा

# पुस्तक : सनातन संस्कृति एवं अध्यात्म में वैज्ञानिक अनुसंधान

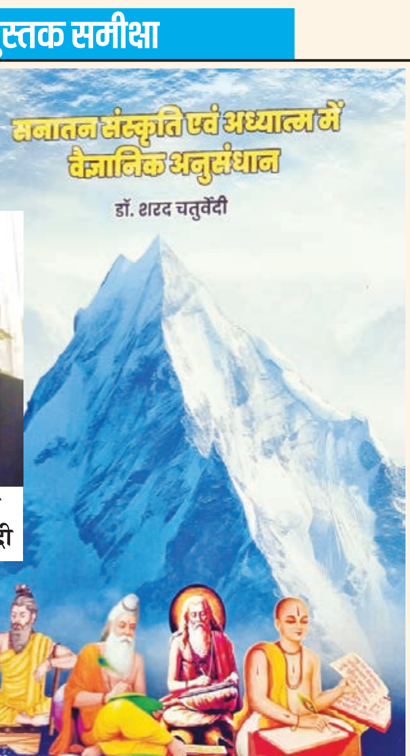

पुस्तक लेखक डॉ. शरद चतुर्वेदी

भारतीय संस्कृति और सनातन अध्यात्म की वैज्ञानिकता पर चर्चा करते समय प्राय: यह तर्क दिया जाता है कि यह एक 'विश्वास आधारित प्रणाली' है, जिसमें तर्क और अनुभव का स्थान सीमित है। किंतु सनातन संस्कृति एवं अध्यात्म में वैज्ञानिक अनुसंधान जैसी पुस्तकें इस मिथक को तोड़ने का कार्य करती हैं। यह पुस्तक बताती है कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल श्रद्धा या विश्वास पर आधारित न होकर एक अत्यंत गूढ़ वैज्ञानिक सोच की आधारशिला पर निर्मित है।

डॉ. शरद चतुर्वेदी ने इस ग्रंथ में विभिन्न अध्यायों के माध्यम से यह सिद्ध करने का सफल प्रयास किया है कि हमारे ऋषियों की साधनाएं वस्तुत: वैज्ञानिक प्रयोग ही थे। पुस्तक के प्रारंभिक अध्यायों में लेखक वेद, उपनिषद और दर्शनशास्त्र के मूल सिद्धांतों की वैज्ञानिक समीक्षा करते हैं। वे बताते हैं कि ऋषि मनुष्यता के वैज्ञानिक खोजकर्ता थे। उन्होंने बाह्य पदार्थों की नहीं, चित्त, आत्मा और ब्रह्म की अंतर्ज्ञेय सत्ता की खोज की।

पुस्तक की संरचना लगभग आठ से दस अध्यायों में विभक्त प्रतीत होती है, जिनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित विषयों को विवेचित किया गया है:-

19 वेदों में विज्ञान का स्वरूप

29 योग और ध्यान तंत्रिका विज्ञान की दृष्टि से

3 9 ध्वनि विज्ञान और मंत्र शक्ति

49 आयुर्वेद: जैविकी और समग्र चिकित्सा प्रणाली

59 तंत्रशास्त्र और चेतना का संप्रसारण

69 भारतीय खगोल विज्ञान और गणितीय मेधा

79 धर्म, कर्म और ब्रह्म - वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विश्लेषण

पुस्तक में एक स्थल पर लेखक स्पष्ट करते हैं: योग कोई चमत्कारी साधना नहीं, बल्कि मस्तिष्क और शरीर के मध्य एक वैज्ञानिक पुल है, जिसे आधुनिक न्यूरोसाइंस भी स्वीकार करता है। (पृष्ठ 78)

डॉ. चतुर्वेदी ने पश्चिमी विज्ञान की कसौटी पर भारतीय अध्यात्म को परखने के बजाय भारतीय मनीषा के मूल विमर्शों की वैज्ञानिकता को स्वयं भारतीय दृष्टिकोण से विश्लेषित किया है। उदाहरणस्वरूप, मंत्रों की ध्वनि शक्ति पर चर्चा करते हुए वे 'नाद ब्रह्म' की संकल्पना को महत्त्वपूर्ण बताते हैं और कहते हैं कि: ध्वनि की आवृत्तियाँ न केवल मन पर प्रभाव डालती हैं, बल्कि वे मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को पुनर्संयोजित करने में सक्षम होती हैं। (पृष्ठ 104)

एक अन्य स्थल पर वे संकेत करते हैं कि भारतीय पंचतत्व सिद्धांत न केवल दार्शनिक अवधारणा है, बल्कि समकालीन भौतिकी के क्वांटम सिद्धांतों से साम्य रखता है। उन्होंने भारतीय खगोलविद् आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और बौद्ध तारामंडलीय गणनाओं का भी उल्लेख किया है।

**शैली और भाषा :** लेखक की भाषा विद्वतापूर्ण होने के बावजूद बोझिल नहीं है। उन्होंने तकनीकी शब्दों की जगह संवादधर्मी शैली अपनाई है, जिससे विषय सामान्य पाठक के लिए भी ग्राह्य बन गया है। यह गुण इस पुस्तक को अकादमिक से इतर एक लोकप्रिय पुस्तक की कोटि में भी खड़ा करता है।

**समापन विचार:** डॉ. शरद चतुर्वेदी की यह कृति भारतीय सनातन संस्कृति के उन आयामों को उद्घाटित करती है, जो लंबे समय तक या तो उपेक्षित रहे या मिथ्या मान्यताओं के कारण अवहेलित हुए। यह पुस्तक आधुनिक विज्ञान और प्राचीन अध्यात्म के बीच एक सेतु बनकर उभरती है। यह न केवल ज्ञान-पिपासुओं के लिए उपयोगी है, बल्कि उन शोधकर्ताओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकती है, जो भारतीय परंपरा की पुन: स्थापना वैज्ञानिक धरातल पर करना चाहते हैं।

नि:संदेह यह ग्रंथ अध्यात्म और विज्ञान के अंतर्संबंधों पर हिंदी में लिखा गया एक महत्त्वपूर्ण शोधपरक दस्तावेज़ है, जो आने वाले वर्षों तक शोध, विमर्श और बौद्धिक जगत में चर्चित रहेगा।

**संपादक - मुक्तिचक्र, बाँदा**

दैनिक विनय उजाला

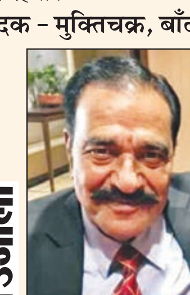
समीक्षक
डॉ. गोपाल गोयल

# 2000 करोड़ की संपत्ति पर गांधी परिवार की नजर

## कांग्रेस ने प्रचार पर फूंके जनता के पैसे, भाजपा का आरोप

नई दिल्ली

**नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा और कांग्रेस के बीच जमकर जुबानी जंग हो रही है। ताजा घटनाक्रम में भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, कांग्रेस पार्टी बार-बार नेशनल हेराल्ड का नाम लेकर सनसनी फैलाने की कोशिश करती है, लेकिन विफल रहती है।**

उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड का नाम सुनते ही कांग्रेस पार्टी का पूरा इकोसिस्टम सनसनी से भर जाता है... वे पकड़े गए हैं। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने अखबार को अपने एटीएम के रूप में इस्तेमाल किया है। उन्होंने दावा किया कि गांधी परिवार ने अपनी जेब से एक पैसा भी निवेश किए बिना नेशनल हेराल्ड की 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हासिल करने की कोशिश की।

भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे कांग्रेस नेताओं को चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मामलों के त्वरित और समयबद्ध निपटारे की मांग करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी-राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट दाखिल करने की कार्रवाई के पीछे राजनीतिक मंशा होने की बात बेबुनियाद है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों पर जनता के पैसे को साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के रूप में खर्च करते हैं। उन्होंने दावा किया कि इस अखबार को बहुत कम पाठक पढ़ पाते हैं। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस परिवार को घेरते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा, यंग इंडियन कंपनी को कांग्रेस ने 50 लाख रुपये का ऋण दिया था। इसमें दोनों गांधी परिवार की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

### भ्रष्टाचार के कांग्रेस मॉडल में चोर खूब शोर मचाते हैं...

राजनीति से प्रेरित कार्रवाई के आरोपों के संबंध में अनुराग ठाकुर ने कहा, अगर कांग्रेस नेताओं में हिम्मत है तो उन्हें अदालत से जल्द सुनवाई की अपील करनी चाहिए। ठाकुर ने कहा, भ्रष्टाचार के कांग्रेस मॉडल में चोर खूब शोर मचाते हैं। नेशनल हेराल्ड मामले ने कांग्रेस के पूरे तंत्र को स्तब्ध कर दिया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले निचली अदालतों ने मामले का संज्ञान लिया, लेकिन कार्रवाई रदद् कराने को लेकर गांधी परिवार कई बार कोर्ट में अपील कर चुका है।

### हिमाचल में क्या कोई कांग्रेस नेता या सदस्य नेशनल हेराल्ड पढ़ता है?

अनुराग ठाकुर ने कहा, अदालतों ने उन्हें जमानत के अलावा कोई राहत नहीं दी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका ने प्रवर्तन निदेशालय की जांच में हस्तक्षेप नहीं किया। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए ठाकुर ने कहा, प्रदेश सरकार ने 10 मुख्य वादों में से एक भी पूरा नहीं किया। नेशनल हेराल्ड में विज्ञापन पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए। क्या हिमाचल में कोई कांग्रेस नेता या सदस्य इसे पढ़ता है? विभिन्न कांग्रेस सरकारों द्वारा विज्ञापनों पर खर्च की गई धनराशि का विवरण अखबार में देना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस ईडी की कार्रवाई के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन कर रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### भारतीय छात्रों का वीजा रद्द करने पर कांग्रेस हमलवार, पूछा- क्या विदेश मंत्री उठाएंगे मुद्दा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका में भारतीय छात्रों का वीजा रद्द किए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने पूछा है कि क्या विदेश मंत्री एस जयशंकर इस मुद्दे को अमेरिकी विदेश मंत्री के सामने उठाएंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर अमेरिकी आव्रजन वकीलों के संगठन का बयान साझा किया। उन्होंने कहा कि यह भारत में हमारे लिए चिंता का कारण है। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा अब तक एकत्र किए गए अंतरराष्ट्रीय छात्रों के 327 वीजा निरस्तीकरण मामलों में से 50 फीसदी भारतीय हैं। निरस्तीकरण का कारण अस्पष्ट है। इसलिए डर और आशंका बढ़ रही है। जयराम रमेश ने कहा कि क्या विदेश मंत्री इस पर ध्यान देंगे और अपने अमेरिकी समकक्ष के समक्ष इस चिंता को उठाएंगे? अमेरिकी आव्रजन वकील संघ ने बयान में कहा है कि विदेश विभाग और आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन आक्रामक रूप से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निशाना बना रहे हैं। उनके विरोध का कोई इतिहास नहीं है, उनके वीजा निरस्तीकरण, उनकी स्थिति को समाप्त करने और निष्कासन के लिए। संगठन ने वकीलों, छात्रों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों से वीजा निरस्तीकरण और छात्र और विनिमय आगंतुक सूचना प्रणाली समाप्ति की 327 रिपोर्ट एकत्र की है। बयान में कहा गया कि इन रिपोर्टों में से 50 प्रतिशत छात्र भारत से थे, इसके बाद 14 प्रतिशत चीन से थे। इस डाटा में प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य महत्वपूर्ण देशों में दक्षिण कोरिया, नेपाल और बांग्लादेश शामिल हैं।

### आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन की संपत्ति ईडी ने अटैच की, 800 करोड़ के शेयर-जमीन शामिल

**अमरावती / नई दिल्ली, एजेंसी।** 14 साल पुराने एक धनशोधन मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पर सख्त कार्रवाई हुई है। वर्तमान में आंध्र प्रदेश विधानसभा की विपक्षी पार्टी- युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ जांच के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 800 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है।

**जगन के शेयरों की कीमत 27 करोड़ से अधिक...** मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले में ईडी की कार्रवाई को लेकर आई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जगन के जिन शेयरों को अटैच किया गया है, उसका मूल्य करीब 27.5 करोड़ रुपये है। इसके अलावा डालमिया सीमेंट्स (भारत) लिमिटेड की जमीन को भी अटैच किया है। इस जमीन की कीमत लगभग 377.2 करोड़ रुपये है। डालमिया ने अटैच की गई संपत्ति का कुल मूल्य 793.3 करोड़ रुपये है और ईडी ने 14 साल के बाद यह कार्रवाई की है। खबरों के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग का यह पूरा मामला लाभ हासिल करने के मकसद से की गई मदद का है।

**सीबीआई ने 2011 में मामला दर्ज किया...** केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इस मामले में साल 2011 में मामला दर्ज किया था। ईडी ने सीबीआई की तरफ से दर्ज केस पर अब ईडी ने अस्थायी तौर पर संपत्ति अटैच करने की कार्रवाई की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 31 मार्च को जारी अटैचमेंट नोटिस पर कार्रवाई 15 अप्रैल को की गई।

### भारत में बने इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद दुनियाभर में पहचान बना रहे, आईटी मंत्री का बड़ा बयान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के इलेक्ट्रोनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने एक बयान में कहा है कि भारत के इलेक्ट्रोनिक उत्पादों की पहचान तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भारत में बने इलेक्ट्रोनिक उत्पादों पर भरोसा बढ़ रहा है और इसकी वजह भारत में बने उत्पादों में बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के प्रति समर्पण है। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन, डिजाइन के क्षेत्र में भारतीय युवाओं के लिए अवसर बढ़ रहे हैं।

#### मेक इन इंडिया अभियान से आया बड़ा बदलाव

मानेसर में वीवीडीएन टेक्नलॉजीज ग्लोबल इनोवेशन पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत सरकार के मेक इन इंडिया अभियान की मदद से बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि समय के साथ भारत ने अपने इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन की क्षमताओं को मजबूत किया है। अब ये क्षमता ऑटोमोबाइल सेक्टर, ऊर्जा क्षेत्र, सिग्नलिंग और सिक्योरिटी सिस्टम में भी शामिल की गई हैं। इन उत्पादों की डिजाइन और उत्पादन भारत में तेजी से बढ़ रहा है, जो पीएम मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया अभियान की बड़ी उपलब्धि है।

#### 11 लाख करोड़ रुपये हो चुका है इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे देश में आज ऐसी कंपनियां हैं, जिसकी डिजाइन टीम में पांच हजार इंजीनियर हैं। ये युवा इंजीनियर कुछ बहुत ही जटिल उत्पादों को डिजाइन कर रहे हैं। उन्होंने इसे तकनीक के क्षेत्र में बड़ा कदम बताया। वैष्णव ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन बीते कुछ दशकों में पांच गुना बढ़ चुका है और अब यह 11 लाख करोड़ रुपये का हो चुका है। साथ ही हमारा इलेक्ट्रॉनिक उत्पादनों का निर्यात 3.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि इस सेक्टर में देश में 25 लाख लोग कार्यरत हैं, जिनमें से कई बेहद अहम तकनीकों पर काम कर रहे हैं।

## धनखड़ के बयान पर भड़के सिब्बल, कहा-
# कभी किसी उपराष्ट्रपति को ऐसी राजनीतिक टिप्पणी करते नहीं देखा

नई दिल्ली, एजेंसी

**उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा निर्धारित करने वाले सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले की आलोचना की थी। उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि, यह असंवैधानिक है और उन्होंने कभी किसी राज्यसभा के सभापति को इस तरह का राजनीतिक बयान देते नहीं देखा।**

कपिल सिब्बल ने कहा कि उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति और राज्यपाल के बारे में पता होना चाहिए, जिन्हें मंत्रियों की सहायता और सलाह पर काम करना होता है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिब्बल ने कहा कि राज्यपाल की तरफ से विधेयकों को रोकना वास्तव में विधानमंडल की सर्वोच्चता में दखलंदाजी है।

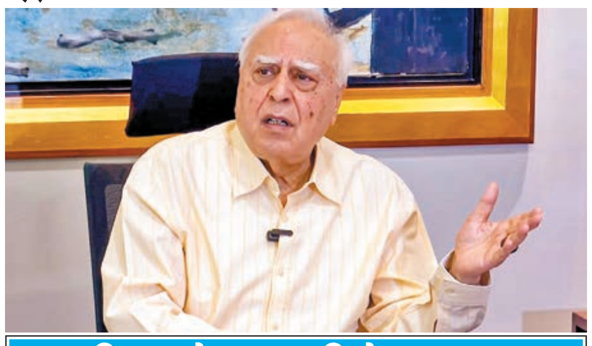

### एक दिन पहले उपराष्ट्रपति ने क्या कहा था?

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने गुरुवार को न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उन्होंने न्यायपालिका के लिए ये कड़े शब्द राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहे, कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की तरफ से विचार के लिए रखे गए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा तय करने की मांग की थी। इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा, इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता।

यह धनखड़ जी (उपराष्ट्रपति) को पता होना चाहिए, वे पूछते हैं कि राष्ट्रपति की शक्तियों को कैसे कम किया जा सकता है, लेकिन शक्तियों को कौन कम कर रहा है?

कपिल सिब्बल ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष और सत्तारूढ़ दल के बीच समान दूरी बनाए रखते हैं और वे पार्टी के प्रवक्ता नहीं हो सकते। उन्होंने आगे कहा, सभी जानते हैं कि लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी दोनों के बीच में होती है। वह सदन के अध्यक्ष होते हैं, किसी एक पार्टी के अध्यक्ष नहीं। वे भी मतदान नहीं करते, वे केवल तब मतदान करते हैं जब बराबरी होती है। यही बात उच्च सदन के साथ भी है। आप विपक्ष और सत्ताधारी पार्टी के बीच समान दूरी पर होते हैं। इस दौरान कपिल सिब्बल ने जोर देते हुए कहा, आप जो भी कहते हैं, वह समान दूरी पर होना चाहिए। कोई भी अध्यक्ष किसी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। मैं यह नहीं कहता कि वह हैं, लेकिन सिद्धांत रूप में कोई भी अध्यक्ष किसी भी पार्टी का प्रवक्ता नहीं हो सकता। अगर ऐसा लगता है तो कुर्सी की गरिमा कम हो जाती है।

## पंचायत चुनाव के उम्मीदवारों को धमकाने के आरोपों पर सीएम सरमा का जवाब, कहा- कांग्रेस ने असम को बदनाम किया

गुवाहाटी, एजेंसी

**पंचायत चुनाव में उम्मीदवारों को नाम वापसी का दबाव डालने के विपक्ष के आरोपों का असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने जवाब दिया है। सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा असम को बदनाम करने की कोशिश की है। अगर पुलिस के जरिये किसी को धमकाया जाता तो इसकी खबर हर जगह होती।**

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कांग्रेस कह रही है कि लेकिन मैंने स्थानीय समाचार और टीवी चैनलों पर खबर नहीं देखी है। राभा हसोंग चुनाव हुए, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। असम में 22 हजार से ज्यादा गांव हैं, लेकिन उन्होंने केवल एक या दो का उदाहरण दिया है। प्रशासन सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। जिला प्रशासन और पुलिस तटस्थ रहेगी। हम शांतिपूर्ण चुनाव चाहते हैं।

सीएम सरमा ने कहा कि कांग्रेस नेता किसी भी उत्पीड़न के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएं। हमें कोई खास आरोप हो तो बताएं। हम तुरंत कार्रवाई करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उम्मीदवारों की बड़ी संख्या में नाम वापसी नहीं हुई है। 300 सीटों पर दो हजार से अधिक ने नामांकन किया। इतने ज्यादा नाम वापस नहीं लिए गए हैं।

## वक्फ कानून के प्रावधानों पर कोर्ट का अंतरिम आदेश सामान्य प्रक्रिया, पूर्व कानून मंत्री का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी

**वक्फ कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश को लेकर पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून के प्रावधानों पर कोर्ट का अंतरिम आदेश सामान्य प्रक्रिया है। महत्वपूर्ण मामलों कोर्ट अक्सर ऐसा करते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि याचिकाकर्ता हार गए या केंद्र सरकार जीत गई।**

पूर्व कानून मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश से साफ है कि कोर्ट सात दिन बाद सांविधानिक कानून के महत्वपूर्ण सवालों के कारण मामले पर सुनवाई करेगा। अंतरिम आदेश भी कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन के बाद दिया है। इससे साफ है कि कोर्ट महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई में सामान्य प्रक्रिया अपना रहा है। इसका मतलब बिल्कुल यह नहीं है कि याचिकाकर्ता जीत गए या हार गए और न ही ये है कि सरकार हार गई या जीत गई।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ से केंद्र की मांग पर सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए सात दिन का समय दिया।

## कर्नाटक में वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हुए राहुल बोले
# कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून बनाए सरकार, जाति आधारित भेदभाव खत्म करना है मकसद

बंगलूरू, एजेंसी

कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हुए राहुल गांधी ने इस कांग्रेस शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने सीएम सिद्धारमैया को लिखे पत्र में कहा, सरकार को रोहित वेमुला एक्ट नाम से कानून बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कानून का मकसद शिक्षा प्रणाली में जाति आधारित भेदभाव को खत्म करना है। अपने पत्र में राहुल ने भारत रत्न डॉ बीआर आंबेडकर का भी जिक्र किया है। उन्होंने इस बात को भी रेखांकित किया कि किस तरह बाबा साहेब आंबेडकर को भी अपने जीवनकाल में भेदभाव का सामना करना पड़ा था।

बकौल राहुल गांधी, एक समय लंबी बैलगाड़ी यात्रा के दौरान हुई घटना का बाबा साहेब ने उल्लेख किया है। राहुल ने अपने पत्र में बाबा साहेब के संस्मरण का जिक्र करते हुए लिखा डॉ आंबेडकर को एक समय बिना भोजन के सोना पड़ा, क्योंकि लोगों ने अछूत मानकर उन्हें पानी देने से इनकार कर दिया। आंबेडकर बताते हैं कि उनके पास पर्याप्त खाना था, भूख भी लगी थी, इसके बावजूद उन्हें भूखे सोना पड़ा। स्कूल में उन्हें अपनी रैंक के मुताबिक सहपाठियों के बीच बैठने की अनुमति नहीं थी। उन्हें कोने में अकेले बिठाया जाता था। बकौल राहुल गांधी, आंबेडकर ने जो झेला वह शर्मनाक था। भारत में किसी बच्चे के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। आज हमारे लिए यह शर्म की बात है कि देश की शिक्षा प्रणाली में दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के लाखों छात्रों को जाति आधारित भेदभाव से जूझना पड़ता है।

### शिक्षा प्रणाली में आज भी जातिगत भेदभाव का दंश

राहुल ने लिखा कि वे कर्नाटक में रोहित वेमुला कानून लागू करने की अपील करते हैं, ताकि किसी भी बच्चे को वैसे दंश न झेलने पड़ें जो डॉ. बीआर अंबेडकर, रोहित वेमुला और लाखों अन्य लोगों को सहने पड़े। उन्होंने एक्स पर अपना पत्र साझा किया और लिखा, हाल ही में वे संसद में दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदायों के छात्रों और शिक्षकों से मिला। बातचीत के दौरान कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव का के बारे में जानकारी मिली।

### 2016 में हुई थी रोहित वेमुला की मौत

बकौल राहुल गांधी, बाबा साहब आंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जिसकी मदद से वंचित भी सशक्त बन सकते हैं। जाति व्यवस्था को तोड़ा जा सकता है। हालांकि, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों बाद भी, लाखों छात्र हमारी शिक्षा प्रणाली में जातिगत भेदभाव का दंश झेलने को मजबूर हैं। बता दें कि हैदराबाद में पड़ाई करने वाले रोहित वेमुला की 2016 में मौत हुई थी।

## नर्सिंग मामले में जांच शुरू, नेता प्रतिपक्ष ने कहा...
# सिर्फ दिखावटी कार्रवाई, असली गुनहगार अब भी आजाद

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** मध्यप्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले में शासन ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। राज्य सरकार ने शासकीय नर्सिंग कॉलेज जीएमसी की प्राचार्य राधिका नायर को पद से हटा दिया है। साथ ही गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के एक दर्जन से अधिक नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों समेत प्रदेशभर के लगभग 70 लोगों के विरुद्ध चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आरोप पत्र जारी कर विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है कि मध्य प्रदेश की सरकार सिर्फ दिखावटी कार्रवाई कर रही है। असली गुनहगार अब तक आजाद है। सरकार लीपापोती कर असली गुनहगारों को बचाने का प्रयास कर रही है। यह सिर्फ एक घोटाला नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर कलंक है।

उमंग सिंघार ने आगे कहा कि रजनी नायर को हटाना सिर्फ दिखावटी कार्रवाई है। असली सवाल ये है क्या अब तक की भर्ती में शामिल भ्रष्ट अधिकारियों और नेताओं पर कोई कार्रवाई होगी? लीला नलवंशी की नियुक्ति के पीछे सरकार की मंशा क्या है? क्या ये जांच को प्रभावित करने की कोशिश है? सालो से जारी इस घोटाले में सरकार ने पहले चुप्पी साधी, सअब लीपापोती कर रही है। जनता जानना चाहती है कि नर्सिंग घोटाले में सरकार की चुप्पी किसे बचाने के लिए है? नर्सिंग घोटाले में सिर्फ 70 पर जांच की गई लेकिन असली गुनहगार अब तक आज़ाद।

## सीएम का बयान
# कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना रिपोर्ट का नहीं हुआ विरोध, ऊंची आवाज में नहीं बोले मंत्री

बंगलूरू, एजेंसी

**कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार शाम हुई राज्य मंत्रिमंडल की विशेष बैठक में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट (जिसे जाति जनगणना के नाम से भी जाना जाता है) का कोई विरोध नहीं हुआ। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक में मंत्री न ही आपस में तेज आवाज में बोले और न ही कोई बहस हुई।**

सिद्धारमैया ने कहा, कल मंत्रिमंडल में रिपोर्ट पर चर्चा हुई थी। रिपोर्ट पूरी नहीं थी, इसलिए इसे अगली बैठक तक के लिए टाल दिया गया है। किसी ने इसका विरोध नहीं किया। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने मीडिया की उन खबरों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि कुछ मंत्री आपस में भिड़ गए थे।

वहीं, उप मुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने भी कहा कि बैठक में कोई बहस या ऊंची आवाज में बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा, हमने बस अपनी राय साझा की। न कोई बहस हुई, न किसी ने ऊंची आवाज में बात की। बस, सुझाव दिए। इसके अलावा, कुछ भी तय नहीं हुआ है।

राज्य के कानून मंत्री एच.के.पाटिल ने बताया कि बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि सर्वेक्षण के लिए कौन-कौन से मापदंड इस्तेमाल किए गए। मंत्रियों ने तकनीकी जानकारी और विवरण मांगा है और मंत्रिमंडल की अगली बैठक दो मई को होगी, जिसमें इस पर फैसला किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ मंत्रियों ने रिपोर्ट को लेकर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि यह रिपोर्ट अवैज्ञानिक और पुरानी है और सही गणना नहीं हुई है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों से कहा कि वे अपनी राय लिखित या मौखिक रूप में दें। हालांकि कुछ खबरों में कहा गया कि कुछ मंत्री थोड़े नाराज थे। हालांकि, कई मंत्रियों ने इस बात को खारिज किया और कहा कि बैठक शांतिपूर्ण तरीके से हुई। कर्नाटक की दो बड़ी जातियां (वोक्कालिगाऔर वीरशैव-लिंगायत) इस सर्वे रिपोर्ट का विरोध कर रही हैं। उनका कहना है कि यह गलत तरीके से किया गया है और सरकार को इसे रद्द कर नया सर्वे करना चाहिए।

### कौन समर्थन में है?

दलित, कुछ ओबीसी और अन्य वर्गों के नेताओं ने इस रिपोर्ट का समर्थन किया है। उनका कहना है कि सरकार ने इस सर्वे पर 160 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, तो इसे सार्वजनिक किया जाए और आगे की प्रक्रिया शुरू की जाए।

### सरकार के लिए चुनौती

अब यह रिपोर्ट सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती बन गई है। एक तरफ दो बड़ी जातियां इसके विरोध में हैं, तो दूसरी तरफ दलित और ओबीसी वर्ग इसे लागू करवाना चाहते हैं। इससे आने वाले दिनों में सरकार को दोनों तरफ से दबाव का सामना करना पड़ सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### दो काव्य संग्रह का विमोचन

**उज्जैन, निप्र।** ग़ज़लांजलि साहित्यिक मंच के तत्वावधान में संस्थान से जुड़े दो वरिष्ठ साहित्यकारों प्रफुल्ल शुक्ला सरकार सेवानिवृत्त एजीएम बीएसएनएल के काव्य संग्रह मेरी कविता मेरा मन एवं रामदास मेढेकर समर्थ के काव्य संग्रह मुट्ठी भर बीज का विमोचन एक गरिमामय समारोह में होटल सुराणा पैलेस दशहरा मैदान पर आयोजित किया गया। अध्यक्षता डॉ. श्रीकृष्ण जोशी ने की। मुख्य अतिथि प्रबोध मिश्र हितैषी बड़वानी थे। विशिष्ट अतिथि द्वय डॉ. हरिमोहन बुधौलिया एवं डॉ. शिव चौरसिया थे। पुस्तक समीक्षा आशीष अश्क एवं डाक्टर अखिलेश चौरे ने पढ़ी। कार्यक्रम में डॉ. गोपाल शर्मा विक्रम विश्वविद्यालय, डॉ. एच एल महेश्वरी, डॉ. दिलीप सोनी कुलसचिव संस्कृत विश्वविद्यालय, डॉ. इंद्रेश मंगल साइंस कालेज के साथ बड़ी संख्या में शिक्षा एवं साहित्य जगत की विशिष्ट विभूतियां उपस्थित थीं, जिनमें ग़ज़लांजलि साहित्यिक मंच के सभी वरिष्ठ साहित्यकार दिलीप जैन, विनोद काबरा, इसरार मोहम्मद खान, आरिफ अफजल, अशोक रक्ताले के साथ हास्य कवि सुरेन्द्र सर्किट एवं सरल काव्यांजलि से संतोष सुपेकर, मध्य प्रदेश लेखक संघ से डाक्टर पुष्पा चौरसिया, शीला व्यास, संस्कार भारती से मालवी कवयित्री माया बदेका के साथ ही नाइस संस्था के डाक्टर महेश मिश्रा, हरिहर शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय सुखवानी ने किया।

### प्रभारी मंत्री ने किये बाबा महाकाल के दर्शन

**उज्जैन, निप्र।** मध्यप्रदेश शासन में राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग एवं प्रभारी मंत्री उज्जैन गौतम टेटवाल ने अपने उज्जैन प्रवास के दौरान सपरिवार श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुँचकर श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक हिमांशु कारपेंटर व मूलचंद जूनवाल द्वारा श्री टेटवाल का स्वागत व सत्कार किया गया।

### बाबा महाकाल को भक्त ने दिया डेढ़ लाख का चेक

**उज्जैन, निप्र।** श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुजरात के नवसारी से विवेकानंद गजानन साहू व पीयूष चंद्रकांत ने श्री महाकालेश्वर मंदिर में रुपये 1 लाख 50 हज़ार की दान राशि का चेक मंदिर प्रबंध समिति को प्रदान किया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के सहायक प्रशासक हिमांशु कारपेंटर व अनुराग चौबे द्वारा दानदाता का विधिवत सम्मान किया गया।

### नई कार्यकारिणी का गठन

**उज्जैन, निप्र।** मध्यप्रदेश आयुर्वेद महासम्मेलन की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हाल ही में सम्पन्न हुआ। कार्यकारिणी का गठन प्रदेश अध्यक्ष वैद्य विनोद वैरागी की सहमति से किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन का उद्देश्य प्रदेश में आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार को नई दिशा देना, युवाओं को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करना तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सशक्त बनाना है। वैद्य विनोद वैरागी ने नवीन कार्यकारिणी का गठन करते हुए कहा कि वे आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली के व्यापक विकास हेतु कार्य करेंगे तथा प्रदेश के प्रत्येक जिले में आयुर्वेद सेवाओं को सुलभ बनाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर कई प्रमुख वैद्य, आयुर्वेद चिकित्सक, विद्वान एवं महासम्मेलन के सदस्यगण उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं एवं वैद्य विनोद वैरागी के नेतृत्व में संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने की आशा व्यक्त की। यह जानकारी प्रचार मंत्री वैध भवनेश शंकर जोशी ने दी।

### प्रभारी मंत्री और अपर मुख्य सचिव ने ली सिंहस्थ समीक्षा बैठक

# निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए

विनय उजाला

**उज्जैन, निप्र।** प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल और अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा अधक्षयता में सिंहस्थ 2028 के कार्यों की समीक्षा बैठक आज प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित हुई। अपर मुख्य सचिव के द्वारा सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत सिंहस्थ मद से अन्य प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा बैठक में की गई। उन्होंने उपस्थित जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए की नवीन निर्माण कार्यों की योजनाओं को सिंहस्थ मे आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की जाने वाली व्यवस्थाओं को ध्यान रखकर ही प्रस्ताव बनाया जाए।

बैठक में संभाग आयुक्त इंदौर दीपक सिंह, संभाग आयुक्त उज्जैन संजय गुप्ता, सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अधिकारी आशीष सिंह ,कलेक्टर उज्जैन रोशन कुमार सिंह के साथ इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों के कलेक्टर भी उपस्थित रहे। बैठक में प्रभारी मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के लिए होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसमें यह सुनिश्चित किया जाए कि कार्य गुणवत्तापूर्ण हों और उनकी लगातार जांच की जावे और आने वाले आगामी सिंहस्थ में में भी इन कार्यों की उपयोगिता होनी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि सभी अधिकारी समय-समय पर इसकी गुणवत्ता जांच करते रहें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के लिए एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार किया जावे, जिसमें कार्यों को सूचीबद्ध कर उनको एक प्लेटफार्म पर लाया जावे, जिससे सिंहस्थ 2028 की जरूरत का ध्यान रखकर शेष बचे हुए कार्यों को भी सम्मिलित किया जा सकेगा।

अपर मुख्य सचिव ने कहा की सिंहस्थ 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं का वास्तविक आकलन जरूरी है। इसके लिए उज्जैन शहर में आने वाले सभी मार्गों से वाहनों की संख्या ,श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन शुरू किया जाए। जिससे 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का आकलन किया जा सके। साथ ही व्यापक मोबिलिटी प्लान बनाया जाना भी आवश्यक है। शहर में जाम की स्थिति निर्मित होने पर दूसरे वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक ट्रांसफर करने के लिए भी व्यवस्था सुनिश्चित हो।

सिंहस्थ 2028 मे हो रहे सभी कार्यो की लोकेशन मैपिंग की जाए। उनकी मैपिंग के साथ व्यपाक मास्टर प्लान बनाया जाना जरूरी है इसके लिए आज से काम शुरू कराया जाए। अपर मुख्य सचिव श्री राजोरा ने इंदौर संभाग और उज्जैन संभाग के कलेक्टरों को निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्था के लिए ही अपने जिलों के प्लान बनाकर भेजें और जो कार्य स्वीकृत हो गए हैं उनकी गुणवत्ता की भी जांच करते रहें। स्थाई प्रकृति के कार्यों को प्राथमिकता दी जावे और जो कार्य दो वर्ष में पूर्ण हो सकते हैं उन्हीं शेष रहे कार्यों को कार्य योजना में सम्मिलित कर भेजा जाए।

खंडवा और खरगोन जिले की समीक्षा के दौरान बताया गया कि नर्मदा नदी पर झूला पुल के साथ एक और पुल का प्रस्ताव है। महेश्वर में घाट निर्माण के साथ अहिल्या लोक भी बनाए जाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसी के साथ महू-महेश्वर मार्ग और मंडलेश्वर - महेश्वर मार्ग चौड़ीकरण का प्रस्ताव भी भेजा गया है।

अपर मुख्य सचिव ने बैठक मे निर्देश दिए कि सभी जिले फायर स्टेशन को मजबूत करने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज दें जिससे सभी जिलों में अग्नि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हो सके।

रेलवे के साथ भी कोऑर्डिनेशन मीटिंग कर ली जावे और रेलवे के मास्टर प्लान के साथ श्रद्धालुओं के व्यवस्थाओं का प्लान भी तैयार हो , कई जगह हाल्टिंग स्टेशन बनाये जाना है। इन स्टेशनों के पास भी श्रद्धालुओं को रोकने की व्यवस्था करने के लिए सुविधा घर, रेस्ट रूम और भोजन के साथ पीने के पानी की व्यवस्था की कार्य योजना भी होना चाहिए, यदि इसमें स्थाई प्रकार के निर्माण कार्यों का होना है तो उसको भी प्रस्ताव में सम्मिलित किया जावे।

# औद्योगिक एवं रासायनिक आपदा प्रबंधन के लिये मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

विनय उजाला

**नागदा जं., निप्र।** प्रदेश के औद्योगिक व रासायनिक इकाइयों में आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से गत दिवस उज्जैन, भोपाल, धार, रायसेन, देवास, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, जबलपुर, इंदौर एवं सीहोर जिलों में औद्योगिक एवं रासायनिक आपदा मॉक ड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का आयोजन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एमपीएसडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) एवं राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (एसडीईआरएफ) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में आपदा की वास्तविक परिस्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित विभागों, औद्योगिक इकाइयों तथा स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया एवं संसाधनों के दक्ष उपयोग की कार्यप्रणाली का परीक्षण करना था। मॉक ड्रिल से औद्योगिक व रासायनिक दुर्घटना, गैस रिसाव, आगजनी एवं घायलों के त्वरित उपचार, आपदा प्रभावित क्षेत्र की घेराबंदी और नियंत्रण की तैयारी को परखा गया।

इस अवसर पर होम गार्ड, सिविल डिफेंस एवं आपदा प्रबंधन विभाग के महानिदेशक अरविंद कुमार, एनडीएमए के वरिष्ठ सलाहकार सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर रविंदर गुरंग एनडीआरएफ के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल एम.के. शर्मा, एसडीईआरएफ के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल मनीष कुमार अग्रवाल, एमपीएसडीएमए के उपसंचालक सौरभ सिंह, वरिष्ठ सलाहकार बृजेश जायसवाल एवं राज्य कमांड सेंटर के कमलेन्द्र सिंह परिहार डिविजनल कमांडेंट, कमांडेंट कमलनाथ धुर्वे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मॉक ड्रिल में संबंधित जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, होम गार्ड, फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग, आपदा प्रबंधन, सिविल डिफेंस, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की। अभ्यास के दौरान औद्योगिक इकाई में गैस रिसाव की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर तत्काल राहत एवं बचाव दलों की तैनाती, अग्निशमन कार्य, घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद निकटतम अस्पताल पहुंचाने तथा क्षेत्र की सुरक्षित घेराबंदी का प्रदर्शन किया गया।

महानिदेशक अरविंद कुमार ने मॉक ड्रिल के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों एवं जिलों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के अभ्यास से हमारी आपदा प्रतिक्रिया क्षमता सशक्त होती है तथा वास्तविक आपदा की स्थिति में जनहानि एवं वित्तीय नुकसान को न्यूनतम करने में सहायता मिलती है।

रविंदर गुरंग ने आपदा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक एवं त्वरित समन्वय की आवश्यकता को रेखांकित किया। डीआईजी एनडीआरएफ एम.के. शर्मा एवं डीआईजी एसडीईआरएफ मनीष कुमार अग्रवाल ने भी मॉक ड्रिल की महत्ता पर प्रकाश डाला एमपीएसडीएमए के उपसंचालक सौरभ सिंह ने प्रदेश स्तर पर आपदा प्रबंधन ढांचे की मजबूती के लिए ऐसे नियमित अभ्यास की आवश्यकता बताई।

प्रदेश आपदा प्रबंधन तंत्र आमजन की सुरक्षा एवं आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिये सदैव तत्पर एवं सजग है। आगामी समय में भी प्रदेश के अन्य जिलों में इस प्रकार की मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा, जिससे हर स्तर पर आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक दक्ष बनाया जा सके।

# मनावर तहसील के बाकानेर में मान नदी पर दुर्घटना

### बारात की बस के ब्रेक फेल, एक की मौत, 12 घायल

विनय उजाला

**नागदा जं., निप्र।** नागदा से बड़दापुर्नवास जा रही बारात की बस शुक्रवार की सुबह मान नदी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक महिला की मौत को गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। घायलों को रेस्क्यु करने पर में स्थानीय प्रशासन एवं स्वास्थ्यकर्मी जुटे।

दुल्हा राजपालसिंह के पिता भगवानसिंह ने बताया कि बस नंबर एमपी-13-पी-1335 में सवार होकर बारात बड़दा पुर्नवास के लिए रवाना हुई थी, सुबह लगभग नौ बजे मनावर के समीप मान नदी पर नहाने के लिए रुके थे। नहाने के बाद जब बस रवाना हुई थी बस के ब्रेक फेल हो गए, जिससे बस समीप ही गड्ढे में जा गिरी। महिला बबिता उम्र 45 वर्ष कुदकर स्वयं को बचाने का प्रयास करने लगी, इसी दौरान बस उनके ऊपर ही पलट गए, जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। बीएमओ डॉ. विरेंद्रकुमार धारवे ने बताया कि महिला के सिर में चोट आने से मौत हुई, दोपहर एक बजे पीएम के बाद शव परिजनों के सुपूर्द कर दिया गया।

बाकानेर चौकी प्रभारी अश्विन चौहान के अनुसार घटना में 12 यात्री घायल हुए, जिनको बाकानेर सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। बस दुर्घटना में नागदा निवासी हिंमाशी (10), दक्ष (5), रोशनी (23), उमेन (45), अनिता (40), रामकुंवर (45) वरुण (14), तेजकुंवर (35) निवासी मेहतवास, खेड़ाखजुरिया निवासी त्रिशा (11) राजुबाई (50) कृष्षा (40) घायल हो गई।

### एप्रोच रोड अब छत्रपति शिवाजी पथ के नाम से जाना जायेगा

**नागदा जं. निप्र।** जनप्रतिनिधि प्रशासन द्वारा एप्रोच रोड का नामकरण छत्रपति शिवाजी पथ नाम से किया गया। अब जन्मेजय हास्पीटल से नये ओव्हर ब्रिज तक का मार्ग छत्रपति शिवाजी पथ के नाम से जाना जायेगा। अ.भा. क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास की महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती हेमलता तोमर ने बताया कि हमारे द्वारा विगत 4 वर्ष पूर्व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के नेतृत्व में एप्रोच रोड का नामकरण वीर महाराणा प्रताप जी के नाम पर करने हेतु प्रशासन को आवेदन किया था।

# जलप्रदाय नहीं होने से उपभोक्ताओं ने नाराजगी जताई

### मिर्ची बाजार पानी टंकी की सप्लाई लाईन में कबूतर फंसा, भार्गव कॉलोनी टंकी की सप्लाई लाईन क्षतिग्रस्त

विनय उजाला

**नागदा जं., निप्र।** शहर को अत्याधुनिक फिल्टर प्लांट से पानी सप्लाई करने वाली नगरपालिका की दावों की हवा शुक्रवार को समय से निकल गई, जबकि मिर्ची बाजार एवं भार्गव कॉलोनी पानी की टंकी से संबंधित क्षेत्रों में चिलचिलाती गर्मी में पानी का सप्लाई नहीं हो सकी। बड़ी संख्या में आक्रोशित लोगों ने टंकी परिसर में पहुंचकर नगरपालिका कर्मचारियों को समस्या से अवगत कराया। लगभग दो घंटे तक चले रिपेरिंग कार्य के दौरान मुख्य पाईप लाईन में कबतुर फंसा मिला।

नगरपालिका की जलप्रदाय समस्या के प्रति कर्मचारी और अधिकारी कितने गंभीर है इसका परिणाम शुक्रवार को देखने को मिला। मिर्ची बाजार स्थित पानी की टंकी की सप्लाई बंद होने से नगरपालिका द्वारा सीधे फिल्टर प्लांट से पानी सप्लाई किया जा रहा है जिससे उपभोक्ताओं को कम दबाव से पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल रहा है, जिससे नगरपालिका के कर्मचारियों, अधिकारियों सहित वॉल ऑपरेटर को नागरिकों के कोप का भाजना होना पड़ रहा है। शुक्रवार को समस्या ने उस समय विकराल रुप ले लिया, जब पानी की सप्लाई नहीं हुई। बड़ी संख्या आक्रोशित उपभोक्ता मिर्ची बाजार टंकी पर पहुंचे, जहां नगरपालिका कर्मचारियों को उपभोक्ताओं के आक्रोश का सामना करना पड़ा, कर्मचारियों की समझाईश के बाद उपभोक्ता लौट गए। नगरपालिका के टाईम कीपर रईस एहमद कुरैशी ने जलशाखा के कर्मचारियों के सहयोग से तुरंत रिपेरिंग कार्य शुरु किया, लगभग दो घंटे की खुदाई के बाद मुख्य पाईप लाईन के एक बैंड में कबुतर फंसा हुआ मिला, जिसको निकालने में कर्मचारियों को मशक्कत करना पड़ी। बता दे कि नगर पालिका ने मिर्ची बाजार पानी की टंकी से सप्लाई बंद कर दी, लेकिन टंकी के ऊपर का मुंह खुला है जिससे बड़ी संख्या में पक्षी उसमें प्रवेश कर जाते है संभावनाएं व्यक्त की जा रही है टंकी के इनलेट पाईप से कबतुर सप्लाई लाईन में पहुंचा और फंसा गया। फिलहाल यह जांच का विषय है कि पाईप लाईन में कबुतर कहां से आया।

**भार्गव कॉलोनी टंकी परिसर में पाईप लाईन क्षतिग्रस्त :** भार्गव कॉलोनी टंकी परिसर के नीचे नगरपालिका द्वारा वर्तमान में नवीन स्टोरेज रुम बनाया है जिसमें से सामग्री लाने जाने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या नपा के वाहनों की आना जाना लगा रहता है ऐसे में शुक्रवार को डिस्ट्रीब्यूशन लाईन की क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बहता रहा, हालांकि क्षेत्र में जलप्रदाय व्यवस्था तो बाधित नहीं हुई। उपभोक्ताओं को पर्याप्त दबाव से निर्धारित समय तक पानी नहीं मिला, जिससे उपभोक्ता परेशान होते रहे।

**गर्मी में गहरा सकता है जलसंकट :** चंबल नदी के कैचमेंट एरिया में लगातार तेजगति से पानी का जलस्तर गिरता जा रहा है जिससे मई और जून में जलसंकट गहराने की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है।

### सातवाणियों को सुनकर धर्मलाभ अर्जित किया, ईस्टर पर्व की तैयारियां शुरु

# गुड फ्राईड को दिनभर आराधना में जुटे रहे समाजजन

विनय उजाला

**नागदा जं., निप्र।** शुक्रवार को शहर के कैथोलिक एवं क्राईस्ट चर्च में गुड फ्र इडे के उपलक्ष्य में समाजजनो ने पूरा दिन धार्मिक आयोजनों में व्यतीत किया। इस दौरान समाजजनों ने धर्मगुरु के मुखारविंद से सात वाणियों का श्रवण लाभ लिया। इसके बाद रविवार को समाजजनों द्वारा ईस्टर पर्व खुशियों के रुप में मनाया जाएगा।

ईसाई समाज के आराध्य देव प्रभु यीशु को क्रुश पर चढ़ाने के दौरान कहे गए सात वचनों का श्रवण लाभ शुक्रवार को समाजजनों ने लिया। गुड फ्राइडे के उपलक्ष्य में क्राईस्ट चर्च में दोपहर 12 से शाम 3 बजे तक धार्मिक आयोजन हुए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रुप में पास्टर सुमेंद्र कनासिया द्वारा सात वाणियों का लाभ समाजजनों ने लिया। पास्टर कनासिया ने कहा कि यीशु मसीह जन्म के समय जानवरों के बीच थे और मृत्यु के समय डाकुओं का सामना करना पड़ा, जबकि वर्तमान समय में व्यक्ति अपने बच्चे को अच्छे से अच्छे अस्पताल में जन्म देना चाहता है और मौत पर स्वयं का कोई नियंत्रण नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि क्या कारण था कि एक डाकु को जन्नत मिली, जबकि दूसरे को नरक में जाना पड़ा। इसके पीछे मात्र एक कारण था कि एक डाकु को प्रभु यीशु में विश्वास था, जबकि दूसरे ने इसका विरोध किया था। पास्टर सिंह ने कहा कि वर्तमान आधुनिक समय में व्यक्ति ने अपने उपयोग की हर चीज को विज्ञान के माध्यम से बना लिया, लेकिन मृत्यु पर नियंत्रण नहीं कर सका। समाजजनों ने सामुहिक रुप से प्रभु यीशु की आराधना की। इस मौके पर समाजजनों ने प्रभु यीशु का स्तुती गान कर धर्मलाभ अर्जित किया। इस दौरान कमेटी की डॉ. आशादान मसील, चार्ली डेविड, शकीला सेम्युअल, विनय लोयल, डॉ. अरविंद मसीह, सुमित व्यास सहित समाजजन मौजूद थे।

**रोमन कैथोलिक चर्च :** रोमन कैथोलिक चर्च में गुड फाईडे उपवास दिवस के रुप में मनाया गया। इस अवसर पर दोपहर तीन बजे फादर के मार्गदर्शन में धार्मिक आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किया।

**ईस्टर को लेकर तैयारियों का दौर :** शुक्रवार को प्रभु यीशु को क्रुस पर चढ़ाने के तीन दिन बाद यानि रविवार को पुनः जीवित हो उठे इसी दिन की याद में समाजजनों द्वारा ईस्टर पर्व के रुप में मनाया जाता है। ईस्टर पर्व पर क्राईस्ट चर्च में सुबह 5 बजे से धार्मिक आयोजनों का दौर शुरु होगा, इसी तरह फातिमा स्कूल परिसर रोमन कैथोलिक चर्च ईस्टर पर धार्मिक आयोजनों की अनोखी छटा देखने को मिलेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### मेथोडिस्ट चर्च छनेरा में शुभ शुक्रवार की आराधना का किया आयोजन

**हरसूद, निप्र।** मेथोडिस्ट चर्च छनेरा में शुक्रवार दोपहर 12 बजे शुभ शुक्रवार की आराधना का आयोजन किया गया। शुभ शुक्रवार मसीही समाज के लिए एक विशेष पर्व है। विकास जार्ज ने बताया कि इस दिन प्रभु यीशु मसीह समस्त मानव जाति के लिए क्रॉस पर बलिदान हुए थे। उनके स्मरण में प्रतिवर्ष शुभ शुक्रवार को सात वचनों पर मनन किया जाता है तथा उसे गहराई से समझा जाता है। इस उपलक्ष्य में मेथोडिस्ट चर्च छनेरा में शुभ शुक्रवार की आराधना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रभु के सात वचनों पर मनन किया गया तथा मानव जाति के लिए उनके बलिदान को स्मरण किया गया। साथ ही भारत के समस्त लोगों के लिए प्रार्थना की गई कि सभी लोगों में आपसी एकता का भाव रहे। इस मौके पर नितेश सिंह, श्रीमती एंजेलिनासिंह, सुश्री विजयासिंह, श्रीमती रीता रावजी, कमलेश रावजी, प्रतिक रावजी, श्रीमती शालिनी पॉल, श्रीमती सृष्टि जॉर्ज, कुमारी ग्लोरीसिंह, श्रीमती स्टेला मसीह, विल्सन मसीह, सनीसिंह, श्रीमती अर्चनासिंह, श्रीमती रजनीसिंह, कुमारी स्वातिसिंह, प्रशांत रावजी, श्रीमती प्रिया रावजी आदि उपस्थित रहे।

### मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन बिल को लेकर हुई हिन्दुओं पर हिंसा के मामले में हिंदू संगठन मैदान में

**खंडवा, (हि.स.)।** पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन बिल को लेकर हुई हिन्दुओं पर हिंसा के मामले में हिंदू संगठन मैदान में उतर आए है। इसके साथ ही देशभर में इसके खिलाफ प्रदर्शन भी शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को खंडवा में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने हिंसा का विरोध जताते हुए प्रदर्शन कर बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग की। वक्फ संशोधन बिल को लेकर बीते दिनों पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा के दौरान तीन हिन्दुओं की हत्या हो गई थी। इस हिंसा के विरोध में वीएचपी और बजरंग दल ने रैली निकाल कर खंडवा कलेक्टर कार्यालय में नारेबाजी की और ज्ञापन सौंपा। इस दौरान ममता बनर्जी और बंगाल सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना था वक्फ संशोधन बिल से स्थानीय हिंदुओं का कुछ लेना देना नहीं था फिर उन्हें हिंसा का शिकार होना पड़ा। सरकार हिंसा को रोकने में नाकामयाब रही। हिंदू समाज की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। विहिप के जिलाध्यक्ष माणक अग्रवाल ने कहा कि बंगाल में लगातार हिदुओं को हिंसा का शिकार होना पड़ रहा है, वक्फ मामले से हिंदुओं का कोई मतलब नहीं है। फिर भी तीन हिन्दुओं की हत्या कर दी गई, बंगाल में हिंसा तुरंत बंद हो और राष्ट्रपति शासन लगे इसे लेकर हमने ज्ञापन दिया है।

### कलेक्टर गुप्ता होंगे पुरस्कृत : स्मार्ट टी.व्ही. के माध्यम से शिक्षा के लिए किया था नवाचार

**खण्डवा, निप्र।** राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार (नवाचार हेतु) वर्ष 2022-23 के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता को 1 लाख रुपये की राशि एवं प्रशस्ति पत्र से पुरस्कृत किया जायेगा। मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री अनिल सुचारी द्वारा बताया गया कि वर्तमान में खंडवा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने विगत समय में देवास में उनके कार्यकाल के दौरान स्मार्ट टी.व्ही. के माध्यम से शिक्षा के लिए नवाचार किया था जो कि शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि उत्कृष्टता पुरस्कार सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में कुल 14 लोगों को प्रदान किया जायेगा। पुरस्कार का वितरण भोपाल में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जायेगा।

### जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत आयोजित की जा रहीं विभिन्न गतिविधियाँ

**खण्डवा, निप्र।** कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के निर्देशन में जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। म.प्र. जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड खंडवा सेक्टर अमलपुरा में उदय एकता सामाजिक संस्था ग्राम राई खुटवल के पास फ़िफरॉड नदी में झीरीवाले बाबा के पास घटते जल स्त्रोतों को सहजने का कार्य किया। संस्था प्रमुख श्री राम वर्मा ने बताया कि नदी के तट पर कम होते हुए जल को एकत्रित करके एक छोटा कुंड बनाया गया। इस पुनीत कार्य में विकासखंड समन्वयक सामाजिक कार्यकर्ता श्री आशीष चौहान, दिनेश कमले, लक्ष्मण दरबार, राकेश भील, कमलेश राजपूत सहित अन्य द्वारा श्रमदान किया गया।

# लोको पायलटो को दी जा रही बेहतरीन सुविधाएं, वर्किंग कंडीशन में आया है सुधार

विनय उजाला

**मुंबई।** लोको पायलट भारतीय रेल परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में लोको पायलटों के सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित किया गया है और उन्हें अच्छे से सुसज्जित किया गया है।2014 से पहले देश का एक भी रनिंग रूम वातानुकूलित नहीं था।

पिछले 10 वर्षों में आधे से ज़्यादा लोको केबिनों को एर्गोनोमिक सीटों, वातानुकूलन और अन्य सुधारों के साथ अपग्रेड किया गया है। 2014 से पहले एक भी लोको केबिन वातानुकूलित नहीं था।

सभी नये लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाए जा रहे हैं। 2014 से पहले यह निर्माण योजना का हिस्सा भी नहीं था। पुराने लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाने के लिए रेट्रोफिटिंग की जा रही है। इसके लिए डिज़ाइन में संशोधन भी किए जा रहे हैं।

जिन मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहता है, वहाँ नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोको पायलटो के वर्किंग आवर्स में उल्लेखनीय कमी आई है।

कोहरे में सुरक्षा के लिए फॉग- सेफ्टी उपकरण, कवच, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम और इंप्रूव्ड ब्रेकिंग सिस्टम जैसी तकनीकों से रेलवे सेफ्टी बेहतर हुई है और लोको पायलटो को भी काफी सुविधा मिली है।

ऑनबोर्ड सुविधाएँ, उन्नत तकनीकें और रेस्ट के लिए पर्याप्त समय से लोको पायलटो के कार्य वातावरण लगातार बेहतर हुए हैं।

मालगाड़ी सबअर्बन ट्रेन और पैसेंजर एवं मेल एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन करने वाले लोको पायलटों के टॉयलेट ब्रेक और स्नेक्स हेतु व्यवस्था रहती है। माल गाड़ियां कई स्टेशनों और यार्ड में रुकती हैं। इन स्टेशनों पर पर्याप्त समय होता है जिससे कर्मचारी शौचालय का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही यह समय नाश्ते के लिए भी उपयोग में लाया जा सकता है।

**सबअर्बन तथा मेट्रो ट्रेनों**

का परिचालन अल्प दूरी के लिए किया जाता है और इनके चालक दल टर्मिनल स्टेशनों पर शौचालय का उपयोग करते हैं। पैसेंजर ट्रेनों पर कार्यरत कर्मचारी स्टेशन पर ट्रेन के खड़े रहने के दौरान ट्रेन के शौचालय का उपयोग करते हैं और इस समय का उपयोग नाश्ते के लिए भी करते हैं। स्टेशन के कर्मचारी लोको पायलटों को सदेव सहयोग देते हैं। लोको पायलटो को वॉकी टॉकी की सुविधा भी दी गई है इसके द्वारा वह स्टेशन कर्मचारियों के संपर्क में रहते हैं।

# रतलाम के विकास मे सिंधिया परिवार हमेशा साथ रहेगा : केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

## माधव स्मृति मंच से 16 हस्तियों को ''माधव रत्न'' से सम्मानित किया

**रतलाम।** केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को माधव स्मृति मंच द्वारा आयोजित समारोह मे शहर के प्रबुद्ध, समाजसेवी, उद्योगपति एवं खेल जगत मे 16 हस्तियों को ''माधव रत्न'' से सम्मानित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि रतलाम से उनका पीढ़ियों का नाता है। रतलाम के विकास मे सिंधिया परिवार पहले भी हमेशा साथ रहा और आगे भी हमेशा साथ रहेगा।

समारोह मे केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया के साथ प्रदेश जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय, पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, पूर्व मंत्री हिम्मत कोठारी, ग्रामीण विधायक मथुरालाल डामर, महापौर प्रहलाद पटेल, निगम अध्यक्ष मनीशा शर्मा, के.के.सिंह कालूखेडा, उज्जैन के राजेंद्र भारतीय एवं मंच अध्यक्ष निमिष व्यास मंचासीन रहे।

अतिथियों ने माधव रत्न समारोह का दीप प्रजलित कर शुभारंभ किया।

तत्पश्चात् मंच अध्यक्ष निमिष व्यास ने स्वागत भाषण दिया। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की और से निमिश व्यास प्रवीण सोनी, कीर्ति शरण सिंह, विक्रम लोहिया, हितेश सुराणा, दिनेश शर्मा, गौरव अजमेरा, सौरभ छाजेड, प्रितेश गादिया, विप्लव जैन, विषाल शर्मा, मदन सोनी, सुमित कटारिया, कीर्ति जायसवाल एवं कीर्ति बडजातिया ने किया।

मुख्य अतिथि श्री सिंधिया को आचंल व्यास ने तिलक लगाकर स्वागत किया। समारोह मे उद्योगपति एवं समाजसेवी राजकुमार अजमेरा, रक्तदान के क्षेत्र मे दिलीप भंसाली, कृषि क्षेत्र मे राजेश पटेल, समाज सेवा के लिए मांगीलाल ग्वालियरी, महिला सशक्तिकरण हेतु सुनीता पाठक, मलखंब एवं व्यायाम शाला के लिए गौरव जाट, शव वाहन व गौ-सेवा के लिए दिनेश वाघेला, नेत्रदान के लिए हेमंत मूणत, साहित्य के लिए आशीष दशोत्तर, उन्नत कृषि के लिए जितेन्द्र पाटीदार, जीव दया के लिए शैलेन्द्र गोठवाल, समाज सेवी कमलेश मेहता, चिकित्सा क्षेत्र मे डॉ. डॉली मेहरा, मानव सेवा के लिए गोविंद काकानी एवं सामाजिक कार्य हेतु सुभाष जैन को माधव रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन आशीष शुक्ला ने किया आभार प्रदर्शन कीर्ति बडजातिया द्वारा किया गया।समारोह मे नगर विभिन्न क्षेत्रों गणमान्यजन उपस्थित रहे।

### सफलता की कहानी : श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय में सावित्री को प्राप्त हुई नि:शुल्क सुविधा

**खण्डवा, निप्र।** सावित्री पति राधेश्याम उम्र 45 वर्ष निवासी रनगांव जिला खंडवा को श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा के आई.सी.यू .में पिछले गुरुवार को गंभीर अवस्था में लेकर आए थे। उन्हें डॉ. दीपशिखा इनवे एम.डी. मेडिसिन द्वारा तत्काल देखा गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उनकी हृदय की सामान्य गति जो 60 से 100 प्रति मिनट होती है, बढ़कर 250 से 270 प्रति मिनट हो गई है, जो सुप्रावेंट्रिकुलर टैंकीकार्डिया बीमारी का एक गंभीर रूप हो सकता है। यह हृदय के ऊपरी भाग में असामान्य विद्युत गतिविधियों के कारण होता है, जिस वजह से हृदय बहुत तेज गति से धड़कता है और मरीज के हृदय पर अत्यधिक दबाव के कारण सीने में दर्द के साथ सांस लेने में तकलीफ होती है। ऑक्सीजन की कमी के कारण कभी-कभी कार्डियक अरेस्ट वेंट्रीकूलर टैंकीकार्डिया जैसी गंभीर स्थिति में हृदय अचानक धड़कना बंद कर देता है, जो जीवन के लिए खतरा हो सकता है।

डॉ. दीपशिखा इनवे एम.डी. मेडिसिन द्वारा मरीज की गंभीरता को देखते हुए तत्काल ई.सी.जी., सी.बी.सी., यूरिन एवं अन्य जांचे करवाई और कैरोटीन मसाज के बाद इंजेक्शन एडेनोसिन लगाया, जिसके कारण तुरंत मरीज के स्वास्थ्य में सुधार होने लगा। आई.सी.यू. की पूरी टीम द्वारा सात दिवस तक निगरानी में इलाज के फलस्वरुप सावित्री के स्वास्थ्य में सुधार होने पर उसे 17 अप्रैल को डिस्चार्ज कर दिया गया।

### कलेक्टर कार्यालय की राजस्व स्थापना शाखा अंतर्गत तीन उम्मीदवारों को दी गयी अनुकम्पा नियुक्ति

**खण्डवा, निप्र।** संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय, खण्डवा की राजस्व स्थापना अन्तर्गत रिक्त सहायक वर्ग-3 के पद पर तीन उम्मीदवारों को अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की गयी है। जिसके अंतर्गत श्री राहुल सिंह जगताप पिता स्व. श्री दन्दु जगताप निवासी रामनगर को कलेक्टर कार्यालय खण्डवा, श्रीमति मीना नागनपुरे पति स्व0 श्री राधेश्याम नागनपुरे निवासी ग्राम भामगढ़ को तहसील कार्यालय छैगांवमाखन तथा श्रीमति सीमा रावत पति स्व. श्री वीरेन्द्र सिंह रावत निवासी भण्डारिया रोड़ नाकोड़ा नगर खण्डवा, को तहसील कार्यालय खण्डवा में नियुक्ति प्रदान की गयी है।

### मालवा-निमाड़ अंचल में गत माह बिजली उपभोक्ताओं को दी 147 करोड़ रुपये की सब्सिडी

# पश्चिम क्षेत्र कंपनी में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के उपभोक्ता लाभान्वित

**इन्दौर, (हि.स.)।** मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कर रही हैं। पिछले एक बिल माह के दौरान मालवा निमाड़ में 31.82 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। इन उपभोक्ताओं प्रथम सौ यूनिट तक बिजली एक रुपये यूनिट की दर से प्रदान की गई है। इन उपभोक्ताओं को मप्र शासन की ओर से एक माह के दौरान कुल 147 करोड़ रुपये की सब्सिडी प्रदान की गई है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 4.65 लाख बिजली उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं।

कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को सब्सिडी प्रदान के बाद फीडबैंक भी नियमित रूप से लिया जाता हैं।

उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तीस दिन के दौरान 150 यूनिट व प्रतिदिन औसत पांच

यूनिट की खपत वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से इस योजना की पात्रतानुसार लाभान्वित किया जा रहा है। बीते एक बिल माह में माह कंपनी क्षेत्र में 31 लाख 82 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले 4.65 लाख उपभोक्ता बीते एक माह के दौरान गृह ज्योति योजना से लाभान्वित हुए है। इंदौर जिले के इन पात्र उपभोक्ताओं को करीब 18 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गई हैं। धार जिले में करीब 3 लाख, उज्जैन जिले में 2.96 लाख, खरगोन जिले में 2.74 लाख उपभोक्ता योजना से लाभान्वित हुए है। इसी तरह रतलाम जिले में 2.45 लाख, देवास जिले में 2.17 लाख, मंदसौर जिले में 2.28 लाख, खंडवा 2 लाख, बड़वानी जिले में 1.99 लाख, झाबुआ जिले में पौने 2 लाख के करीब उपभोक्ताओं को सौ यूनिट तक बिजली का बिल 100 रुपये तक प्रदान कर सब्सिडी का लाभ दिया गया हैं। अन्य जिलों में भी 90 हजार से लेकर 1.35 लाख घरेलू उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत प्रतिदिन अधिकतम 5 यूनिट खपत वाले घरेलू उपभोक्ता पात्रता में आते है। प्रतिदिन औसत पांच यूनिट से ज्यादा बिजली उपयोग करने वालों को माह विशेष में सब्सिडी नहीं मिलती हैं।

# महाविद्यालय में किया गया कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन ट्रेनिंग का आयोजन

**खण्डवा, निप्र।** महात्मा ज्योतिराव फुले शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय खंडवा में गुरूवार को सी.पी.आर. (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) ट्रेनिंग का आयोजन डीन डॉ. संजय दादू एवं सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल के मार्गदर्शन में किया गया द्य इस दौरान श्री दादाजी धूनीवाले जिला चिकित्सालय सह नंदकुमार सिंह चौहान शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय खंडवा के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ. रंजीत बडोले द्वारा छात्र-छात्राओं एवं अधिकारियों/ कर्मचारी को बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में जानकारी दी गई, जिसे मूल जीवन समर्थन कहा जाता है द्य उन्होंने बताया कि यह एक प्राथमिक उपचार तकनीक है, जिसका उद्देश्य जीवन को बचाना और आपातकालीन स्थितियों में व्यक्ति की स्थिति को स्थिर करना है। यह तकनीक विशेष रूप से हृदय संबंधी आपात स्थितियों, जैसे कि कार्डियक अरेस्ट में महत्वपूर्ण होती है। जो जीवन को बचाने में मदद कर सकती है, खासकर जब तक डॉक्टरी चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा कि यह हर किसी को सीखनी चाहिए, चाहे वह स्वास्थ्य पेशेवर हो या सामान्य व्यक्ति, ताकि आपातकालीन स्थितियों में इसका उपयोग कर सकें।

डॉ. बडोले ने बताया कि इस विधि में पीड़ित के सीने के मध्य भाग पर हाथों को रखकर, 100-120 कम्प्रेशन प्रति मिनट की गति से दबाएँ। 30 कम्प्रेशन के बाद, 2 बार मुंह से मुंह में हवा दें। सुनिश्चित करें कि सीने में उठान हो रहा है। उनके द्वारा कुल 100 छात्र-छात्राओं एवं 70 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लाइव सपोर्ट का प्रशिक्षण दिया गया द्य प्रभारी प्राचार्य मुकेश वास्केल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण संपन्न हुआ एवं मंच संचालन अनुराग बाजपेई द्वारा किया गया द्य इस अवसर पर डॉ. समीर दीक्षित, दशरथ मोयदे ,रमेश वाघीले, संजीव श्रीवास्तव, सतीश रंजना शक्तावत आदि।

## बाजार भाव

### इंदौर मंडी

# सोयाबीन में तेजी

**इंदौर (व्यापार प्रतिनिधि)।** चना कांटा 5800 - 5850 विशाल चना 5700 - 5750 डंकी चना 5600 - 5650 मसूर 6100 - 6150 नई 6000 मूंग एवरेज 7200 - 7700 मूंग (गर्मी का) 8000 - 8200 उड़द (गर्मी) बेस्ट - 8300 - 8800 एवरेज मीडियम उड़द 6500 - 7800 हल्की उड़द 3000 - 5000 रुपए।

**तिलहन - (प्रति क्विंटल)-** सोयाबीन 4100 - 4125 सरसों निमाड़ी बारीक 5800 - 5850 एवरेज बारीक 5000 - 5005 रुपए।

**दाल भाव (प्रति क्विंटल)** - तुअर दाल फूल 11000 - 11200 तुअर दाल सवा नंबर 10800 - 11000 चना दाल 8100 - 8200 एक्स्ट्रा बोल्ड 9100 मसूर दाल 7500 - 7550 मूंग दाल 9200 - 9400 मूंग मोगर 9600 - 9700 उड़द दाल 12500 - 13000 उड़द मोगर 12500 - 13000 रुपए।

**तेल बाजार (प्रति 10 किलो) -** मूंगफली तेल इंदौर 1470 - 1480 मुबंई 1520 - 1525 गुजरात 1485 - 1490 सोया रिफाइंड तेल इंदौर 1315 - 1320 सोया सॉल्वेंट 1255 - 1270 इंदौर पाम ऑइल 1425 - 1430 रुपए।

**मावा** - 320 रुपए किलो।

**इंदौर सराफा बाजार -**
सोना 10 ग्राम 89800 रुपए।
चाँदी 100000 रुपए किलो।
चाँदी सिक्का 1100 रुपये प्रति नग।
सोना 3025 डॉलर प्रति औंस
चाँदी 3343 सेंट प्रति औंस

## संक्षिप्त समाचार

### जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्दरसिंह परमार का दौरा कार्यक्रम

**बड़वानी, निप्र।** प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री तथा बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्दरसिंह परमार एक दिवसीय दौरे पर बड़वानी आ रहे है। प्रभारी मंत्री श्री इन्दरसिंह परमार 19 अप्रैल को प्रात: 11 बजे बड़वानी में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भाग लेंगे । इसके पश्चात दोपहर 3 बजे बड़वानी से सांवेर के लिये प्रस्थान करेंगे ।

### जल गंगा संवर्धन अभियान में पाडल्या बाबाजी में बोरी बंधान कार्य कर शपथ दिलाई

**खरगोन, निप्र।** जन अभियान परिषद खरगोन जिला समन्वयक विजय शर्मा और ब्लॉक समन्वयक कालू सिंह मण्डलोई के निर्देशन पर भीकनगांव में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अंजनगांव के ग्राम बाबाजी पाडल्या में बोरी बंधान का कार्य किया गया। इस दौरान प्रस्फुटन समिति एवं नवांकुर संस्था द्वारा श्रमदान कर जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर नवांकुर अध्यक्ष सुनिता चौहान, अंकित मालीवाल, परामर्शदाता अर्पित जायसवाल, भागीरथ मुजाल्दे, राधेश्याम चौहान सहित नवांकुर ओर प्रस्फुटन समिति सदस्य उपस्थित थे।

### खेतों में नरवाई जलाने पर कलेक्टर भव्या मित्तल ने लगाया प्रतिबंध

**खरगोन, निप्र।** पर्यावरण सुरक्षा, आमजन एवं जीव-जंतुओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी भव्या मित्तल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत संपूर्ण खरगोन जिले में फसलों के अवशेष नरवाई खेतों में जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। खरगोन जिले में किसी भी व्यक्ति द्वारा खेतों में फसलों विशेषत: गेहूं, मक्का, चना आदि की कटाई के उपरांत उनके अवशेषों नरवाई को खेतों में जलाया जाएगा तो उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। इसका उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही की जाएगी और दोषी व्यक्ति पर जुर्माना लगाया जाएगा। जिले के सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार पटवारी, थाना प्रभारी एवं कृषि विभाग के अमले को निर्देशित किया गया है कि संपूर्ण खरगोन जिले में इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराएं। जिले में किसी भी व्यक्ति द्वारा खेत में नरवाई जलाने पर उसके विरुद्ध कानूनी कार्यवाही के साथ जुर्माना लगाने की कार्यवाही भी करें। दो एकड़ तक के रकबे में नरवाई जलाने पर 2500 रुपये, 02 से 05 एकड़ के रकबे में नरवाई जलाने पर 05 हजार रुपए एवं 05 एकड़ से अधिक रकबे में नरवाई जलाने पर 15 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

### पुलिस प्रशासन की रात्रिकालीन कॉम्बिंग गश्त में गुण्डे बदमाशों और असमाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्यवाई

**खरगोन, निप्र।** पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) भापुसे नरेंद्र रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्रीमती शकुन्तला रुहल द्वारा अपने दल - बल रात्रिकालीन पैदल कॉम्बिंग गश्त में 27 स्थायी और 152 वारंटियो को गिरफ्तार करने के साथ ही पुलिस ने थाना क्षेत्र में मौजूद 76 लिस्टेड गुण्डे और 40 निगरानी बदमाशों को भी चेक किया गया ।

## निजी अस्पताल के स्टाफ के साथ जबरदस्ती और छेड़छाड़ करने की शिकायत की

# प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तारी की रखी मांग

विनय उजाला

**धार, निप्र।** आईजीएम कॉलेज और लाइफकेयर हॉस्पिटल धार के स्टाफ ने सीएसपी रविंद्र वास्केल सहित अन्य पुलिस अधिकारियों के पास पहुंचकर महिला स्टाफ के साथ जबरदस्ती और छेड़खानी करने की शिकायत की है। स्टॉफ के अनुसार नावेद पिता शरीफ पटेल एवं शोएब पिता इसराईल पटेल आपराधिक प्रवृत्ति के लोग है आए दिन हमारे हॉस्पिटल में जबरन आकर सिनियर छात्रों से जूनियर छात्र छात्राओं की रैगिंग करवाते है धौस धमकियां देते है। साथ ही महिला स्टाफ चांदनी जाधव एवं कालेज प्रभारी रजनी लश्करी के साथ इनके द्वारा अपशब्दों का प्रयोग किया गया छेड़छाड़ की गई है दुर्व्यवहार किया गया है।

नावेद पटेल द्वारा 10 वर्ष पुरानी कोई फर्जी आडियो गुजरात वकीलों से बातचीत के बारे में बताकर व उसे आधार बनाकर ब्लैकमेलिंग कर लाखो रुपयों की मांग की जा रही है जबकि उक्त आडियों में डॉ जमिल शेख की आवाज नही है।

नावेद पटेल व शोएब पटेल द्वारा पीजी कालेज धार में भी हमारे कॉलेज के छात्रों की वार्षिक परीक्षा के दौरान पैसो का लेनदेन करके उनको चिटींग करवाने का अवैध धंधा किया जाता है। हजारों रुपये वसुले जाते है। शोएब पटेल द्वारा कालेज के काउंटर से 50 हजार रुपया इन्टरनी छात्रो के रजिस्ट्रेशन हेतु लिए, गए थे जो वापस नही किए जा रहे है राशि मांगने पर गाली गलोच की जाती है। यह पैसा भी वापस दिलवाया जाए।

कॉलेज स्टॉफ द्वारा दोनों युवकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग रखी गई है। इस प्रशासन ने एसडीएम, नौगांव थाने, सीएमएचओ ऑफिस में भी आवेदन सौंपा है।

## कलेक्टर नेहा मीना को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए मिलेगा प्रधानमंत्री पुरस्कार-2024

# सिविल सेवा दिवस के अवसर पर 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा पुरस्कृत

विनय उजाला

**झाबुआ, निप्र।** कलेक्टर नेहा मीना को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस 21 अप्रैल 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार-2024 से पुरस्कृत किया जाएगा। कलेक्टर नेहा मीना को Prime MinisterÓs Awards for E&cellence in Public Administration-2024 की 'Aspirational Blocks Programme' कैटेगरी के अन्तर्गत अवार्ड दिया जाएगा। वर्ष 2024 का लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार देशभर से चयनित 16 सिविल सेवकों को दिया जाएगा। कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में एक्सपर्ट कमेटी द्वारा 4 अप्रैल 2025 को सम्पन्न इंटरव्यू के उपरान्त कलेक्टर नेहा मीना को पुरस्कार के लिए चयनित किया गया।

आपको बता दे कि भारत सरकार द्वारा देश भर में सिविल सेवकों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को अभिस्वीकृत करने, मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2024 के लिए लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार की योजना का उद्देश्य तीन श्रेणियों में सिविल सेवकों के योगदान को मान्यता देना है।

**श्रेणी 1 :** 11 प्राथमिकता वाले क्षेत्र कार्यक्रमों के तहत जिलों का समग्र विकास। इस श्रेणी के तहत 5 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

**श्रेणी 2 :** आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम। इस श्रेणी के अंतर्गत 5 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

**श्रेणी 3 :** केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, राज्यों, जिलों के लिए नवाचार। इस श्रेणी के अंतर्गत 6 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के चयन के लिए आवेदनों का मूल्यांकन 5 चरणों में किया जाता है, जिसमें -

(i) अपर सचिवों की अध्यक्षता वाली स्क्रीनिंग समिति द्वारा आवेदनों का चिन्हांकन किया जाता है

(ii) अपर सचिवों की अध्यक्षता वाली छानबीन समिति द्वारा जिलों/संगठनों के आवेदकों का प्रेजेंटेशन के मूल्यांकन के माध्यम से लघु सूचीबद्ध किया जाता है

(iii) सचिव, डीएआरपीजी की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन किया जाता है

(iv) कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली एक्सपर्ट कमेटी द्वारा आवेदकों के इंटरव्यू के उपरान्त पुरस्कारों के लिए सूची को अंतिम रूप दिया जाता है।

(v) पुरस्कारों के लिए एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों पर बनी सूची पर माननीय प्रधानमंत्री जी की मंजूरी ली जाती है। मंजूरी उपरांत अवार्ड लेने वाले अधिकारियों की सूची अंतिम की जाती है।

प्रधानमंत्री पुरस्कार-2024 में-(i) ट्रॉफी, (ii) स्क्रॉल और (iii) पुरस्कृत जिले/संगठन को 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिसका उपयोग परियोजना/कार्यक्रम के कार्यान्वयन या लोक कल्याण के किसी भी क्षेत्र में संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

# नर्मदेश्वर महादेव के साथ शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा राणापुर में सम्पन्न

विनय उजाला

**झाबुआ, निप्र।** नगर से लगे मालीपुरा के लुहार फलिया में श्री नर्मदेश्वर महादेव के साथ शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा का दो दिवसीय आयोजन सम्पन्न हुआ प्रतिष्ठा ओर मंदिर निर्माण की मुख्य लाभार्थी सौ साधना दुर्गेश सोनी रही। मोहल्ले वासियों ने भी यथा शक्ति अपना सहयोग प्रदान किया।

आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कल्लाजी राठौड़ (गादीपति) नारायण राठौड़ थांदला,झाबुआ कल्लाजी मंदिर से श्री संतोष सिंह गेहलोद व नागणेचा माताजी के गादीपति रघु भाई राठौड़ उपस्थित रहे।

दो दिवसीय आयोजन में हवन पूजन ओर मंत्र विधि का कार्य पंडित कन्हैयालाल पाठक ऐव पंडित रमाकांत आचार्य ने संपादित किया।

समारोह में झाबुआ, थांदला, पाराभाबरा, दाहोद के साथ स्थानीय भक्त उपस्थित रहे। मुख्य मेहमानों में वरिष्ठ गीतकार परमेश्वर रायपुरिया, सुरेश समीर,पत्रकार पंकज जागेटिया राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग से डा अशोक बलसोरा डा एम एल फुलपगारे, श्रीमती अनु भाबर, गोरी कटारा, रेखा भूरिया , कुसुम कनेस, चंपा सिगौड़, राजीव सिनम, पायल बघेल, प्रदेश जन सेवक समाचार पत्र के प्रधान संपादक एम एल परमार उपस्थित रहे। पश्चात आरती प्रसादी एव भंडारे का आयोजन हुआ।श्रीमती साधना दुर्गेश सोनी ने उपस्थित मेहमानों का तिलक ओर मोतियों की मालाओं से स्वागत किया।साथ उपस्थित सभी महानुभावों ने इस पुनीत और नेक कार्य के लिए सोनी दंपति की सराहना की और भविष्य में ऐसे ही धार्मिक आयोजन एवं कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभागिता करने की बात कही। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्र से धर्म प्रेमी श्रद्धालु उपस्थित हुए और संपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्म लाभ लिया ।

## गायत्री शक्तिपीठ में संपन्न हुआ सम्मान समारोह

विनय उजाला

**मनावर, निप्र।** अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान एवं गायत्री शक्तिपीठ मनावर के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा सत्र 2024/ 25 के अंतर्गत होने वाले सम्मान समारोह में गायत्री शक्तिपीठ मनावर में संपन्न हुआ जिसमें तहसील स्तर के सभी विद्यार्थियों का सम्मान किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा पुरस्कृत इनाम की राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित राकेश पुरोहित एवं साहित्यकार विश्वदीप मिश्रा ने किया। उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रा तृतीय स्थान पर आदिति /राजेश शर्मा ( लायंस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनावर) एवं तहसील स्तर मनावर से हंसा/ सीताराम सिंघारे ( इंडियन पब्लिक स्कूल मनावर) प्रथम, दिव्यांशी/ चंद्रशेखर तंवर ( इंडियन पब्लिक स्कूल मनावर) प्रथम, आराध्या / राकेश लछेटा (ओरिजिन किड्स केयर जाजम खेड़ी) प्रथम, खुशी /जगदीश वास्केल ( हाई स्कूल अंजदीमान) प्रथम, प्रणिता /प्रवीण गुप्ता ( लायंस हायर सेकेंडरी स्कूल मनावर ) प्रथम, खुशी /दीपक आचाने (ओरिजिन किड्स केयर स्कूल जाजम खेड़ी )द्वितीय, रुद्र प्रताप) प्रकाश सूर्यवंशी (ओरिजन किड्स केयर जाजम खेड़ी) द्वितीय, ज्योति/ पं राकेश पुरोहित (लायंस हायर सेकेंडरी स्कूल मनावर) द्वितीय, कुमकुम/ कैलाश मालवीय (शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनावर)द्वितीय, परिधि/ नारायण पिडिया (इंडियन पब्लिक स्कूल मनावर) तृतीय, युद्धी /उमेश पाटीदार (लायंस जूनियर कॉलेज मनावर) तृतीय, प्रिया/ प्रकाश निंगवाल (प्रज्ञा विद्या मंदिर अजंदी मान) तृतीया, शीतल /सखाराम डोडवे (शासकीय हाई स्कूल अजंदीमान) तृतीय, नंदिनी /महेंद्र पाटीदार(इंडियन पब्लिक स्कूल मनावर) तृतीय, अंजलि बाबूलाल /कुशवाह (जेसीस, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनावर) तृतीय,भाग्यश्री /गोविंद ठाकुर( शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरा) तृतीय, को सम्मानित करने के साथ सभी स्कूलों के शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सहयोग व्रत सभी कार्यकर्ताओं को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकार संदीप जाजमे , विश्वदीप मिश्रा,जयप्रकाश सेन ,दिलीप कुमावत, योगेश जख्मी,राजू देवड़ा, विशाल दामके ,सोहन काग, निर्तेंद्र मंडवाल,तुषार तोमर, जगदीश पाटीदार सहित समस्त पत्रकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने पर राष्ट्रीय कवि राम शर्मा परिंदा एवं विश्वदीप मिश्रा को सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में गायत्री परिवार के जिला अध्यक्ष हीरालाल पाटीदार,भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला अध्यक्ष सचान जी, नगर पालिका अध्यक्ष अजय पाटीदार,कमल पांडे, तहसील क्षेत्र मनावर से सभी कार्यकर्ताओं के साथ नगर के वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## परिवार नियोजन पखवाड़ा अंतर्गत रैली निकालकर

## आशा कार्यकर्ता आशा सहयोगिनी आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने जागरूक किया

विनय उजाला

**बाकानेर, नि प्र।** जिला कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जैन, जिला स्वस्थ अधिकारी डॉ शिंदे,विकासखंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुलदीप कुमार नाग मेडिकल ऑफिसर डॉ वीरेंद्र कुमार धारवे के मार्गदर्शन में आशा कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी ,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने परिवार नियोजन पखवाड़ा अंतर्गत बाकानेर नगर में रैली निकाल कर जागरूक किया रैली का नेतृत्व आशा सहयोगिनी श्रीमती शमिष्ठा सोनी ने किया इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शहनाज़ बैग,फरजाना सैयद,आशा कार्यकर्ता श्रीमती रेहाना अली, मनोरमा शर्मा, बंटी जादव ,सुनीता ग्रेवाल चंदा वर्मा, सुनीता केसरिया,जूली वंदना मुवेल,चंचला दीदी,शीतल दीदी, स्वास्थ कार्यकर्ता, सीमा दीदी फूला डावर, ममता बघेल ,वंदना भवेल,देवकरण खांडेकर,राधेश्याम, हेमंत कनासीया, मंशाराम, सुभाष मंडलोई,मौजूद रहे सभी नारे लगा रहे थे शेर का बच्चा एक ही अच्छा, हम दो हमारे दो,बचे दो ही अच्छे, परिवार नियोजन को अपनाओ खुशहाल जीवन बिताओ, छोटा परिवार खुशी परिवार,बढ़ती जनसंख्या पर रोक लगाना है।

## ग्रीष्म कालीन अवकाश एक माह, अन्य कर्मचारियों से कम हुए अब शिक्षकों के अवकाश

विनय उजाला

**डही, निप्र।** शासन ने ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित कर दिए हैं। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी शिक्षकों को केवल मई माह यानी केवल एक माह का ग्रीष्म कालीन अवकाश मिल रहा है। जबकि एक समय था जब शिक्षकों को दो माह तक ग्रीष्म कालीन अवकाश का लाभ मिलता था। फिर उसके बाद घटकर डेढ़ माह हुआ और अब शिक्षकों के लिए केवल एक माह का ही अवकाश हो गया है। साथ ही इस अवकाश में शिक्षकों के प्रशिक्षण और अन्य कार्यक्रम भी चलते रहते हैं। इससे उन्हें पूरे एक माह का लाभ भी नहीं मिल पाता है।

ट्रायबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश पाटीदार कुक्षी, महासचिव शिरीन कुरैशी सरदारपुर, मनीष पंवार झाबुआ, सुरेश यादव इंदौर, संयुक्त सचिव अरुण कुशवाह डही, प्रांतीय प्रतिनिधि इरफान मंसूरी डही, जिला अध्यक्ष शैलेष मालवीय धार ने बताया कि 2008 के बाद से शिक्षकों को अधिक अवकाश का हवाला देते हुए 10 दिन के अर्जित अवकाश की पात्रता भी खत्म कर दी गई।

एक समय था जब शिक्षकों को सार्वजनिक अवकाशों के अलावा 24 दिन का दशहरा दीवाली, 7 दिन शीतकालीन और 60 दिन का ग्रीष्मकालीन कुल 91 दिनों का अवकाश और 10 दिन का अर्जित अवकाश मिलता था।

**अब अन्य कर्मचारियों से शिक्षकों के अवकाश कम हुए :** पदाधिकारियों ने बताया कि इसके उल्ट गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को साप्ताहिक 5 कार्य दिवस के कारण वर्ष में 52-54 शनिवार तथा दशहरा, दीपावली, क्रिसमस सहित कुल 55-57 दिनों का अवकाश के साथ ही साल में 30 दिन का अर्जित अवकाश यानी कुल 85-87 दिनों का अवकाश मिल रहा है। इस तरह शिक्षकों को अन्य कर्मचारियों से प्रतिवर्ष लगभग 40-45 दिन का अवकाश कम मिल रहा है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगौर का कहना है दो माह ग्रीष्म कालीन अवकाश मिलना चाहिए या ग्रीष्म अवकाश पूरा खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्य कर्मचारियों के बराबर अवकाश एवं अर्जित अवकाश का लाभ मिलना चाहिए।

## निसरपुर के भंवरिया में चल रही हनुमान चरित्र कथा में दूसरे दिन

# हनुमान चालीसा भगवान से मिलने का पंथ है : आचार्य श्री राकेश प्रसाद जी

सलीम खान

**निसरपुर, निप्र।** दो व्यक्ति ने जेल में जन्म लिया एक ने मथुरा के कारावास में प्रकट होकर पूरी दुनिया को गीता का ज्ञान दिया और हनुमान चालीसा ने जेल में जन्म लेकर पूरी दुनिया में उजाला किया हनुमान चालीसा चमत्कारिक है तुरन्त फल देती है हनुमान चालीसा तंत्र है,मंत्र है और भगवान से मिलने का पंथ भी है दुनिया में राम पंथ भी है कृष्ण पथ भी है शक्ति पंथ भी है लेकिन हनुमान चालीसा जैसी कोई स्तुति नहीं है ये बाते भंवरिया में कुक्षी बड़वानी टोल मार्ग पर सात दिनों तक चलने वाली हनुमान चरित्र कथा के दूसरे दिन रात्रि में कष्टभंजन देव सारंगपुर से पधारे कथा वक्ता स्वामी हरिप्रसाद दास ने कही उन्होंने कथा के दौरान भंवरिया में निर्माणाधीन स्वामीनारायण अस्पताल में दान देने वालों के संदर्भ में कहा कि जब अस्पताल शुरू होगा ओर यहां किसी गरीब की बीमारी ठीक होगी और वो अस्पताल से छुट्टी होकर घर जाएगा तब वो जो आशीर्वाद देगा उस गरीब का वहीं आशीर्वाद इस अस्पताल के लिए दान देने वाले को मिलेगा कथा श्रवण के लिए सुसारी कुक्षी भंवरिया बड़वानी निसरपुर सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रोता पहुंच रहे है कथा प्रांगण में चाय एवं निशुल्क स्वल्पाहार की व्यवस्था भी रखी गई है!

शिक्षा का मंदिर का होगा निर्माण कथा के दौरान बड़ताल से पधारे धर्मधुरंधर गुरु 1008 आचार्य श्री राकेश प्रसाद जी का कथा के यजमानों एवं संतों द्वारा स्वागत किया गया संतो ने राकेश प्रसाद को ड्राइ फ्रूट से बनी माला पहनाकर स्वागत किया इस अवसर पर राकेशप्रसाद ने कहा कि बड़ताल में जब उन्होंने स्वामीनारायण अस्पताल में निशुल्क इलाज प्रारंभ किया था तो कई बड़े बड़े लोगों ने कहा था कि अस्पताल में निशुल्क इलाज सफेद हाथी पालने जैसा है लेकिन ऐसा नहीं हुआ ओर आज भी वहां नि:शुल्क इलाज मिल रहा है आचार्य श्री ने कहा कि जनवरी में भंवरिया में जब स्वामीनारायण अस्पताल का शुभारंभ होगा उस दिन निमाड़ की धरती पर गुरुकुल निर्माण के लिए भूमिपूजन भी होगा इस गुरुकुल के माध्यम से निमाड़ वासियों के नौनिहालों के बेहतर शिक्षा भी मिलेगी !

## संक्षिप्त समाचार

### कलेक्टर ने माकड़खेड़ा में मूंग की फसल का किया निरीक्षण

**कसरावद, निप्र।** कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल द्वारा माकड़खेडा में कृषक विवेक डोंगरे के खेत में लगे मुंग की फसल का निरीक्षण किया एवं कृषक की तारीफ़ की। इस दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल ने मूंग की फसल के संबंध में किसान से चर्चा की। कृषक विवेक ने बताया कि प्रति एकड़ 05 क्विंटल मूंग की फसल लेते है और अधिक अच्छी फ़सल पर 6 से अधिक भी निकल सकती है। उन्होंने बताया कि मंग की फसल प्रतिवर्ष लेते है। मूंग की फ़सल मात्र 02 माह में तैयार हो जाती है। इस फसल में बिना रासायनिक खाद व दवा के भी अच्छी पैदावार होती है। इस दौरान कलेक्टर सुश्री मित्तल द्वारा अन्य फसलों की भी जानकारी ली गई।

### कार व ट्रैक्टर की टक्कर की टक्कर विद्युत पोल टूटा

**कसरावद, निप्र।** दोगांवा गांव के मुख्य मोड़ पर ट्रैक्टर एवं कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। घटना में विद्युत वितरण कंपनी का पोल क्षतिग्रस्त हो गया। कार एवं ट्रैक्टर सड़क के नीचे विद्युत खंबे से जा टकराया जिससे आसपास के चार से पांच गांव की विद्युत व्यवस्था प्रभावित हुई है। जानकारी के अनुसार के दोगांवा गांव के खतरनाक मोड़ पर तेज रफ्तार से जा रही कार एवं ट्रैक्टर के बीच अचानक भिड़ंत हो गई। दोनों वाहन आमने-सामने टकराए उसके बाद ट्रैक्टर विद्युत पोल से जा टकराया। घटना में विद्युत लाइन प्रवाहित हुई है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे हैं। पुलिस मौके पहुंची। पंचनामा बनाया। इधर विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की लाइन दुरुस्त करने में समय लगा भीषण गर्मी के मौसम में आम जनों को परेशानी हुई।

### पीपलगोन कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग दो घंटे की मशक्कत से बुझाई आग

**कसरावद, निप्र।** पीपलगोन में बेड़िया रोड स्थित एक कबाड़ के गोदाम में गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गई, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। आग की भयावहता इतनी ज्यादा थी कि देखते ही देखते पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। गोदाम मालिक मोंटी खान ने बताया कि दोपहर करीब 1ः30 बजे अचानक गोदाम में आग भड़क उठी। उन्होंने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी, दोपहर 2ः30 बजे मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गोदाम में लगभग 70 से 80 हजार रुपये का भंगार रखा हुआ था, जो पूरी तरह जल गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घटना के समय गोदाम के आसपास के रहवासी क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन द्वारा घटना की जांच की जा रही है। गनीमत रही कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

### गर्मी बढी, चिंतामणि सुंदरकांड भजन मंडल ने पक्षियों के लिए पानी रखने के लिए आग्रह किया

**कसरावद, निप्र।** तापमान का बढ़ता प्रभाव तेज असर आमजन के स्वास्थ्य को लेकर प्रभावित कर रहा है, वहीं पशु पक्षियों के लिए भी बढ़ती उमस और तेज धूप तकलीफदायक साबित हो रही है। नगर की श्री चिंतामणि सुंदरकांड भजन मंडल सदस्यों ने आग्रह किया है कि

तेज तापमान में झुलसा देने वाली गर्मी में आमजन सहित पशु पक्षी भी बेहाल नजर आए। गर्मी का पारा 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंचने से शाम 8ः00 बजे तक गर्म हवाओं के थप्पड़े का दौर जारी रहा। इस दौरान मुख्य सड़क मार्गों पर दोपहर के समय सन्नाटे की स्थिति बनी रही। दोपहर के समय वाहनों की आवाजाही कम देखी गयी है, टू व्हीलर एवं पैदल राहगीर कम नजर आए श्री चिंतामणि हनुमान सुंदरकांड भजन मंडल सदस्यों ने आमजनों से आग्रह किया है कि गर्मी के दौरान अपने-अपने घरो पर पक्षियों के लिए दाना पानी रखें क्योंकि भीषण गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा पक्षियों पर प्रभाव पड़ा रहा है।

### अनिल चौधरी बने अनिलोप के संयोजक

**सनावद, निप्र।** निमाड़ी संस्कृति व भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाली मातृ संस्था अखिल निमाड़ लोक परिषद विगत 75 वर्षों से निमाड़ी की सेवा कर रही हैं। निमाड़ में श्री अनिल चौधरी के समर्पण, सक्रियता और सेवा कार्यों को देखते हुए अनिलोप की सनावद इकाई का उन्हें संयोजक नियुक्त किया गया। अनिलोप के संरक्षक और निमाड़ी व हिंदी भाषा के उत्थान के लिए भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित साहित्यकार निमाड़ पुत्र श्री जगदीश जोशीला जी की अनुशंसा पर अनिलोप के अध्यक्ष हरीश दुबे सहित पदाधिकारियों ने श्री अनिल चौधरी की नियुक्ति कर हर्ष जताया। पदाधिकारियों ने श्री चौधरी से निमाड़ी के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास करने की आकांक्षा व्यक्त की। विभिन्न संगठनों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं श्री चौधरी।

# पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करें : काजल चावला

विनय उजाला

**बड़वानी, निप्र।** विगत दिवस जनपद पंचायत बड़वानी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री काजल चावला द्वारा जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में आगामी तीन माह में पेयजल संकटग्रस्त गांव ग्रामों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी के साथ ही ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक की विस्तृत समीक्षा की गई। जिन ग्राम पंचायत के जिन मजरों में नलकूप नहीं है एवं नलकूप सूख गए हैं वहां पर नवीन बोर के लिए तथा जिन ग्रामों में बोर में पानी नीचे चला गया है, उनमें राइजर पाइप डालने एवं सिंगल हॉर्स पावर के विद्युत पंप स्थापित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत आमलिया पानी, अंबापानी, मरदई, चरणखेड़ा, सुस्तीखेड़ा के सचिव जीआरएस को पेयजल संकटग्रस्त गांव में रोजाना पेयजल टैंकर भरकर रखने के लिए निर्देश देते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पेयजल के स्त्रोतों में पुनर्जलभरण संबंधी कार्य रिचार्ज संरचनाओं के निर्माण के निर्देश दिए गए।सभी ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के फोटो ग्राफ अपलोड करने एवं सभी अप्रारंभ कार्य आगामी एक सप्ताह में प्रारंभ करने के लिए कहा गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए 50 दिवस से अधिक की शिकायतों पर कार्यवाही कर इन्हें बंद कराने के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों एवं प्रभारियों को निर्देश दिए गए। धरती आबा अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायतों को अप्रैल माह के अंत तक 70 शत प्रतिशत समग्र मालब करने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की समग्र मैपिंग आगामी 07 दिवस में करने के निर्देश दिए गए। अनधिकृत रूप से अनुपस्थित अधिकारी कर्मचारी के वेतन काटने के निर्देश दिए गए। बैठक में जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री एवं उपयंत्री आदि बैठक में उपस्थित थे।

## निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार की राशि होगी वसूल या दोषियों को भेजेंगे सिविल जेल

# कलेक्टर को शिकायती आवेदन देने के बाद जिला सीईओ ने कार्यवाही हेतु पत्र किया जारी

## ग्राम पंचायत रतनपुर के पूर्व सरपंच, सचिव और उपयत्री को दिया सुनवाई का मौका

विनय उजाला

### पंचायत से होगी राशि वसूली या दोषी जाएंगे जेल

जिला सीईओ श्री सिंह ने ग्राम पंचायत रतनपुर के पूर्व महिला सरपंच सपना पति सचिन बरफा, सचिव कड़वाजी चौहान और उपयत्री संजय मिश्रा के नाम पत्र जारी किया ।जिसके माध्यम से सीईओ श्री सिंह ने रतनपुर में नियम विरुद्ध हाई स्कूल की बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य करने की बात उजागर की ।जबकि इस निर्माण कार्य में शासन की 13 लाख रुपए से अधिक की राशि वसूल करने का उल्लेख किया है।इस कार्यवाही को लेकर निर्माण कार्य से जुड़े तीन जिम्मेदारो को 29 अप्रैल को जिले में उपस्थित होकर सुनवाई के लिए पेशी लगाई गई है ।हालाकि अनुउपस्थित होने की दशा में अधिकारी ने एक तरफा कार्यवाही करने की बात भी पत्र में कही है ।ऐसी स्थिति में अधिकारी ने धन भू- राजस्व के बकाया की तरह वसूल किया जाएगा ।जबकि गिरफ्तारी वारंट के जरिए 30 दिन की कालावधि के लिए सिविल जेल भेजने की बात कही हैं ।अब देखने वाली बात यह होगी, कि इस आदेश पर अधिकारी कब और कैसी कार्यवाही को अंजाम देते हैं, या यह कार्यवाही भी राजनीति की भेट चढ़ जाएगी ।

**बड़वाह, निप्र।** ब्लाक की चार पंचायतों में होने वाले लाखों रुपए के निर्माण कार्यों में राजनीति संरक्षण के चलते पूर्व सरपंच,सचिव, रोजगार सहायक और उपयंत्रियों ने शासन की राशि की बंदर बाट की थी ।इन चार पंचायतो की शिकायत वर्ष 2021 में शिकायतकर्ता विकास पावर द्वारा जनसुनवाई में की थी ।जिसमें ग्राम पंचायत मुरल्ला, रतनपुर,हमीरपूरा और नावघाट खेड़ी शामिल थी ।इन पंचायतों में विगत वर्ष 2021 में लाखों रुपए से सुदूर सड़क, स्कूल बाउंड्रीवाल,खेत सड़क का निर्माण कार्य हुआ था ।इस दौरान निर्माण कार्यों में कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों ने अपनी राजनीति पकड़ मजबूत होने के चलते नियम विरुद्ध कार्य कर शासन की लाखों रुपए की राशि की बंदर बाट की थी ।जिसमें जनपद पंचायत के अधिकारी और पंचायत के कर्मचारी सहित अन्य व्यक्ति भी शामिल थे ।लेकिन अभी तक इस चार पंचायत की शिकायत का निराकरण जिले के तत्कालीन कलेक्टर से लेकर जिला सीईओ तक नहीं कर पाए।

**चार पंचायत की शिकायत में दो पंचायत पर हुई थी कार्यवाही :** उल्लेखनीय है की बड़वाह ब्लाक की ग्राम पंचायत हमीरपुरा,मुरल्ला, नावघाट खेड़ी और रत्नपुर में शासन की लाखों रुपए की राशि से वर्ष 2021 ने होने वाले लाखो रुपए के निर्माण कार्यों में सम्बंधित जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों द्वारा अनियमितता बरती गई थी ।जिसकी शिकायत 6 दिसंबर 2021 को लिखती आवेदन के माध्यम से जन सुनवाई मे अधिकारियो के समक्ष की गई थी ।शिकायत के आधार पर तत्कालीन बड़वाह सीईओ ने अपने ही जनपद के कुछ अधिकारियो की टीम गठित कर इस पूरे मामले की जॉच करवाई थी ।जिसका जांच प्रतिवेदन भी बनाया गया। जिसमें शिकायतकर्ता की शिकायत अनुसार सभी शिकायत सही होना पाई गई थी । इसके बाद इस भ्रष्टाचार की जॉच जिला पंचायत सीईओ के आदेशानुसार कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग महेश्वर से करवाई गई ।उनके जॉच प्रतिवेदन में भी इस प्रकरण में कार्य ऐंजेंसी ग्राम पंचायत हमीरपूरा और मुरल्ला के सरपंच,सचिव,ग्राम रोजगार सहायक, उपयंत्री,सहायक यंत्री द्वारा अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरती जाकर स्वैच्छाचारिता कार्य करने की बात सामने आई थी। लेकिन अधिकारियो ने किसी प्रभाव शाली युवा नेता के दबाव में आकर शिकायत को जिले में दबा रखी थी।

**पूर्व में हुई थी केवल दो पंचायत पर कार्यवाही :** हालाकी की इन चार पंचायतो की जांच में तत्कालीन जिला जनपद सीईओ ज्योति शर्मा ने दो पंचायत की जांच करवाई और दोषियों का सात दिन का वेतन काटने की कार्यवाही कर मामले से इतिश्री कर ली ।ऐसी स्थिति में शिकायतकर्ता ने इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के उद्देश्य से सीएम हेल्पलाइन का सहारा लिया ।लेकिन सीएम हेल्प लाईन पर होने वाली इस शिकायत के बाद भी इस शिकायत के निराकरण के लिए कोई पहल नहीं की गई ।जब शिकायतकर्ता ने वर्तमान जिला पंचायत सीईओ से चार में केवल दो ही पंचायत की जांच करने की बात कही ।तो अधिकारी ने अन्य दो पंचायतों की पुनः शिकायती आवेदन देने का हवाला दिया। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने जिले में होने वाली जनसुनवाई में नवागत कलेक्टर भव्या मित्तल के नाम से शेष दो पंचायत पर कार्यवाही करने के लिए आवेदन दिया ।

**अब गिरी रतनपुर पंचायत पर गाज हुए आदेश :** हालाकि चार ग्राम पंचायत की शिकायत में शामिल हमीरपुरा पंचायत और मुरल्ला में होने वाले लाखों के भ्रष्टाचार में जिले से दोषियों को ठोस सजा देने की बजाय केवल सभी दोषियों का सात - सात दिन का वेतन काटने के आदेश जारी हुए थे ।जबकि आज भी ग्राम पंचायत रतनपुर और नावघाट खेड़ी में होने वाले भ्रष्टाचार की जांच शेष थीं।लेकिन इन दो पंचायत में शामिल रतनपुर और नावघाट खेड़ी पंचायत की कार्यवाही का आवेदन केलक्टर को देने के बावजूद वर्तमान जिला सीईओ आकाश सिंह ने 17 अप्रैल को रतनपुर पंचायत में होने वाले लाखों रुपए के भ्रष्टाचार की राशि वसूली के आदेश जारी किए ।

# फसल अवशेष जलाने पर होगी, दण्डात्मक कार्यवाही

विनय उजाला

**कसरावद, निप्र।** शुक्रवार को राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की संयुक्त बैठक वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सत्येन्द्र बैरवा ने की। इस बैठक में जिले से आये विकासखण्ड कसरावद के नोडल अधिकारी एवं सहायक संचालक कृषि प्रकाश ठाकुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी. एस. सेंगर सहित कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी, समस्त पटवारी, बी.टी.एम., ए.टी.एम. मौजूद रहे।

वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी.एस. सेंगर ने बताया कि खेतों में आग लगने से न केवल जन और संपत्ति की हानि होती है, बल्कि इससे प्राकृतिक वनस्पति एवं जीव-जंतु भी नष्ट होते हैं। साथ ही खेत की मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु समाप्त हो जाते हैं, जिससे खेत की उर्वरा शक्ति धीरे-धीरे कम होती है और उत्पादन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि खेत में पड़े कचरे, भूसे एवं डंठलों के सड़ने से भूमि प्राकृतिक रूप से उपजाऊ बनती है, ऐसे में इन्हें जलाना पर्यावरण और कृषि दोनों के लिए हानिकारक है।

नोडल अधिकारी प्रकाश ठाकुर ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिले में अब कई किसान रोटावेटर और अन्य साधनों से डंठल हटाने के उपाय अपना रहे हैं, जिनका प्रचार-प्रसार जरूरी है। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से भूमि की लवण सांद्रता प्रभावित होती है, जिससे पौधों द्वारा पोषक तत्वों का अवशोषण बाधित होता है।

अनुविभागीय अधिकारी सत्येन्द्र बैरवा ने निर्देश दिए कि नरवाई जलाने के विरुद्ध गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जाए। इसके तहत लिटरेचर का वितरण, चौकीदार द्वारा डोंडी पिटवाना, किसान संगोष्ठियों का आयोजन किया जाए और इन गतिविधियों के फोटो-वीडियो वरिष्ठ अधिकारियों को भेजे जाएं। साथ ही गांवों में सतत निगरानी रखी जाए और आगामी बुवाई तक मैदानी अमले का कोई अवकाश मान्य नहीं होगा। नरवाई जलाने की सूचना मिलने पर 24 घंटे के भीतर वीडियो, फोटो सहित पंचनामा तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को भेजने के निर्देश दिए गए।

अनुविभागीय अधिकारी सत्येन्द्र बैरवा ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत खेत में फसल अवशेष जलाने पर दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है।

### कृषि विभाग की जिले के किसानों को सलाह

विनय उजाला

**खरगोन, निप्र।** कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को गेंहू तथा अन्य फसलों को काटने के बाद बचे हुए अवशेष (नरवाई) नहीं जलाने की सलाह दी गई है। उप संचालक कृषि श्री एसएस राजपूत ने किसानों को सलाह दी है कि नरवाई जलाने से एक ओर जहां खेतों में अग्नि दुर्घटना की आशंका रहती है, वहीं मिट्टी की उर्वरकता पर भी विपरीत असर पाता है। इसके साथ ही धुएँ से कार्बन डायआक्साइड की मात्रा वातावरण में जाती है और इससे वायु प्रदूषण होता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति लगभग 06 इंच की ऊपरी सतह पर ही होती है। इसमें खेती के लिए लाभदायक मित्र जीवाणु उपस्थित रहते हैं। नरवाई जलाने से यह जीवाणु नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को नुकसान होता है।

### नरवाई बचाओ खाद बनाओ अभियान चलाकर किसानों को जागरूक के निर्देश

विनय उजाला

**खरगोन, निप्र।** खरगोन निप्र कसरावद एसडीएम सत्येन्द्र बैरवा ने क्षेत्र के सभी पटवारियों एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले की संयुक्त बैठक लेकर उन्हें खेतों में नरवाई जलाने पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में बताया गया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के अंतर्गत कलेक्टर द्वारा संपूर्ण खरगोन जिले में पर्यावरण सुरक्षा एवं आम जन व जीव जंतुओं की सुरक्षा के लिए फसलों विशेषतः गेहूं, मक्का, चना आदि के अवशेष (नरवाई) खेतों में जलाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है । इसका उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति की विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने के साथ ही जुर्माना भी लगाया जाएगा।

## वित्तीय वर्ष में बैंक ने किए कई नवाचार

# जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित ने 5.79 करोड शुद्ध लाभ कमाया

विनय उजाला

**खरगोन, निप्र।** वित्तीय वर्ष 2024 - 25 की अवधि में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन के द्वारा 5.79 करोड का शुद्ध लाभ अर्जित किया गया, जोकि गतवर्ष 2023-24 की तुलना में एक सौ तीस प्रतिशत अधिक है। बैंक के द्वारा वित्तीय वर्ष में अनेक नवाचार किये गये, बैंक द्वारा ऋण महोत्सव एवं अमानत बचत पखवाडा का आयोजन, सहकार से समृद्धि योजना अंतर्गत बैंक से सम्बद्ध संस्था भीकनगांव, खेतिया, पानसेमल में जन औषधि केन्द्रों का संचालन भी किया जा रहा है। बैंक द्वारा प्रदेश में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन में प्रथम स्थान लेकर खरगोन एवं बडवानी जिले को गौरान्वित किया है। इसी तरह बैंक से सम्बद्ध संस्था घुघरियाखेडी के द्वारा एग्रीड्रोन का उत्कृष्ट संचालन कर अतिरिक्त आय अर्जित करने हेतु मुख्यमंत्री म.प्र.शासन द्वारा सम्मान प्राप्त किया गया ।बैंक द्वारा भव्य ग्राहक जागरूकता अभियान चलाकर बैंक की रीति नीति, बैंक की ऋण योजनाओं, एवं बैंक विभीन्न अमानत योजनाओं की जानकारी को गांव-गांव तक पहूंचाया। ग्राहक जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले के सम्मानीय जन प्रतिनिधि, खरगोन बड़वानी सांसद गजेन्द्रसिंह पटेल और ज्ञानेश्वर पाटील तथा विधायक बालकृष्ण पाटीदार , राजकुमार मेव और सचिन बिर्ला के द्वारा सहभागिता कर बैंक ग्राहकों एवं किसानों को बैंक की योजनाओं के बारे मार्गदर्शन दिया जाकर उनका अधिकाधिक लाभ उठाने का आव्हान किया गया , जिसके परिणाम भी बहुत सुखद मिले ?। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित खरगोन के कुशल प्रबंध संचालक पी.एस. धनवाल के द्वारा बताया गया कि बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में बैंक द्वारा चहुमुखी प्रगति की गयी है। बैंक द्वारा गतवर्ष की तुलना में अंश पूंजी रू. 2.80 करोड, अमानत रू. 238.58 करोड, ऋण वितरण रू. 143.05 करोड, ऋणग्रहण रू. 555.22 करोड, विनियोजन रू. 656.62 करोड, रू. कार्यशील पूंजी रू. 822.29 करोड, की वृद्धि की गयी है।

सुनियोजित तरीके से समस्त संभव प्रयास कर बैंक के द्वारा कृषि एवं अकृषि कालातीत ऋणों की वसूली की जाकर एनपीए के स्तर को 2.85 प्रतिषत पर ला खडा किया गया है जो कि भारतीय रिर्जव बैंक के निर्धारित मापदण्ड 5 प्रतिशत से कम है। बैंक की इस प्रगति का आधार बैंक प्रशासक एवं संयुक्त आयुक्त सहकारिता संभाग इंदौर बी.एल. मकवाना कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन तथा समस्त बैंक एवं समिति कर्मचारियों के द्वारा अनुशासित रूप से बैंक द्वारा दिए गए लक्ष्यों की पूर्ति हेतु कार्य करना है। ज्ञातव्य रहे कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, खरगोन प्रदेश की अग्रणी सहकारी बैंक है जिसकी सर्वाधिक 69 शाखाए एवं 182 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाऐं है। जिनके माध्यम से खरगोन एवं बडवानी जिले के पॉच लाख से अधिक किसानों एवं ग्राहकों को बैंकिंग की आधुनिक एवं त्वरित बैंकिंग सुविधाऐं उपलब्ध कराई जाती है।

### मुनाफे से इस बैंक को और अधिक मजबुत बनायेगें जिसमें

1. नवीन बनने वाली बैंक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित, बडवानी हेतु आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बैंक भवन बडवानी में बनाया जावेगा।
2. बैंक की शाखाओं को सुसज्जित साज-सज्जा कर ग्राहको के लिए अधिक सुविधाजनक बनायी जायेगी।
3. वर्ष 2025-26 में बैंक द्वारा जमा राषि का आंकडा 500 करोड बढाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
4. कालातीत कृषकों को शासन की शून्य प्रतिषत ब्याज योजना का अधिकाधिक लाभ दिलाने एवं मुख्य धारा में लाने हेतु समस्त संभव प्रयास किए जायेगें।
5. 500 करोड सावधिक कृषि एवं अकृषि ऋण वितरण किए जाने के लक्ष्य निर्धारित।
6. 4000 करोड अल्पकालिन फसल ऋण वितरण किए जाने के लक्ष्य निर्धारित।

## संक्षिप्त समाचार

### चौबाराधीरा में किया जा रहा तालाब गहरीकरण

**देवास, निप्र।** कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में देवास जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जल संरचनाओं के निर्माण एवं गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन एवं ग्रामीणों के जनसहयोग से जनपद पंचायत टोंकखुर्द की ग्राम पंचायत चौबाराधीरा में बारिश के पानी को सहजने के लिए तालाब गहरीकरण कार्य किया जा रहा है। तालाब के गहरीकरण के बारिश के दिनों में पानी संग्रहित होगा तथा वाटर लेवल भी बढ़ेगा, जिससे पेयजल के साथ खेती करने के लिए भी पानी मिल सकेगा।

### विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों, बीआरसी और प्राचार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

**खरगोन, निप्र।** खरगोन जिले के 09 विकास खण्ड के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों, बीआरसी और प्राचार्यों की समीक्षा बैठक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय खरगोन में में जिला शिक्षा अधिकारी शैलेन्द्र कानुडे और जिला नोडल अधिकारी श्री यादव के द्वारा छात्रवृत्ति की समीक्षा फेल खाते अपडेट करने, अपार आईडी तत्काल जनरेट करने, छात्रवृत्ति के जो डुप्लीकेट खाते फेल हुए हैं उसको न्यू खाते अपडेट करने, कक्षा 1 से 12वीं तक बच्चों को प्रमोट करने तथा कक्षा एक में आंगनबाड़ी केन्द्रों से सूची प्राप्त कर घर-घर संपर्क करने तथा प्रवेश दिलवाने, क्लास 9 वीं एवं 11वीं के एनुअल रिजल्ट की विमर्श पोर्टल पर एंट्री करने, प्राप्त पुस्तकों की पोर्टल एंट्री करने के निर्देश दिए गए और जल गंगा संवर्धन अंतर्गत सारे हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में एक्टिविटी करने, सीएम हेल्पलाइन लाइन की शिकायतों को ग्राम वार जनशिक्षकों से जांच कराकर बंद करने एवं पोर्टल पर एंट्री करने के निर्देश समीक्षा बैठक में दिए गए। कार्य को एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी एवं नोडल अधिकारी द्वारा दिए गए। संबंधितों को वार्निंग दी गई है कि कार्य समय सीमा में पूरा करना है समय सीमा में पूरा न करने पर संबंधित बीईओ, बीआरसी, प्राचार्य, सीएसी का माह अप्रैल 2025 में वेतन रोकने की कार्यवाही की जावेगी।

### आयुक्त ने की संपत्तिकर व जलकर वसूली की समीक्षा

# मैरिज गार्डन, शैक्षिणिक संस्थाओं के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र, नार्सिंग होम का भौतिक सत्यापन के निर्देश

विनय उजाला

**देवास, निप्र।** नगर निगम आयुक्त रजनीश कसेरा के द्वारा नगर निगम संपत्तिकर, जलकर की पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 की वसूली की समीक्षा कर वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के संपत्तिकर व जलकर की वसूली के लक्ष्यों का निर्धारण कर वसूली करने के निर्देश संबंधित विभाग प्रमुखों को दिए गए। बैठक में आयुक्त के द्वारा विगत परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार कलेक्टर गाइड लाइन के पूर्व दरों में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई। वार्षिक भाडा मूल्यों की दरों के अनुसार वसूली करने के साथ ही 10 मई को विशेष लोक अदालत में वसूली के लक्ष्यों को सौंपते हुए वसूली करने के निर्देश जारी किए गए।

बैठक में आयुक्त ने निगम परिषद के निर्णय अनुसार मैरिज गार्डन, शैक्षिणिक संस्थाओं के साथ ही औद्योगिक क्षेत्र, नार्सिंग होम व अन्य संपत्तियों में वसूली कर बडे हुए संपत्तिकर की वसूली का भौतिक सत्यापन कर उनकी गणना करने के भी निर्देश दिए गए तथा शहर में 1 वर्ग फीट के खाते संधारित उन्हें भी वार्डवार सत्यापन करने के निर्देश दिए गए। बैठक में शासन निर्देशानुसार 1 अप्रैल 25 से 30 जून 25 तक अग्रीम रूप से संपत्तिकर व जलकर जमा करने पर 6 प्रतिशत की विशेष छूट का व्यापक प्रचार प्रसार करने के साथ ही करदाताओं को अग्रीम रूप से कर जमा करने हेतु प्रेरित करने हेतु भी कहा गया।

बैठक में निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, राजस्व अधिकारी प्रवीण पाठक सहित राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक व वार्ड उपयंत्री उपस्थित रहे।

# राशन कार्डधारियों की ई-केवायसी अनिवार्य, प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर 1 मई से नहीं मिलेगा राशन

विनय उजाला

**देवास, निप्र।** मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत राशन का लाभ सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने पात्र हितग्राहियों को 30 अप्रैल तक ई-केवायसी कराना अनिवार्य कर दिया है।

मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत मिलने वाले राशन का लाभ बिना किसी बाधा के जारी रखने के लिए पात्र हितग्राहियों को 30 अप्रैल तक ई-केवायसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम और मोहल्लों में विशेष कैंप लगाकर ई-केवायसी कार्य तेजी से पूरा किया जाए, केंद्र सरकार ने इस कार्य को 30 अप्रैल तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। समय सीमा के भीतर यह प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर संबंधित हितग्राहियों को राशन वितरण में दिक्कत आ सकती है। अपर मुख्य सचिव रश्मि अरुण शमी ने सभी संभागायुक्तों और कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि जिलावार ई-केवायसी की निगरानी कर, प्रतिदिन निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य पूरा किया जाए। साथ ही, इस अभियान को लेकर जनजागरूकता फैलाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

ई केवाईसी का कार्य उचित मूल्य दुकान की पीओएस मशीन के माध्यम से उचित मूल्य दुकान से सम्बद्ध ग्राम पंचायत के ग्रामों, वार्डों एवं शहरी दुकान के वार्डों में कैम्पों का आयोजन कर किया जा रहा है। कैम्प आयोजन के लिए गठित दल के सदस्य उचित मूल्य दुकान के विक्रेता, ग्राम पंचायत के सचिव/रोजगार सहायक उचित मूल्य दुकान के नोडल अधिकारी, शहरी वार्ड के वार्ड प्रभारी द्वारा कैम्पों में सर्वे किया जाकर ई केवाईसी का कार्य कराया जा रहा है।

**देवास जिले में 2 लाख 16 हजार 967 हितग्राहियों की ई केवाईसी होना शेष**

जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि ई केवाईसी कराए जाने के लिए माह अप्रैल में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अनुक्रम में 30 अप्रैल 2025 तक सभी पात्र हितग्राहियों की ईकेवायसी पूर्ण कराई जाना है। जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि ई केवाईसी के दौरान पीओएस मशीन में 05 वर्ष से कम उम्र के बच्चे, वृद्धजन, या अन्य जिनका बायोमैट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है, ऐसे हितग्राहियों के साथ-साथ ऐसे हितग्राही जो अपनी मूल उचित मूल्य दुकान के बाहर मध्यप्रदेश के किसी भी अन्य स्थान में निवासरत है या जो हितग्राही अपने कार्य की व्यस्तता के कारण उचित मूल्य दुकान या कैम्पों में उपस्थित नहीं हो सकते है, ऐसे सभी हितग्राही ई केवाईसी के लिए शासन द्वारा मेरा ई केवाईसी एप ' लॉन्च किया है। एप के माध्यम से उचित मूल्य दुकान के विक्रेताओं के अतिरिक्त पात्र हितग्राही भी स्वयं अपने एंड्राइड मोबाइल फोन के माध्यम से मेरा ई केवाईसी एप को डाउनलोड कर स्वयं भी एवं परिवार के सदस्यों का भी साथ ही अन्य पात्र हितग्राहियों का भी ई केवाईसी फेस एथेटिकेशन के माध्यम से कर सकते हैं। देवास जिले में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना अंतर्गत खाद्यान्न सामग्री प्राप्त करने के लिए वर्तमान में 02 लाख 52 हजार 833 परिवार पंजीकृत है, जिसके कुल 11 लाख 17 हजार 214 सदस्य (हितग्राही) शामिल है। जिले में अभी तक 09 लाख 247 हितग्राहियों की ई केवाईसी पूर्ण हो चुकी है। इस तरह अभी तक 81 प्रतिशत हितग्राहियों की ई केवाईसी का कार्य पूर्ण हुआ है। अभी भी 02 लाख 16 हजार 967 हितग्राहियों की ई केवाईसी होना शेष है।

## जिला चिकित्सालय के एसएनसीयू में सी-पेप का उद्घाटन

विनय उजाला

**देवास, निप्र।** देवास के आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले इसके लिए स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रशासन निरन्तर प्रयासरत है। महात्मा गांधी जिला चिकित्सालय देवास के एसएनसीयू में अत्याधुनिक उपकरणों मशीनों के माध्यम से नवजात की देखभाल की जा रही है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के प्रयासों से देवास की सनफार्मा कम्पनी द्वारा जिला अस्पताल में 3 सी-पेप मशीन एसएनसीयू में दी गई गई। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा इन मशीनों का फीता काटकर उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री सिंह ने सनफार्मा प्रबंधन के सदस्यों को धन्यवाद करते हुए कहा कि सामाजिक कार्य में सनफार्मा हमेशा आगे रहा है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जा रहा है।

इन अत्याधुनिक मशीनों से नवजात के स्वास्थ्य की देखभाल बहुत सहयोग मिलेगा, नवजात देखभाल में उनका जीवन बचाना परिवार को संबल प्रदान करता है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में देवास के समाजसेवी, उद्योगपति और देवासवॉसियों और जनप्रतिनिधियों का सहयोग निरन्तर मिल रहा है। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ सरोजनी जेम्स बेक, आर.एम.ओ. अजय पटेल, सनफार्मा से रविन्द्र गोयल, शेख निशार, डॉ राजेन्द्र सक्सेना, एसएनसीयू प्रभारी डॉ वैशाली निगम, अस्पताल प्रबंधक प्रमोद गुणवान, आसरा एनजीओ के सदस्यों सहित जिला अस्पताल का चिकित्सक स्टॉफ उपस्थित था।

# समयसीमा के बाद भी हाईवे दुकान पर बिक रही शराब, कार्रवाई के लिए अधिकारी बोलें जांच करेंगे

विनय उजाला

**सोनकच्छ, निप्र।** स्थानीय पुलिस व आबकारी की उदासीनता कहें या मिलीभगत नगर से लेकर गांव-गांव तक शासकीय शराब वितरण व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है हालात यह हैं कि मंदिरों से पहले मयखाने के पट खुल रहे हैं बल्कि दुकान बंद होने के बाद भी पूरी रात खिड़की के माध्यम से भी शराब बेची जाती है। इसके अलावा गांव-गांव में अवैध रूप से संचालित छोटी-छोटी दुकाने या घर के माध्यम से शराब का गोरख धंधा चरम पर है इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार शासन स्तर पर जो शराब दुकान खुलने का समय व बंद होने का समय निर्धारित किया गया है इसके बावजूद भी ना केवल क्षेत्र की शराब दुकाने समय से पहले खुल जाती हैं और बंद होने के समय के काफी देर बाद तक खुलेआम संचालित होकर शराब बेची जा रही है। दुकान बंद होने के बाद खिड़की के माध्यम से भी शराब आसानी से उपलब्ध हो जाती है। वहीं दूसरी ओर यदि इसमें भी किसी को कोई परेशानी होती है तो गांव-गांव में भी खुलेआम शराब की बिक्री होने के चलते पीने वालों को आसानी से शराब उपलब्ध हो रही है परंतु इस मामले में पुलिस प्रशासन व आबकारी विभाग का किसी भी प्रकार का कोई नियंत्रण नहीं है और यह कार्य खुलेआम पूरी तरह से मनमानी से चल रहा है। अंग्रेजी और देशी की बिक्री जब से एक दुकान पर ही हुई है उसके बाद तो यह क्रम गांव-गांव में और आसानी से हो गया है कि अब गांव-गांव में देशी और अंग्रेजी शराब बेरोकटोक आसानी से उपलब्ध हो जाती है जिसका नतीजा यह हो रहा है कि लोग जमकर नशा कर रहे हैं जिससे कई परिवार तो उजड़ ही रहे हैं। वहीं सड़क दुर्घटनाओं की भी संख्या काफी अधिक मात्रा में इस क्षेत्र में हो गई है। जगह-जगह शराब की बिक्री होने के चलते धड़ल्ले से खुले आम बिक रही शराब को देखकर भी आबकारी विभाग और पुलिस विभाग शराब कारोबारियों के सामने अपने आपको लाचार नजर आते हैं क्योंकि इनके द्वारा मनमाने तरीके से प्रतिमाह सुविधा शुल्क की जो वसूली की जाती है। उसके चलते यह इनके विरुद्ध किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं कर पाते हैं।

**क्या कहना है इनका**

सूचना प्राप्त हुई है। इस मामले में जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे।

-प्रेम यादव, प्रभारी आबकारी अधिकारी सोनकच्छ

## देवास के प्रमुख मार्ग से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें

### जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर निगम देवास 53 से अधिक कुएं-बावड़ियों की करेगा साफ-सफाई

विनय उजाला

**देवास, निप्र।** कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में अतिक्रमण से मुक्ति मुहिम चलाकर अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करें। उन्होंने नगर निगम देवास को निर्देश दिए कि देवास शहर मैन रोड से अतिक्रमण हटाना होना चाहिए। यह काम शीघ्र प्रारंभ करें नहीं तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नजूल तहसीलदार एवं नगर निगम कॉर्डिनेट करके शहर में जहां भी नाले अवरूद्ध हैं उन्हें बारिश से पहले क्लीन करें, जो भी नाले में समस्या आ रही है उसका निराकरण प्राथमिकता से करें। नालों की साफ-सफाई करके नालों को सीवरेज लाइन में जोड़े। उन्होंने कहा कि कार्य में किसी भी लापरवाही न करें, नहीं तो संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान की जानकारी ली। जिस पर नगर निगम द्वारा बताया गया कि देवास में 53 से अधिक कुएं-बावड़िया हैं। जिनकी साफ-सफाई एवं अन्य कार्य अभियान के तहत किए जाएंगे। उन्होंने नगर निगम देवास को निर्देश दिए कि इनकी साफ-सफाई अच्छे से की जाएं, काम दिखना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने पीयू डूडा एवं जिला पंचायत देवास द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि कार्य में तेजी लाएं। अभियान अंतर्गत इनकी साफ-सफाई अच्छे से की जाएं तथा इसका विशेष ध्यान रहें कि बारिश के दिनों में अधिक से अधिक पानी संग्रहित हो सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने जल जीवन मिशन के कार्य की समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि कार्य में तेजी लाएं।

## हरनावदा देव में सात दिवसीय यज्ञ संपन्न

विनय उजाला

**सोनकच्छ, निप्र।** ग्राम हरनावदा देव में चल रहा सात दिवसीय यज्ञ आयोजन सोमवार को संपन्न हुआ। गांव की सुख-समृद्धि एवं विकास के लिए ग्रामवासियों के सहयोग एवं यज्ञाचार्य पं. देवेन्द्र शर्मा के सानिध्य में आयोजित यज्ञ में गांव पटेल मानसिंह परिहार व ग्राम पंचायत हरनावदा देव के उपसरपंच कुंवर राहुल सिंह फागवा सहित अनेक जोड़ों ने आहुतियां दी।

आयोजन के दौरान भगवान शिव, शीतला माता, घाटे वाले महाराज, दूनी माता आदि की प्रतिमाएं स्थापना आदि कार्यक्रम आयोजित हुए। शोभायात्रा निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित हुए। समाजसेवी राजेंद्रसिंह फागवा से मिली जानकारी अनुसार दुनी माता स्थान पर माता की प्राण प्रतिष्ठा के लिए की गई खुदाई में लगभग साढ़े 6 फीट खुदाई के दौरान पीतल की नाग-नागिन की मूर्ति एवं मिट्टी के घड़े के अवशेष निकले है, जो सैकड़ों वर्ष पुराने बताए जा रहे।

## फसल अवशेष नरवाई जलाने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

विनय उजाला

**खरगोन, निप्र।** वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में राजस्व और कृषि विभाग की संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सत्येन्द्र बैरवा, विकासखण्ड कसरावद के नोडल अधिकारी सहायक संचालक कृषि प्रकाश ठाकुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी.एस.सेंगर एवं कृषि विकास अधिकारी, कृषि विस्तार अधिकारी समस्त, समस्त पटवारी, बीटीए, एटीएम मौजूद थे। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सत्येन्द्र बैरवा द्वारा बैठक में उपस्थित अमले को निर्देश दिये की नरवाई न जलाने के सम्बन्ध में ग्रामों में अधिक से अधिक दल के द्वारा प्रचार प्रसार करें। प्रचार प्रसार के लिये लिटरेचर, ग्राम के चौकीदार द्वारा डोंडी पिटवाना, किसान संगोष्ठियों का आयोजन कराना इन सभी गतिविधियों के फोटो, वीडियो, वरिष्ठ अधिकारियों को भेजना सुनिश्चित करें। ग्रामों में सतत निगरानी करें एवं आगामी बुआई तक मैदानी अमले का किसी भी प्रकार का अवकाश मान्य नहीं होगा। नरवाई जलाने की जानकारी प्राप्त होने पर दल द्वारा 24 घण्टे के अन्दर मय वीडियो, फोटो सहित पंचनामा बनाकर वरिष्ठ अधिकारी को प्रेषित करें। एसडीएम श्री सत्येन्द्र बैरवा द्वारा धारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जन सामान्य को बाधा, क्षति, मानव जीवन स्वास्थ्य, क्षेत्र के खतरे के प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए खेत में खड़े डंठलों एवं फसल अवशेषों में आग लगाये जाने पर जुर्माने का प्रावधान है।

खेत के रकबे अनुसार दण्ड 2 एकड से कम पर 2500 रुपये, 2 से 5 एकड पर 5000 रुपये एवं 5 एकड से अधिक रकबा होने पर 15 हजार रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बी.एस. सेंगर द्वारा बताया गया कि खेत की आग अनियंत्रित होने पर जन, सम्पत्ती व प्राकृतिक वनस्पती, जीव-जन्तु आदि नष्ट हो जाते है। जिससे व्यापक पारिस्थितिक नुकसान होता है एवं खेत की मिट्टी में प्राकृतिक रूप से पाये जाने वाले लाभकारी सुक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते है।

## पर्यावरण बचाने के संदेश के साथ राजाराम राम राठौर ने महूं से दिल्ली तक की यात्रा शुरू की

### सोनकच्छ तहसील के ग्राम बावई निवासी हैं राठौर

विनय उजाला

**सोनकच्छ, निप्र।** बढ़ता प्रदुषण, चारों ओर धुल धुआं वायु प्रदुषण और धरती पर घटते पेड़ पौधे का महत्व समझाने साथ ही स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महूं बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जन्मस्थली से दिल्ली तक पैदल यात्रा पर निकले।

सोनकच्छ के ग्राम बावई निवासी राजाराम राठौर शुक्रवार को सोनकच्छ पहुंचे जहां पर उन्होंने स्थानीय थाना परिसर में उपस्थित पुलिस स्टाफ और जनता को साफ सफाई का ध्यान रखने, वृक्षारोपण करने, पानी और बिजली का उपयोग कम करने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने, पर्यावरण के बारे में जागरूक होने, स्वच्छता को बढ़ावा देने और पर्यावरण को बचाने को लेकर अपनी बात रखी उन्होंने कहा कि यदि समय रहते हम नहीं जागे तो भविष्य में धरतीवासियों को काफी परेशानियां उठानी पड़ेगी। इस अवसर पर पुलिस स्टाफ और जनता उपस्थित रहीं।

### अमृत संचय अभियान देवास की तर्ज पर इंदौर के एक बड़े शिक्षा संस्थान की सभी इमारतों में बनाएंगे जल संचय संरचनाएं

# एक नामी शिक्षा संस्थान ने लिया देवास की जल तकनीकों का जायज़ा

विनय उजाला

**देवास, निप्र।** अमृत संचय अभियान देवास के तहत शहर में जल संवर्धन की तकनीकों को देशभर में सराहा जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को इंदौर के प्रतिष्ठित श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइन्स की पांच सदस्यीय टीम ने यहां किए गए ज़मीनी कार्यों का अवलोकन किया।

अमृत संचय अभियान टीम के श्रीकांत उपाध्याय, भू-वैज्ञानिक हिमांशु कुमावत, सफ़िया कुरैशी व कृपाली राणा के साथ इंदौर की टीम ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में विभिन्न जल संरचनाओं को देख-परख कर उनका अध्ययन किया। उन्होंने जल संरचनाएं इंस्टॉल करने वाले हितग्राहियों से विस्तार से बात की।

अमृत संचय अभियान देवास की तर्ज पर इंदौर में इस शिक्षा संस्थान की सभी इमारतों में जल संचय संरचनाएं बनाने के लिए दस हज़ार विद्यार्थियों और 500 शिक्षकों ने उठाया बीड़ा उठाया है।

भ्रमण दल ने सेन थॉम एकेडमी में संकन पोंड सह रिचार्ज शाफ़्ट तकनीक व रिचार्ज फ़िल्टर, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं ड्रिप तकनीक को सराहा। देवास ग्रीन्स कॉलोनी में संग्राम सिंह घाडगे के फॉर्म हाउस पर विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं को विस्तार से देखा। दल ने कॉलोनी की सड़कों के पाथवे पर बनाई गई रिचार्ज शाफ़्ट संरचनाओं को खूब सराहा और इसे इंदौर में पाथवे पर लागू करने की बात कही। गर्ल्स डिग्री कॉलेज में रिचार्ज पिट की किफायती तकनीक को बारिकी से देखा व समझा तथा इस तकनीक को इंदौर के विभिन्न संस्थानों में भी बनाये जाने पर ज़ोर दिया।

इस टीम में श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस इंदौर के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस, प्रो डॉ. जगदीश शर्मा, प्रो रितेश कुशवाह, प्रो अंकित त्रिवेदी तथा प्रो हर्षा यादव शामिल थे। टीम को तकनीकी जानकारी डॉ सुनील चतुर्वेदी ने दी। इस दौरान अमृत संचय अभियान टीम की प्रो समीरा नईम, श्रीकांत उपाध्याय, गंगासिंह सोलंकी, हिमांशु कुमावत, सफ़िया कुरैशी, मनीष वैद्य, विपिन पण्ड्या, कृपाली राणा, कपिल जोशी तथा शर्मिला ठाकुर ने भी अपने अनुभव भ्रमण दल से साझा किए।

# आईपीएल 2025 : एमआई के कोच रहते कप्तानी से हटाया

## अब खुद कर रहे उनकी तारीफ; बाउचर बोले- जल्द बड़ी पारी खेलेंगे रोहित

मुंबई, एजेंसी

**आईपीएल 2024 में कोच रहते रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटाने वाले मार्क बाउचर ने अब उनकी तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि रोहित फॉर्म में लौट रहे हैं और जल्द बड़ी पारी खेल सकते हैं।**

पिछले साल तब बड़ा विवाद हुआ था जब मुंबई इंडियंस टीम के कोच रहे मार्क बाउचर ने रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाया था। हार्दिक को नया कप्तान बनाया गया था और फैंस ने इस फैसले को पसंद नहीं किया था। मुंबई का सीजन खराब रहा था और हार्दिक के साथ बाउचर आलोचकों के निशाने पर आ गए थे। हालांकि, इस सत्र से पहले बाउचर को कोच पद से हटाया गया और महेला जयवर्धने फिर से मुंबई के कोच बने।

### बाउचर ने की हार्दिक की तारीफ

वहीं, हैदराबाद के खिलाफ नौ गेंद में 21 रन बनाने वाले मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या के बारे में मार्क बाउचर ने कहा, हार्दिक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर्स में से हैं। जब वह अच्छा खेलते हैं तो टीम जीतती है। अब वह सिर्फ पावरप्ले में ही नहीं बल्कि बीच के ओवरों में भी गेंदबाजी कर रहे हैं और विकेट भी ले रहे हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

### बाउचर ने जैक्स को बताया शानदार

बाउचर ने विल जैक्स के बारे में कहा, वह दबाव में लग रहे हैं और उस तरह से प्रदर्शन नहीं कर पा रहे, जैसा वह करना चाहते होंगे। लेकिन वह शानदार खिलाड़ी हैं और शानदार ऑलराउंडर हैं। उन्होंने कुछ अहम विकेट लिए जिससे बतौर बल्लेबाज भी उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। आखिरकार वह योगदान दे पा रहे हैं और इस लय को कायम रखना चाहेंगे।

### रोहित से बड़ी पारी दूर नहीं

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रहे बाउचर का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित से बड़ी पारी दूर नहीं है। रोहित इस सत्र में छह मैचों में अर्धशतक नहीं बना सके हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गुरुवार को 26 रन का स्कोर उनका सर्वोच्च स्कोर है। बाउचर ने आईपीएल प्रसारकों से कहा, हमने हैदराबाद के खिलाफ मैच में रोहित शर्मा की शैली के बड़े छक्के देखे। मुझे उनके तेवर पसंद आए। उन्होंने गेंदबाजों पर दबाव बनाया और रन बनाने के मौके तलाशे। वह जल्दी ही बड़ी पारी खेलेंगे।

## प्रयागराज का हरिस सोनीपत में बना टेनिस चैंपियन

प्रयागराज, (हि.स.)। जिले के संत जोसफ कॉलेज के कक्षा 7 के छात्र हरिस खान ने सोनीपत में 14 से 18 अप्रैल तक चली एआईटीए (चैंपियनशिप सीरीज-7) के अंडर-12 टेनिस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर एकल खिताब अपने नाम किया। हरिस ने फाइनल में सौर्य शेरवत को 2-6, 6-0, 7-5 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।

यह जानकारी शुक्रवार को धूमनगंज हरवारा निवासी छात्र के पिता महफूज़ खान ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में हरिस ने टॉप सीडेड अदयान कुमार सोनी को 6-4, 6-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। हरिस ने लगातार दूसरे सप्ताह अपनी जीत का क्रम जारी रखते हुए ये सफ़लता हासिल की है। ये जीत उनके अथक परिश्रम व प्रतिभा का प्रमाण है। उन्होंने प्रयागराज का नाम रोशन किया। इस जीत के साथ हरिस ने अपने टेनिस कैरियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है और भविष्य में और बड़ी सफलताएं हासिल करने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बेटा हरिस इलाहाबाद जिमखाना अकादमी में सैफ इकबाल से प्रशिक्षण प्राप्त करता है।

## सीएसके ने चोटिल गुरजपनीत की जगह डेवाल्ड ब्रेविस को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)

**इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के बीच चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में बड़ा बदलाव हुआ है। फ्रेंचाइजी ने चोटिल युवा तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह की जगह दक्षिण अफ्रीका के युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस को शामिल किया है।**

आईपीएल की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष मैचों के लिए चोटिल गुरजपनीत सिंह के स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को अनुबंधित किया है। वह 2.2 करोड़ रुपये में सीएसके का हिस्सा बनेंगे। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस इस सत्र से पहले हुई मेगा नीलामी में अनसोल्ड रहे थे। उन्हें किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा था। अब सीएसके ने उन्हें अपने साथ जोड़ा है।

डेवाल्ड ब्रेविस ने कुल 81 टी20 मैच खेले हैं और 162 के उच्चतम स्कोर के साथ 1787 रन बनाए हैं। उन्होंने 2023 में दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना टी20 अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया और अब तक दो टी20 मुकाबले खेले हैं। ब्रेविस आईपीएल में इससे पहले मुंबई इंडियंस की ओर से खेल चुके हैं, जहां उन्होंने 10 मैच खेले थे। इससे पहले

सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी चोट के कारण पूरे सत्र से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह टीम ने युवा आयुष म्हात्रे को शामिल किया था। वहीं कप्तानी की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह धोनी के हाथों में है।

सीएसके की टीम आईपीएल के मौजूदा सीजन में संघर्ष कर रही है। टीम ने अब तक खेले अपने सात मैचों में से मात्र दो में जीत दर्ज की है, जबकि 5 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम 4 अंक के साथ पॉइंट टेबल में सबसे नीचे 10वें पायदान पर है।

## फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स : कोनेरू हम्पी की शानदार जीत, दिव्या देशमुख की दमदार वापसी

पुणे, (हि.स.)

फिडे महिला ग्रैंड प्रिक्स 2024 के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने अपने अनुभव और स्थितिगत ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए रूस की पोलिना शुवालोवा को पराजित किया है। वहीं दिव्या देशमुख ने भी रोमांचक अंदाज़ में बाजी अपने नाम की, जबकि द्रोणवल्ली हरिका और वैशाली रमेशबाबू का अखिल भारतीय मुक़ाबला बराबरी पर छूटा।

इतालवी ओपनिंग के साथ शुरू हुए इस मुक़ाबले में हम्पी ने पोलिना के खिलाफ़ धीरे-धीरे स्थिति मजबूत की। आठवें मोड़ पर पोलिना की एक चूक ने हम्पी को बढ़त दिलाई। 12वीं चाल में रानियों का आदान-प्रदान हुआ और इसके बाद हम्पी ने अपने जुड़े हुए प्यादों और सातवीं पंक्ति तक घुसपैठ करने वाली किश्ती से खेल पर पकड़ बना ली। 26वीं चाल तक तस्वीर साफ हो गई थी और 37 चालों में हम्पी ने बाज़ी अपने नाम कर ली। मैच के बाद हम्पी ने इसे 'आरामदायक खेल' बताया।

दिव्या देशमुख ने कारो-कान बचाव एक्सचेंज वेरिएशन में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने ज़्यादातर समय बढ़त बनाए रखी और अंत में डबल किश्ती और राजा की मदद से 70 चालों के बाद मेलिया सलोमे को हराया।

### आईएसएसएफ विश्व कप

## महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3पी में आठवें स्थान पर रहीं श्रीयंका सदांगी

लीमा, (हि.स.)

पेरिस ओलंपिक निशानेबाज श्रीयंका सदांगी यहां आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन चरण के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं। वह इस डबल लेग वाले दक्षिण अमेरिकी प्रवास पर पहली बार व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल में जगह बनाने वाली नवीनतम भारतीय निशानेबाज बन गईं, लेकिन स्टैंडिंग पोजिशन राउंड के 10वें शॉट के बाद बाहर हो गईं, जो 45 शॉट के फाइनल का 40वां शॉट था।

फाइनल में श्रीयंका ने अपने पहले प्रयास में 10.5 के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन जैसे-जैसे फिनिश की ओर बढ़ना शुरू हुआ, श्रीयंका हारती गईं। उनका सबसे अच्छा मौका तब था जब वे दूसरे प्रोन पोजीशन के दो और शॉट के साथ छठे स्थान पर पहुंच गई थीं, लेकिन 9.8 और 9.3 के रिटर्न ने उनकी चुनौती को प्रभावी ढंग से खत्म कर दिया। उन्होंने अपना अंतिम शॉट 9.9 के साथ पूरा किया और 400.7 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं ब्राजील की जियोवाना मेयर के साथ बाहर हो गईं।

पेरिस खेलों में रजत पदक जीतने वाली यूएसए की सेगेन मैडालेना ने स्वर्ण पदक जीता। सेगेन के प्रयास ने यूएसए को तीन स्वर्ण और छह पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया। गुरुवार को तीसरे दिन प्रतियोगिता के अंत में भारत दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

### महिलाओं व पुरुषों में 3पी स्पर्धा में ये रहे नतीजे

महिलाओं की 3पी स्पर्धा में भी पहले दो नीलिंग और प्रोन पोजीशन के बाद भारतीयों को संघर्ष करना पड़ा, लेकिन श्रीयंका, आशी चौकसे और पिछले विश्व कप स्वर्ण विजेता सिफ्ट कौर समरा ने फाइनल स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार गति पकड़ी और क्वालीफाइंग मार्क के लिए दौड़ लगाई। श्रीयंका 588 के ठोस स्कोर के साथ सातवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहीं, आशी नौवें स्थान पर रहीं जबकि सिफ्ट 11वें स्थान पर रहीं, दोनों 587 पर रुकीं और इस तरह मामूली अंतर से चूक गईं। पुरुषों की 3पी में ऐश्वर्या तोमर, नीरज कुमार और चैन सिंह क्रमश: 17वें, 18वें और 19वें स्थान पर रहे। पहले दो निशानेबाजों ने 587 के समान स्कोर बनाए और कुछ अंकों से अंतिम क्वालीफाइंग मार्क से चूक गए, जबकि चैन ने 586 स्कोर बनाए। इस दिन 25 मीटर की स्पर्धा भी हुई, जिसमें अनीश, विजयवीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह सभी ने पुरुषों की रैपिड-फायर पिस्टल में क्वालीफाइंग के पहले दिन शीर्ष छह क्वालीफाइंग मार्क से बाहर रहकर अपना स्थान बनाया।

भारतीय निशानेबाजों के लिए कुल मिलाकर चुनौतीपूर्ण दिन रहा, उनमें से कोई भी पुरुष 3पी फाइनल में नहीं पहुंच सका।

# व्यापार

### आईएमफ का दावा | मंदी का कारण नहीं बनेंगे शुल्क

## यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी

वाशिंगटन, एजेंसी

**अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दावा किया है अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि, आयात शुल्कों में वृद्धि वैश्विक मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ का ये अनुमान अगले सप्ताह यानी मंगलवार को जारी किया जाएगा।**

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक, क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि आयात कर वैश्विक विकास को धीमा कर देंगे, लेकिन दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा कि दुनिया की अर्थव्यवस्था की ताकत की परीक्षा हो रही है, क्योंकि वैश्विक व्यापार प्रणाली में बड़े बदलाव हो रहे हैं, और ये बदलाव वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह अशांति पिछले कुछ हफ्तों से वित्तीय बाजारों में चल रही है। खासकर वॉल स्ट्रीट पर, जिसने दिन-प्रतिदिन और अक्सर घंटे-दर-घंटे उतार-चढ़ाव का अनुभव किया है।

### देशों से टैरिफ कम करने की अपील

आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने ट्रंप प्रशासन की कुछ चिंताओं को भी दोहराया। उन्होंने देशों से अपने टैरिफ और व्यापार में अन्य बाधाओं को कम करने की अपील की। उन्होंने कहा, व्यापार विकृतियों- टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं ने बहुपक्षीय प्रणाली की नकारात्मक धारणाओं को बढ़ावा दिया है, जो सभी को बराबरी का मौका देने में नाकाम रही है। कुछ जगहों पर लगता है कि उनके साथ गलत हो रहा है। उनका मानना है कि वे नियमों का पालन करते हैं, जबकि अन्य नियम तोड़ते हैं और फायदा उठाते हैं।

**अनिश्चितता का कारण बनते हैं टैरिफ...** जॉर्जीवा ने कहा कि टैरिफ अनिश्चितता का कारण बनते हैं, जो महंगा हो सकता है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं की जटिलता के कारण, दर्जनों देशों में टैरिफ से एक ही वस्तु की लागत प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई व्यापार बाधाएं भी विकास को तुरंत प्रभावित करती हैं, और जबकि इससे अधिक घरेलू उत्पादन हो सकता है, इसे लागू करने में समय लगता है।

**जनवरी में जारी अनुमान में मुद्रास्फीति में कमी का था अनुमान...** जनवरी में जारी अपने सबसे हालिया अनुमानों में, आईएमएफ ने विश्व अर्थव्यवस्था के नाममात्र तेजी से बढ़ने और मुद्रास्फीति में कमी आने का अनुमान लगाया था। हालांकि, आईएमएफ ने चेतावनी भी दी थी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, जिनमें कर कटौती और विदेशी आयातों पर शुल्क में वृद्धि शामिल है, के कारण संभावनाएं कम हो गई हैं। हालांकि, जनवरी के पूर्वानुमानों में बदलाव होने की संभावना है।

## सर्राफा बाजार में सोना ने फिर बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड, चांदी के भाव में मामूली गिरावट

नई दिल्ली, (हि.स.)। वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट आने की आशंका और अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ वॉर को लेकर जारी तनातनी के कारण घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में लगातार तूफानी तेजी बनी हुई है। 24 कैरेट सोना आज पहली बार 97 हजार के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज पहली बार 89 हजार रुपये के ऊपर पहुंचा हुआ है। हालांकि, सर्राफा बाजार में आज चांदी के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। आज की तेजी के कारण सोना 1,290 रुपये से लेकर 1,400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। भाव में आए इस उछाल के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना महंगा होकर 97,580 रुपये से लेकर 97,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,450 रुपये से लेकर 89,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

## खत्म होने वाला है हुंडई समेत 21 कंपनियों का लॉक इन पीरियड, स्टॉक मार्केट में बढ़ेगी हलचल

नई दिल्ली, (हि.स.)

**घरेलू शेयर बाजार में अगले कुछ दिनों में करीब 21 कंपनियों का लॉक इन पीरियड खत्म होने वाला है। इन 21 कंपनियों में हुंडई मोटर इंडिया, डॉ अग्रवाल्स हेल्थ केयर, स्विगी जैसी बड़ी कंपनियां हैं। लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद इन कंपनियों के एंकर इन्वेस्टर्स के पास उपलब्ध करीब 2.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे बाजार में बड़ी हलचल नजर आ सकती है।**

स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग सजेशन, रिसर्च और ट्रेडिंग कंटेंट उपलब्ध कराने वाली कंपनी नुवामा अल्टरनेटिव एंड क्वांटेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार हुंडई मोटर इंडिया, अग्रवाल्स हेल्थ केयर और स्विगी के अलावा स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स, हरिओम पाइप, होनासा कंज्यूमर (मामाअर्थ), वारी एनर्जीज, सैगिलिटी इंडिया,

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स, एएसके आटोमोटिव, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक, रेनबो चिल्ड्रेन्स मेडिकेयर, सेलो वर्ल्ड, डेंटा वाटर एंड इंफ्रा, अजैक्स इंजीनियरिंग, डिफ्यूजन इंजिनियर्स, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, गोदावरी बायो रिफाईनरीज दीपक बिल्डर्स एंड इंजिनियर्स, एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर और ब्लू जेट हेल्थ के एंकर इन्वेस्टर्स के लिए लॉक इन पीरियड खत्म होने वाला है।

दरअसल, जब भी कोई कंपनी आईपीओ लॉन्च करती है, तो उसमें कुछ बड़े संस्थागत निवेशकों को एंकर इन्वेस्टर के रूप में शामिल किया जाता है। इन इन्वेस्टर्स के सामने आईपीओ में हिस्सेदारी खरीदने के बाद एक निश्चित अवधि तक अपने शेयर को होल्ड करन की शर्त होती है। मतलब एक निश्चित अवधि तक एंकर इन्वेस्टर अपने पास रखे शेयर को बेच नहीं सकते हैं। इस अवधि को ही लॉक इन पीरियड कहा जाता है। लॉक इन पीरियड खत्म होने के बाद एंकर इन्वेस्टर्स को ओपन मार्केट में शेयर बेचने की अनुमति मिल जाती है। आमतौर पर लॉक इन की अवधि 3 या 6 महीने की होती है। हुंडई मोटर्स इंडिया ने पिछले साल अक्टूबर के महीने में अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च किया था। इस कंपनी के करीब 81,821.65 करोड़ रुपये अनुमानित कीमत वाले 50.78 करोड़ शेयर का 6 महीने का लॉक इन पीरियड खत्म होने वाला है।

## कोरबा : एसईसीएल ने पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए 7040 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए

कोरबा, (हि.स.)

कोल इंडिया की आनुषंगिक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने कोयला खनन के लिए पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए टीएमसी मिनरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 7040 करोड़ रुपये के समझौते पर आज बिलासपुर में हस्ताक्षर किए हैं। इस तकनीक के उपयोग से एसईसीएल देश की पहली कोयला पीएसयू बन जाएगी जो पर्यावरण अनुकूल खनन प्रथाओं को अपनाएगी। इस समझौते के तहत एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र में स्थित सिंघाली भूमिगत कोयला खदान में पेस्ट फिल तकनीक का उपयोग करके बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन किया जाएगा।

**क्या है पेस्ट फिल टेक्नोलॉजी**-पेस्ट फिल एक आधुनिक भूमिगत खनन विधि है जिसमें सतह की जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होती है। कोयला निकालने के बाद खाली जगहों को विशेष रूप से तैयार पेस्ट से भरा जाता है, जो फ्लाई ऐश, कुचले हुए ओवरबर्डन, सीमेंट, पानी और बाइंडिंग रसायनों से बनाया जाता है। यह प्रक्रिया जमीन के धंसने से रोकती है।

### गुड्स ट्रेडिंग पर सबसे ज्यादा असर

## टैरिफ वॉर से ग्लोबल ट्रेड में गिरावट की आशंका

नई दिल्ली, (हि.स.)

**अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर की वजह से ग्लोबल ट्रेड के भी प्रभावित होने के आशंका बन गई है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने आशंका जताई है कि इस टैरिफ वॉर के कारण इस साल ग्लोबल ट्रेड के वॉल्यूम में 0.20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। इसमें गुड्स ट्रेडिंग पर सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है, जबकि सर्विस ट्रेडिंग पर टैरिफ वॉर का प्रत्यक्ष असर ज्यादा नजर नहीं आएगा।**

विश्व व्यापार संगठन की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका और चीन टैरिफ को लेकर जिस तरह से एक दूसरे पर हमलावर हुए हैं, उससे गुड्स सेक्टर की ट्रेडिंग में ग्लोबल लेवल पर तेज गिरावट आ सकती है। इस कारण ग्लोबल मार्केट में गुड्स ट्रेडिंग 1.20 प्रतिशत तक फिसल सकती है।

इसी तरह डब्ल्यूटीओ ने कॉमर्शियल सर्विसेज ट्रेडिंग के ग्लोबल वॉल्यूम में ग्रोथ रेट के अनुमान को घटा कर 4 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सर्विसेज की ट्रेडिंग में टैरिफ वॉर का प्रत्यक्ष असर नहीं होगा। इसके बावजूद इस वजह से वैश्विक कारोबार में बने तनाव के कारण सर्विसेज की ट्रेडिंग भी परोक्ष रूप से प्रभावित होगी।

### असमंजस की स्थिति बनी

बताया जा रहा है कि टैरिफ वॉर को लेकर ग्लोबल मार्केट में बनी अनिश्चितता से ट्रेडर्स के बीच असमंजस की स्थिति बन गई है। हालांकि, चीन के अलावा दूसरे देशों पर अमेरिका ने रेसिप्रोकल टैरिफ को 3 महीने के लिए टाल दिया है, लेकिन इस अवधि के बाद क्या होगा, इसको लेकर कारोबारी जगत में चिंता बनी हुई है। डब्ल्यूटीओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि टैरिफ वॉर के कारण बनी अनिश्चितता से ग्लोबल ट्रेड के वॉल्यूम पर तो असर पड़ेगा ही, ग्लोबल ट्रेड का ग्रोथ भी प्रभावित होगा। इसी वजह से रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल ट्रेड के ग्रोथ का अनुमान भी करीब 1.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3 .5 प्रतिशत के स्तर तक आ सकता है। इसके पहले विश्व व्यापार संगठन ने 2025 में ग्लोबल ट्रेड में 5 प्रतिशत ग्रोथ का अनुमान लगाया था।

## संक्षिप्त समाचार

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने की सौजन्य भेंट

**भोपाल, निप्र।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्प-गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की प्रतिमा भेंट कर थल सेना प्रमुख श्री द्विवेदी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जनरल द्विवेदी ने मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भेंट में प्रदेश में जारी विकास गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार तथा युवाओं में कौशल उन्नयन के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश में विद्यमान सैन्य इकाईयों के प्रबंधन संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह तथा मेजर जनरल सुमित उपस्थित थे।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव से केन्द्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने की सौजन्य भेंट

**भोपाल, निप्र।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने प्रदेश में पर्यावरण एवं वन विकास गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय वन मंत्री श्री यादव का अंगवस्त्रम एवं पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। साथ ही राजा भोज की कांस्य प्रतिमा स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की गई।

### राज्यपाल पटेल तथा स्वास्थ्य राज्यमंत्री आज प्रतापगढ़ में संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में होंगे

**भोपाल, निप्र।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल 19 अप्रैल को रायसेन जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम प्रतापगढ़ में आयोजित संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। राज्यपाल श्री पटेल 19 अप्रैल को हैलीकॉप्टर द्वारा भोपाल से प्रस्थान कर प्रातः 10.50 बजे ग्राम प्रतापगढ़ पहुचेंगे और प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक संविधान गौरव सम्मान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

**महापौर पुष्यमित्र भार्गव मास्को में करेंगे भारत गणराज्य का प्रतिनिधित्व**

# महापौर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर करेंगे देश का नेतृत्व

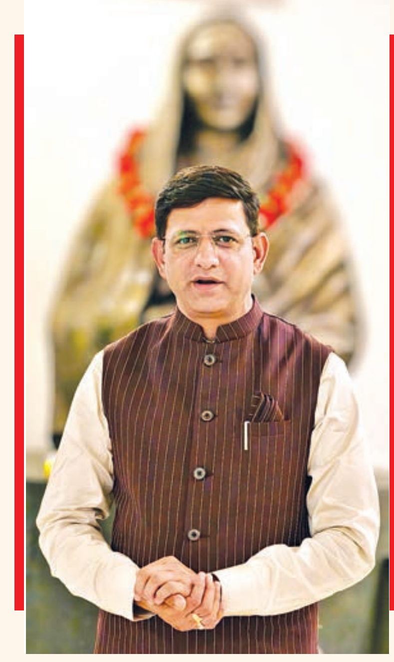

विनय उजाला

**इंदौर, नप्र। इंदौर के महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव को रूस ने भारत गणराज्य के निवेश आकर्षण और इसकी आर्थिक क्षमता के बारे में भाषण देने के लिए भारत गणराज्य की ओर से आमंत्रित किया है।**

**भारत गणराज्य के निवेश आकर्षण और इसकी आर्थिक क्षमता विषय पर देंगे उद्बोधन**

महापौर पुष्यमित्र भार्गव 20 अप्रैल, 2025 रूस के मॉस्को शहर पहुंचकर कार्यक्रम में उपस्थित रहंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश पर वार्षिक ऑल-रूसी म्यूनिसिपल फोरम आयोजित की जा रही है 21-23 अप्रैल, 2025 को मॉस्को में राष्ट्रीय केंद्र (रूस मॉस्को) में आयोजित किया जाएगा। फोरम के ढांचे के भीतर पैनल और रणनीतिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जहां विशेषज्ञ स्थानीय स्वशासन के विकास पर चर्चा करेंगे।

एम आई सी बैठक में सदस्यों अधिकारियों द्वारा महापौर जी को यात्रा के पूर्व पुष्प गुच्छ दे कर शुभकामनाएं प्रेषित की।

# ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ परामर्श के लिए टेली-मेडिसिन सेवा वरदान : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

**श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय, रीवा में टेली मेडिसिन सेवा का किया शुभारंभ**

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि टेली-मेडिसिन सेवा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाओं के प्रदाय का सशक्त माध्यम है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में टेली-मेडिसिन सेवा का शुभारंभ किया। इस सेवा से रीवा और सीधी जिलों के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों को वरिष्ठ विशेषज्ञों का परामर्श प्राप्त होगा।

इस सेवा के तहत अब संजय गांधी अस्पताल, रीवा के मेडिसिन, शिशु रोग (पेडियाट्रिक्स) तथा स्त्री रोग (गायनी) विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक, दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत डॉक्टरों को फोन या अन्य संचार माध्यमों से जरूरी परामर्श देंगे। इससे उन मरीजों को तुरंत लाभ मिलेगा जिन्हें विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता होती है। अब ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को विशेषज्ञ सेवाओं के लिए ज़िला मुख्यालय आने की आवश्यकता विशेष परिस्थितियों में ही पड़ेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह सेवा न सिर्फ मरीजों की यात्रा की आवश्यकता को कम करेगी, बल्कि समय, धन और संसाधनों की भी बचत करेगी। साथ ही, इससे प्राथमिक स्तर पर कार्यरत चिकित्सकों को विशेषज्ञों की मदद से त्वरित एवं सटीक निर्णय लेने में सुविधा होगी। इससे मातृ-शिशु स्वास्थ्य, गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान व इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि टेली-मेडीसिन सेवा का प्रभावी उपयोग सशक्त व स्वस्थ मध्यप्रदेश के विजन को धरातल पर उतारने में सहयोगी होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टेली-मेडिसिन कक्ष की व्यस्थाओं का अवलोकन किया एवं विधिवत संचालन के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि वे अगले सप्ताह प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा करेंगे। डीन मेडिकल कॉलेज रीवा डॉ. सुनील अग्रवाल सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

### हिनौती गौधाम में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करायें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल, निप्र। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हिनौती गौधाम में गौवंशों के लिए शेड की व्यवस्था सहित चारा व पानी सुविधा सुनिश्चित करायें। गौधाम में पानी की कमी न होने पाये इस पर विशेष ध्यान दें। सर्किट हाउस राजनिवास में हिनौती गौधाम के संबंध में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधोसंरचना विकास के कार्यों सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम में टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करायें तथा गौवंश के लिए पशु आहार की भी उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि गौधाम में व्यवस्था के अनुरूप ही गौवंश संरक्षित रखे जाय। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की धीमी प्रगति व व्यवस्थाओं में कमी होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा एसडीएम को निर्देश दिये कि प्रतिदिवस हिनौती गौधाम जाकर व्यवस्थाओं की मानीटरिंग करें। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, अध्यक्ष गंगेव जनपद विकास तिवारी, एसडीएम राजेश सिन्हा, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. राजेश मिश्रा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

**शालाओं में 22 अप्रैल को होगा पृथ्वी दिवस का आयोजन**

# विद्यार्थी निर्मित करेंगे वनस्पतियों की जानकारी के क्यूआर कोड

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र। प्रदेश की सभी शालाओं में 22 अप्रैल 2025 मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं।**

विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाइफ'' कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालयों में इको क्लब का गठन भी किया गया है।

प्रदेश में विद्यालयों में गठित इको क्लब से फ्लोरा (वनस्पति) के लिए क्यूआर कोड नामक एक शैक्षिक पहल की शुरूआत की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास करना, क्यूआर कोड निर्माण और डिजिटल जानकारी प्रदान करना है।

पृथ्वी दिवस के आयोजन में विद्यालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाईफ'' पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। विद्यालय के इको क्लब प्रभारी द्वारा विद्यार्थियो के समूह बनाएँ जाकर स्कूल परिसर एवं आस-पास के बाग बगीचों इत्यादि में उपलब्ध पेड़-पौधों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार की जायेगी। विद्यार्थी सूची अनुसार पेड़-पौधों से संबंधित जानकारी एकत्रित कर डिजिटल डेटाबेस भी तैयार करेंगे। इसके आधार पर प्रत्येक पेड़-पौधों के लिए स्थिर (स्टेटिक) क्यूआर कोड बनायेंगे। क्यूआर कोड वाले लेबल को विद्यार्थियों द्वारा संबंधित पेंड़ पौधों के समक्ष प्रदर्शित किया जायेगा, जिससे अन्य विद्यार्थी एवं जन सामान्य भी उस पेड़ पौधे से संबंधित जानकारी सहजता से प्राप्त कर सकेंगे।

क्यूआर कोड में उस पेड़ पौधे से संबंधित जानकारी यथा पेड़ (फ्लोरा) का नाम एवं स्थानीय नाम, पेड़ का वैज्ञानिक नाम, पेड़ का प्रकार, फलदार / औषधि / सजावट / अन्य, वनस्पति के बारे में जानकारी जैसे पोषण मूल्य, लाभ, उपयोग आदि भी उपलब्ध होगी।

# तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण हमारे भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक : गोविंद सिंह राजपूत

**खाद्य मंत्री ने ग्राम सागर में तालाब गहरीकरण कार्य में दी अपनी सहभागिता**

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुना जिले के ग्राम सागर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण के कार्य में अपनी सहभागिता कर श्रमदान किया गया।**

मंत्री श्री राजपूत द्वारा पूजा कर गेती-फावड़ा लेकर स्वयं श्रमदान करते हुए तालाब गहरीकरण कार्य की शुरुआत की और जल संरक्षण की इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत में ग्रामवासियों द्वारा पुष्पमालाओं से अतिथियों का अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात मंत्री एवं विधायक ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि जन-सहभागिता से जुड़ा एक संकल्प है। तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण हमारे भविष्य की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से इस अभियान को जनांदोलन के रूप में अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर विधायक चांचौड़ा श्रीमति प्रियंका पेंची, जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, भाजपा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह सिकरवार, अन्य जनप्रतिनिधिगण कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, अनुविभागीय अधिकारी चांचौड़ा रवि मालवीय सहित जनपद एवं पंचायत प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# प्रसाद योजना से संवरेगी माँ पीताम्बरा की नगरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माँ पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिये सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की प्रसाद योजना (Pilgrimage Rejuvenation and Spiritual Augmentation Drive) के अंतर्गत मंदिर परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के विकास के लिए 44.24 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। प्रसाद योजना का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी।

### प्रसाद योजना के तहत पीताम्बरा पीठ, दतिया में होने वाले प्रमुख विकास कार्य

**ब्रीदिंग स्पेसेज (खुले स्थान) :** हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 कि.मी. के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरिष्ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने के लिए विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा।

**सार्वजनिक सुविधाएं :** शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। इससे शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा।

**इंटरप्रिटेशन सेंटर :** मंदिर प्रबंधन ने उत्तर गेट के समीप इसके लिये लगभग 1000 वर्ग मी0 की भूमि उपलब्ध कराई है, उत्तर गेट भविष्य का मुख्य द्वार होगा। उत्तर द्वार से मंदिरों में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर (व्याख्या केंद्र) बनाया जाएगा, जहां मंदिर के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व की जानकारी दी जाएगी। प्रथम तल पर मंदिर ट्रस्ट का कार्यालय एवं भीड़ नियंत्रण कक्ष भी होगा।

**रोटरी डिजाइन :** ग्वालियर एवं झाँसी से आने वाले वाहनों/यात्रियों हेतु यातायात प्रबंधन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए बम-बम भोले एवं हनुमान चौक पर रोटरी की डिज़ाइन की जायेगी। यह न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में मदद करेगा बल्कि सौंदर्यीकरण में भी योगदान देगा।

**मल्टी-लेवल कार पार्किंग :** बढ़ती यातायात समस्या को ध्यान में रखते हुए, मंदिर के समीप बहु-स्तरीय कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। इससे वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या कम होगी और सड़कें अधिक व्यवस्थित रहेंगी। पार्किंग के भूतल पर दुकानों की व्यवस्था होगी। इससे दुकान व्यवस्थित हो सकेगी एवं श्रद्धालुओं के लिये भी सुविधाजनक होगी। भविष्य में मल्टीलेवल पार्किंग को सीधे मंदिर पाथ-वे से जोड़ा जावेगा।

**फुटपाथ विकास :** पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथों का पुनर्विकास किया जाएगा। इसमें समतल और मजबूत फुटपाथ, प्रकाश व्यवस्था, छाया के लिये शेड, पौध-रोपण और बैठने की सुविधाएं जोड़ी जाएंगी ताकि लोग आराम से चल सकें।

स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक

शहर में प्रमुख स्थानों, पर्यटन स्थलों, मंदिरों और सार्वजनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी देने के लिए स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक लगाए जाएंगे। डिजिटल और इंटरैएक्टिव बोर्ड की मदद से यात्री और नागरिक आसानी से दिशाओं, सूचनाओं और आवश्यक सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

# मध्य प्रदेश में बढ़ने लगा पारा, 20 शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार, नर्मदापुरम सबसे गर्म

**भोपाल, (हि.स.)।** मध्य प्रदेश में मौसम के दो रंग देखने को मिल रहे हैं। कहीं तेज गर्मी का कहर जारी है, तो कहीं बूंदाबादी हो रही है। गुरुवार को शाजापुर और सीहोर जिले में बारिश हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन समेत प्रदेश के 20 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। कई शहरों में तो पारा 3 डिग्री या इससे ज्यादा बढ़ गया। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में ज्यादातर क्षेत्रों में अधिकतम तापमान देखने को मिलेगा। कहीं-कहीं हीटवेव के साथ लू चलने का भी अलर्ट भी जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश में सूरज की तपिश तेज हो गई है। इससे गर्मी का असर भी बढ़ा है। गर्मी का असर बढ़ते ही मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने की सलाह दी है। इन्हीं 4 घंटों के दौरान धूप तेज होती है और गर्म हवाएं चलती हैं। वहीं, खाना-पान और सूती कपड़े पहनने की सलाह भी दी गई है। प्रदेश में दिन के तापमान में बढ़ोतरी हुई है। वहीं, रात में भी गर्मी बढ़ी है। अगले 5 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। वहीं, अगले 24 घंटे में बड़वानी, धार, खरगोन, बुरहानपुर, पांढुरना, मंडला, बालाघाट जिले में हल्की बारिश हो सकती है। जबकि मालवा, निमाड़, चंबल और बुंदेलखंड के कई जिलों में लू का भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को नर्मदापुरम सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में 43.2 डिग्री रहा। गुना में 42.4 डिग्री, शाजापुर में 42.1 डिग्री, नरसिंहपुर-धार में 42 डिग्री, टीकमगढ़ में 41.5 डिग्री, सागर में 41.4 डिग्री, नौगांव, खजुराहो-मंडला में 41 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह खरगोन में 40.6 डिग्री, खंडवा-दमोह में 40.5 डिग्री, रायसेन में 40.4 डिग्री और शिवपुरी में 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

**विकास कार्यों में लापरवाही नहीं चलेगी, अधिकारियों को समय पर करना होगा पूरा काम**

# राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र के रहवासियों की समस्याएं सुनीं

विनय उजाला

**भोपाल, निप्र।** पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को समय पर काम करना होगा। मंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों द्वारा लंबे समय तक फाइल अटकाने पर नाराजगी व्यक्त की। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने शुक्रवार को वार्ड-61 का औचक निरीक्षण कर रहवासियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही उनका निराकरण किया।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने भ्रमण के दौरान कहा कि नागरिक सुविधाओं के स्थायी समाधान के लिए हम संकल्पित हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहे, इसके लिए आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। मंत्री श्रीमती गौर को गोविंदपुरा स्थानीय रहवासियों ने पेयजल से जुड़ी कुछ परेशानियाँ बताई। उन्होंने पानी का प्रेशर कम होना और निर्धारित समय से कम अवधि तक पानी मिलने की शिकायत की। मंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों को पाइपलाइन का प्रेशर ठीक करने, पानी लाइन नेटवर्क को दुरुस्त करने और जल आपूर्ति की समय सीमा बढ़ाने के निर्देश दिए।

राज्य मंत्री श्रीमती गौर को लवकुश नगर, समृद्धि परिसर खजूरीकलां के रहवासियों ने बताया कि यहां मौजूद 40 फीट रोड पर बारिश में पानी भर जाता है। रहवासियों ने नाली पर से अतिक्रमण हटा कर सफाई की मांग की। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों से पानी निकासी की व्यवस्था करने और मंदिर में पेवर ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए। रचना विहार एवं अवंतिका विहार में कॉलोनी की प्रस्तावित सड़क एवं पार्क सौंदर्यीकरण कार्यों को शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए। मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य के लिये विधायक निधि से 5 लाख रूपये की सहयोग राशि प्रदान की गई है, ताकि धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों का स्वरूप और अधिक आकर्षक बन सके। तुलसी परिसर में मार्ग चौड़ीकरण, नाला सफाई, सीवेज के खुले में बहने तथा मंदिर सौंदर्यीकरण कार्यों के संबंध में निर्देश दिए गए हैं।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अमृतपुरी खजूरीकलां क्षेत्र के अमृतेश्वर महादेव मंदिर के समीप भ्रमण के दौरान रहवासियों से स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। पार्क के सौंदर्यीकरण व बाउंड्रीवाल की मांग को प्राथमिकता पर लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर टैगोर नगर में रहवासियों ने खाली पड़ी जमीन को पार्क में विकसित करने की मांग की और सीवेज की समस्या से भी अवगत कराया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने मांग को प्राथमिकता पर लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र 100 मीटर की खराब हुई सीवेज लाइन को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा मृणाल पब्लिकेशंस, 13, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इन्दौर से मुद्रित एवं 37/1, महादजी मार्ग, कार्तिक चौक, उज्जैन से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - पराग पांचाल *,
फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, 0734-4011949, मो. 9425910888, 9424515199, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। डॉक पंजीयन क्रमांक एमपी/आईडीसी/1359/2014-16, RNI. Reg. MPHIN/2016/68363.